

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2016-17



स्पाइसेस बोर्ड भारत
SPICES BOARD INDIA

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
Ministry of Commerce & Industry
भारत सरकार
Government of India
कोचिन / Cochin – 682 025



स्पाइसेस बोर्ड
भारत

स्पाइसेस बोर्ड

वार्षिक रिपोर्ट
2016-17

स्पाइसेस बोर्ड

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार

सुगंध भवन, पी.बी. नं. 2277, कोचिन - 682 025

दूरभाष : 0484-2333610-616, 2347965

ई-मेल : mail@indianspices.com

वेबसाइट : www.indianspices.com

संकलन और संपादन

1. श्री एम.एस. रामलिंगम
संयोजक
2. श्री टी.पी. प्रत्युष
संयोजक
3. डॉ. जी. उषाराणी
संयोजक (रा.भा.)

तकनीकी समर्थन

1. श्रीमती एम.एन. गीता
वाक्ताक
2. श्री एन. अनिलकुमार
वरुण अनावदक
3. श्रीमती भावना जेसवानी
संपादक
4. श्री आर. जयचंद्रन
ई डी पी

विषय सूची

कारिकारी तारा	5-6
1. घटन आर प्रक्रा	7-8
2. प्रान	9-12
3. वत्त आर लेखा	13-14
4. नर्तोनख उत्पादन	15-20
5. नर्त वक्रा एव. वर्धन	21-26
6. वापार लूचना लेवा	27-33
7. प्रचार एव. वर्धन	34-36
8. कोडेक कक्ष आर तक्षेप	37-38
9. इ. पाइ बाजार	39
10. गणवत्ता आधार	40-44
11. नर्तोनख अनुधान	45-47
12. लूचना प्राद्योगकी आर इक्टोनक आँकडा प्रकरण	48
13. लूचना का अधकार अधन 2005 का कान्वान	49
अनबध-1 - बोर्ड के दाकी लूची, जे क 31.03.2017 को	50-54

स्पाइसेस बोर्ड वार्षिक रिपोर्ट 2016-17



गणवत्ता लू पाकन प्रोगेगुाा ध्यापत की आर बोर्ड की ाभी प्रोगेगुाा आा ा लूाज वकीा वुोण ा उत्कृ टता-केन्द्र थापत कगा।

बोर्ड का भारतीय इााची अन ाधान ा थानु इााचगा (छोटी व बडी) ाे ाबधत प्रजाती ााधार, जव प्राद्यो गकी ाा तक्षेप, एकीकृत पोाक, नााकजीव व रोग प्रबन्धन आर वज्ञानक कटाई-पू चात तकनो ाजगा आर तकनोाजी अन्तरण पर अन ाधान का क्राा च गाता ाा च गाए गए व तार का क्रााा ा एकीकृत नााकजीव प्रबन्धन पर ाागा कार ाेवाएँ, ादा-जाँच आाधारत उर्वरका ा तत ाँ, ाइा विानक, ाााे उत्पन्धन प्राद्यो गकी पर प्र ाक्षण आर जव अ भकारक उत्पादन आर आपूत आते ा।

ाइाेा बोर्ड भारतद्वारा ाेजबानी कए गए, कोडेका क्रााी आन ाइाेा एण्ड कानरी र्बा (ीी एाीी एा) कााती ाा ात्र 6-10 ारवरी 2017 के दारान चेन्न ाा ापन्न आा। ााचव, वाणजा एव उद्योग ाााा ने ात्र का उदघाटन कगा।

खगााा ा प्रवृत्त राजभागा अनभाग ने र्बा 2016-17 के दारान ारकार की राजभागा नीत के काान्वान ााााता दी। बोर्ड के काराााा ा राजभागा नीत के काान्वान को ानीटर करनेका ाा नोड ाा ाइट ा। बोर्ड की राजभागा काान्वान ााात की ााात आर अन ाोदन के ााथ, राजभागा वभाग, गुााााा के

वााक का क्रााा तथा राजभागा के ाप ाा न्दी के प्रोगे के ााबन्ध ा, ाााााा पर जारी अनदेाव आदेा के अन ाार बोर्ड का राजभागा अनभाग ववध ावधनातक का क्रााा का ापान आर ाााेजन करता ा।

बोर्ड ने आर टी आई अधनाा 2005 को प्रभावी ढगाे का ान्वित क्रााा आर इाा ाबध ाा रकृा के ाभी दगाानदगा का ापान कगा ा। आर टी आई अधनाा 2005 के अन ाार, बोर्ड ने ाूचना के प्र ारण तेाान्वा केन्द्रीा ाावर्जनक ाूचना अधकारी (ीीी पी आई ओ) के ाप ा उप नदेाक ाेखा ापरीक्षा एव ातकता को आर ाात कद्रीा ाावर्जनक ाूचना अधकारी (ीी पी आई ओ) को बोर्ड के वभन्न ाभागगा ााााेद ट कगा ा। बोर्ड ने ाूचना का अधिकार अधनाा 2005 की धारा 5(2) के अधीन ाेक्षेत्र-इकाइगा ा 21 केन्द्रीा ाााक ाावर्जनक ाूचना अधकारी (ीी ए पी आई ओ) को भी नााेद ट कगा ा। ााचव, ााइाेा बोर्ड को आर टी आई अधनाा 2005 के अनपाान को ाान्वित करने तेनाडाा अधकारी आर बोर्ड के अपीीा अधकारी (एाे) के ाप ाान्वीत कगा गाा ा। र्बा 2016-17 के दारान, आर टी आई अधनाा के अधीन ारकार के आन- ाइन पोटा आर आा ाइन ाधाााेका ा 98 आवेदन प्राप्त एा। ाभी ााााे ाबधत जानकारी नर्धारत ााा के अन्तर्गत प्रदान की गई।

1. संघटन और प्रकार्य

अ) स्पाइसेस बोर्ड का संघटन

राज्य द्वारा अधिनियमित पाइसेस बोर्ड अधिनियम, 1986 (1986 क्र. 10) द्वारा इलाची खेती एवम् उद्योगों के नवनीकरण तथा इलाची उद्योग के नवनीकरण बोर्ड के गठन का प्रावधान है। इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत राजपत्र द्वारा अधिनियम के अन्तर्गत पाइसेस बोर्ड का गठन किया, जो 26 फरवरी 1987 को अस्तित्व में आया।

आ) स्पाइसेस बोर्ड की सदस्यता में:

- (क) अध्यक्ष;
- (ख) राज्य के तीन सदस्य, जिनमें दो लोकसभा से आर एक राज्यसभा से चुने जायेंगे।
- (ग) केन्द्रीय सरकार के नवनीकरण बोर्ड के प्रतಿನध तीन सदस्य:
- वाणिज्य;
 - कृषि; एवं
 - वित्त;
- (घ) इलाची कृषि के प्रतಿನध, प्रत्येक राज्य;
- (ङ) इलाची नवनीकरण के प्रतಿನध, प्रत्येक राज्य;
- (च) प्रमुख इलाची उत्पादक राज्य के प्रतಿನध तीन सदस्य;
- (छ) नवनीकरण प्रत्येक का प्रतಿನध, कुल चार सदस्य:-
- योजना आयोग; (प्रतಿನधित आयोग)
 - भारतीय पकेजिंग, स्थान, बर्द;
 - केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अन्वेषण स्थान, पूरु;
 - भारतीय इलाची अन्वेषण स्थान, कोयंबटूर;
- (ज) इलाची उद्योग के प्रतಿನध एक सदस्य।

बोर्ड के कार्य

पाइसेस बोर्ड अधिनियम, 1986, के अन्तर्गत पाइसेस बोर्ड को नवनीकरण का प्रावधान है:-

क) बोर्ड :

- इलाची का विकासा, प्रचार एवं नवनीकरण - नीति बनाना;
- इलाची के नवनीकरण के लिए प्रावधान प्रदान करना;
- इलाची के नवनीकरण को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई पर योजना बनाना;
- इलाची के प्रचार, प्रोडग व पकेजिंग की गणवत्ता तकनीक के आधार के लिए अनुदान व अधिमान कार्यों को प्रोत्साहन प्रदान करना;
- नवनीकरण इलाची के उद्योगों के स्थिरीकरण की दिशा में प्रयास करना;
- उपरोक्त गणवत्ता प्रतियोगिता का विकासा तथा नवनीकरण इलाची का 'गणवत्ता - चयनांकन' द्वारा गणवत्ता - प्रमाणिकरण करना;
- नवनीकरण इलाची की गणवत्ता का नवनीकरण;
- नवनीकरण इलाची के नवनीकरण को नवनीकरण के नवनीकरण के आधार पर अनुदान प्रदान करना;
- नवनीकरण बढ़ाने के लिए आवकता प्रोत्साहन पर कार्य भी इलाची का वपणन करना;
- इलाची के लिए वदेशी भण्डागारों का वधाएँ प्रदान करना;
- अन्वेषण एवं प्रकाशनार्थ इलाची के विकासा के लिए इकाई बनाना;
- केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुदानों बन्धी के लिए कार्य भी इलाची का आगत करना; तथा
- इलाची के आगत - नवनीकरण बन्धी बाता पर केन्द्रीय सरकार को सूचना देना।

साथ ही, बोर्ड -

- इलाची कृषि के बीच श्रमिकों को बढ़ावा देना;
- इलाची कृषि को लाभकारी पारिवारिक बनाना;
- इलाची खेती आर प्रचार के अन्तर्गत, इलाची पन्नीकरण तथा इलाची खेती इलाची के वितरण के लिए वित्तीय एवं अन्वेषण प्रदान करना;

- (iv) इ पाची की बक्री को वनांत तथा उनके पूरा को थिर रख;
- (v) इ पाची की झुँच तथा उनके ग्रेड मानदण्ड को थिर करने का प्रोक्षण प्रदान कर;
- (vi) इ पाची के उपभोग को बढ़ावा द तथा उनके प्रचार-प्रार को जारी रख;
- (vii) इ पाची के (नी पाकर्ताआ ता) द पा एव इ पाची का धधा करनेवा गे गोगा को पजीन आर अनज्ञप्ति द;
- (viii) इ पाची के वपणन ताधार कर;
- (ix) इ पाची उद्योग जड़े करी भी वता पर कृका, वापारा पा ऐगे अना वनदट गोगा गे आकडा इकटठा कर आर

- उनको पा उनके अता को पा उनके ताराता को प्रकात कर;
- (x) ताका के ऐबे तर का ककारी परथितता आर तावधाआ की वाव था तथा प्रोता न को भी ता नचित कर आर
- (xi) वजा नक, प्राद्यो गकी तथा आथक अन तधान कार् च गाँ, उनके ऐ प्रोता न ता ताता प्रदान कर।

बोर्ड की नानार तीन तावधका ताता ता :

- (i) का ककारी ताता
- (ii) इ पाची के ऐ अन तन्धान एव वका ताता
- (iii) तापा के ऐ वका ताता

इ) बोर्ड के अधिकार क्षेत्र के अधीन आनेवाले मसाले

पाइ गे बोर्ड अधनी की अन लूची ता नन तखत 52 ताता आते :-

1.	इ पाची	19.	कोका	37.	जूनपर बेरी
2.	करी पत्ता	20.	पदीना	38.	बे-पत्ता
3.	पत्ता	21.	तरा	39.	लूवेज
4.	अदरक	22.	अज गेद	40.	ताजार
5.	दी	23.	अनारदाना	41.	जाता
6.	धना	24.	केर	42.	जावत्री (ता)
7.	जीरा	25.	वना	43.	ताता
8.	बडी ता	26.	तेजपात	44.	खख
9.	थी	27.	पीपा	45.	आता पाइ
10.	ोरी	28.	टार एनीज़	46.	रोज़ोरी
11.	ता	29.	घोड़ बच (वीट फाग)	47.	ोज
12.	अजोवन (ताता का पाधा)	30.	ता गेता	48.	ोवरी
13.	काता जीरा	31.	ोतर डता	49.	थाइ
14.	ोआ	32.	केपर	50.	ओरगेनो
15.	दाचीनी	33.	ताग	51.	टेरागन
16.	आताता (काता)	34.	तांग	52.	इता
17.	ता	35.	केबोज		
18.	करी पत्ता	36.	ताप		

(करी पाउडर, ताताता, तारा एव अना ताता ता करी भी ताता, जता ताता घटक प्राख)

2. प्रशासन

अ) प्रशासन

रपोर्टाधीन अवध के दारान डा. ए. जगत एक भा.प्र. के अधक्ष के पदा जारी रहे। पी.ए. कण्णन, नंदे.कु (वपणन व. थापना) के पदा 24.10.2016 तक जारी रहे और 05.06.2016 तक आचव के पदा भी कारित रहे। पी.ए. सिद्धाप्पा 29.06.2016 तक नंदे.कु (वका) के पदा पर जारी रहे और 06.06.2016 को लेकर अधिव के पदा कारित रहे और उन्होंने 30.08.2016 को लेकर नंदे.कु (वक्त) का अंतरवक्त भार भी ग्रहण काया। पी.सी.ए. सिद्धाप्पा, आचव 25.10.2016 को लेकर नंदे.कु (वपणन) के पदा कारित रहे। डा. वाई.ए. राव, वज्ञानक ने 15.06.2016 तक नंदे.कु (अन.धान) का भार व.न का आर 16.06.2016 को डा. ए.बी. रागी ने नंदे.कु (अन.धान) के पदा पर अपना भार ग्रहण का आर 25.10.2016 को लेकर नंदे.कु (वका) का अंतरवक्त भार भी ग्रहण का। पी.के. पी. बाबु पी.ए. अधवत्ता पर अपनी सेवा नवृत्ति की तारीख, 31.05.2016 तक नंदे.कु (वक्त) के पदा पर जारी रहे।

जो 31 मार्च 2017 को, पाइलट बोर्ड की संख्या 449 थी, जिनमें 6 वंभागीय कठिन कार्यालयों में 93 वर्ग 'क', 147 वर्ग 'ख' आर 209 वर्ग 'ग' अधिकारी शामिल थे।

नियुक्तियों एवं पदोन्नतियों में अ. जा./अ. ज. जा./अ. पि. व. के लिए आरक्षण

बोर्ड अ.जा./अ.ज.जा./अ.प.व. के लिए पदा-आधारित आरक्षण रोटरी का उचित पोषण का निश्चय करता है। सरकार द्वारा जारी प्र.सू. अधि. जारी अनदे.सू. का भी कड़ाई से अनुपालन काया जाता है जो 31 मार्च 2017 को, अ.जा./अ.ज.जा. आर अ.प.व. की श्रेणी में 245 पदाधिकारी थे। वर्ष 2016-17 के दौरान, बोर्ड ने चार अ.जा. के आर एक अ.ज.जा. के पदाधिकारों को पदोन्नति प्रदान की। रपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड ने अनुचित जात के चार श्रेणी, अनुचित जनजात के पांच श्रेणी तथा अना पछडे वर्ग के तीन श्रेणी की नियुक्ति भी की।

महिला कल्याण

जो 31 मार्च 2017 को, बोर्ड की 'क', 'ख' व 'ग' श्रेणी का पदाधिकारों की संख्या 131 थी। श्रेणी पदाधिकारों

की संख्या पर श्रेणी पर आर उचित तार पर ध्यान देया जाता है। बोर्ड की एक श्रेणी अधिकारी को श्रेणी का श्रेणी अधिकारी के पदा नवत काया जाता है, ताकि श्रेणी आ की परे.सू.न में आर श्रेणी आ, यदि कोई श्रेणी, तो अनु.सू.न आर श्रेणी आधान के लिए श्रेणी आ के साथ उच्च अधिकारों के ध्यान में आया जाये।

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. कल्याण

बोर्ड द्वारा अ.जा./अ.ज.जा व अ.प.व. के कार्यालयों के कल्याण की देखभाल के आर उनकी श्रेणी आधान के श्रेणी आ का गठन काया जा चका है। बोर्ड द्वारा अ.जा./अ.ज.जा./अ.प.व. को श्रेणी आ आरक्षण श्रेणी आ के लिए एक श्रेणी आ अधिकारी को पदनात काया जा चका है।

विकलांग व्यक्तियों का कल्याण

बोर्ड द्वारा विकलांग व्यक्तियों को श्रेणी आ आरक्षण श्रेणी आ के लिए एक श्रेणी आ अधिकारी को पदनात काया जा चका है। रपोर्टाधीन अवध के दारान बोर्ड ने विकलांग श्रेणी के अधीन श्रेणी आ उ.सिद्धाप्पा की नियुक्ति की श्रेणी वर्ग 'ख' (अधि बाधत) के अधीन क्षेत्र अधिकारी का एक पदा, वर्ग 'ग' (अधि बाधत) के अधीन वरठ श्रेणी आ वज्ञानक के एक पदा, वर्ग 'ग' (श्रेणी आ बाधत-1), (श्रेणी आ बाधत-1) आर (अधि बाधत-1) के अधीन तीन वरठ श्रेणी आ के पदा आर वर्ग-ग' (श्रेणी आ बाधत-1) आर अ.प.व. (श्रेणी आ बाधत-1) के अधीन दो कनठ श्रेणी आ के पदा बोर्ड विकलांग व्यक्तियों का रोटरी बनाए रखता है।

आन्तरिक लेखापरीक्षा

रपोर्टाधीन अवध के दारान इन्टिटीयूट आफ पब्लिक ओडेट्स आर इण्डिया (आई पी ए आई) बोर्ड की आन्तरिक लेखापरीक्षक के पदा जारी रहे।

बोर्ड की बैठकें

रपोर्ट के अधीन की अवध के दारान तीन बोर्ड बैठक आयोजित की गई :-

- नई दिल्ली 24.06.2016
- वाराणसी 21.09.2016
- कोलकाता 28.12.2016

वर्षा के दौरान पाइरो बोर्ड के आठवां की सूची अनबध-1 जारी की गई।

बोर्ड के कार्यालय

बोर्ड का मुख्यालय केरल के कोच्चि स्थित है। वर्ष 2016-17 के दौरान बोर्ड के नए खेत कार्यालय प्रवृत्त रहे:-

i) विपणन

पाइरो बोर्ड के विपणन कार्यालयों में त्रिपुरा, चेन्नई, तूतकोरन, बोडनाक्कूर, गण्टूर, नई दिल्ली, अहमदाबाद, बंगलूरु, कोयंबटूर, गान्तोक, गवाटी, गुवाहाटी, कुंझा स्थित हैं।

आठवां पार्क: बोर्ड ने छन्दवाडा, पट्टीडा, गुवागंगा, गण्टूर, जोधपर एवं गना आठवां पार्क की स्थापना की है। कोटा एवं राबरे भी आठवां पार्क की स्थापना पूरी हो चुकी है।

ii) विकास

बोर्ड के प्रादेशिक कार्यालयों में बोडनाक्कूर, ईरोड, कोयंबटूर, गुवाटी, गण्टूर, वारंगल, गना, कुंझा, बाराबंकी, त्रिपुरा, गान्तोक, गवाटी एवं जोधपर प्रवृत्त हैं।

आठवां पार्क में नेडक्कण्डा, पट्टीडा, राजकोट, चक्रगूर, कुडकेरी, गुवागंगा, अगरतला, ऐंजल, इटानगर, तनिकावा, जोरथाम, कर्णाटक, गैंग एवं त्रादाग प्रवृत्त हैं।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में आठवां पार्क बढाए जानेवाले राज्या में 56 क्षेत्र कार्यालय प्रवृत्त हैं।

कर्नाटक राज्या में पाँच वंभागीय पार्क प्रवृत्त हैं।

iii) अनुसंधान

आठवां पार्क (केरल) के भारतीय आठवां पार्क अनुसंधान आठवां पार्क (आई. आर. आई) आठवां पार्क कोयंबटूर (कर्नाटक), तडानकड (तमिलनाडु), तादाग (केरल) के क्षेत्रीय अनुसंधान आठवां पार्क ने अपना प्रवर्तन जारी रखा।

बागान श्रम, कल्याण

पर्याप्त नंध के अभाव में बोर्ड वत्ती वर्ष 2016-17 के दौरान बागान आठवां पार्क योजना को जारी नहीं रख पाया।

आ) राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

ऊपर के आठवां पार्क अधीन राजभाषा अनुभाग के प्रमुख कार्यालय आठवां पार्क उप आठवां पार्क न नान आठवां पार्क :-

(i) अनुवाद

किए गए प्रमुख अनुवाद कार्यों में नान आठवां पार्क :-

- प्राप्त हिन्दी पत्र, आठवां पार्क, उनका अनुवाद।
- बोर्ड के पदाधिकारियों के लिए वृत्तगत कार्ड, रकड़-पोस्ट आठवां पार्क की सेवाओं से सेवा नवृत्त पदाधिकारियों के लिए पोस्ट।
- बोर्ड द्वारा आयोजित वृत्तगत आठवां पार्क के लिए द्विभाषी आठवां पार्क (बनर, बकडोप, आठवां पार्क कार्ड, कार्यालय आठवां पार्क आठवां पार्क)
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन आठवां पार्क सेवा दे तावेज जो के आठवां पार्क आठवां पार्क दे तावेज, वंजापन, प्रो. वंजापन, अधिभूचना आठवां पार्क
- हिन्दी पत्रिका 'स्पाइस इण्डिया' के लिए आठवां पार्क
- बोर्ड की विकास योजनाएँ
- बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट आठवां पार्क खेपरीक्षा रिपोर्ट 2015-16
- बोर्ड के दारे/नरीक्षण के लिए आई वंजापन आठवां पार्क आठवां पार्क के लिए बक ग्राउण्ड नोट, भरी आई प्रनुवणी आठवां पार्क आठवां पार्क
- बडी इण्डिया पर प्रतावत "रवाइड आठवां पार्क आठवां पार्क" के लिए आठवां पार्क

(ii) राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

क) राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठकों का आयोजन

आठवां पार्क में एक बैठक के तार पर चार बैठक, क्र. आठवां पार्क: 28-04-2016 (अप्रैल-जून 2016), 11-07-2016 (जुलाई-सितंबर 2016), 24-10-2016 (अक्तूबर-दिसंबर 2016) आठवां पार्क 14-01-2017 (जनवरी-मार्च 2017) का आयोजन करा गया। अधिभूचना दे तावेज ने इन बैठक की अधिभूचना की।

14-01-2017 को आयोजित बैठक डा. बंजन बंजी आई एफ ए, आठवां पार्क, राजभाषा वंभाग, गुवाहाटी, भारत सरकार के दारे के आठवां पार्क आठवां पार्क आठवां पार्क की गई थी। आठवां पार्क नदी (कार्यालय), क्षेत्रीय कार्यालय, राजभाषा वंभाग, गुवाहाटी, भारत सरकार, कोच्चि ने भी बैठक का भाग लिया।

ख) हिन्दी कार्यशाला

आठवां पार्क आठवां पार्क के लिए दो हिन्दी कार्यालय आठवां पार्क आठवां पार्क

24 जून, 2016 आर 20-21 दिसंबर, 2016, का आयोजन करा गया आर 40 टैक्स इकाओं को हिन्दी प्रशिक्षण प्रदान करा गया। बोर्ड के उत्तर पूर्वी राज्यों के अतिरिक्त टैक्स इकाओं के लिए 23 अक्टूबर 2016 को गवाटी एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करा गया। नई दिल्ली (वेंकटेश्वर) में कार्यालय का उदघाटन कर आर गीत कोइराणा, हिन्दी अधिकारी, ब्रह्मपत्र बोर्ड, गवाटी ने कार्यालय चलाई। कार्यालय का 23 टैक्स इकाओं ने भाग लिया।

ग) सेवाकालीन हिन्दी प्रशिक्षण

हिन्दी प्रशिक्षण योजना, काक्कुनाड, कोच्ची के अधीन कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन आर टाइपिंग के सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए किया गया। दो टैक्स इकाओं को नियोजित करा गया। दोनों ने नियोजित पूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करा।

घ) हिन्दी पुस्तकों, शब्दकोशों की खरीद/ हिन्दी समाचार पत्र/ पत्रिकाओं केलिए चन्दा

खाता के अंतर्गत के लिए 18 कथाएँ, कविताएँ, नाटक, उपन्यास आदि की खरीद आर उपयोगी हिन्दी पुस्तकों की खरीद के लिए टी.टी. वाणी प्रकाशन, टी.टी. राजकास प्रकाशन, टी.टी. लोकभारती प्रकाशन आर टी.टी. कतावधर प्रकाशन के साथ आवृत्ति प्रबंध करा गया जो पुस्तकों के लिए पुस्तकों की खरीद के खर्च का 50 प्रतिशत आता है। हिन्दी अखबार 'डेली हिन्दी मिलाप' आर सरिता व वनिता नामक हिन्दी पत्रों का आ के लिए चन्दा देना जारी रखा।

ड) राजभाषा सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

अक्टूबर, 2016 को दार्जीलिंग में आयोजित राजभाषा कृप आर टी.टी. एण्ड का कार्य, कागजातों एक पदाधिकारी को नियोजित करा गया।

हिन्दी प्रशिक्षण योजना, काक्कुनाड, कोच्ची के द्वारा 29 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित पाँच दिवसीय 'कंप्यूटर ब्रह्मपत्र प्रशिक्षण' आयोजित किया गया। एक पदाधिकारी को नियोजित करा गया।

च) हिन्दी दिवस/पखवाड़ा समारोह 2016

बोर्ड ने 15 अक्टूबर 2016 को हिन्दी दिवस के पानागाडा क्षेत्र राजभाषा प्र.वे., टी.टी. कृ.ज. पाथी, एरणाकास ने 19 अक्टूबर, 2016 को खाता में हिन्दी पखवाड़ा समारोह उदघाटन करा। टैक्स इकाओं के लिए वंभन् हिन्दी प्रतोगेताआ का आयोजन

कराया गया आर हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2016 के आयोजन में वंभन् कार्यालय के आयोजन के लिए बारी कार्यालय को भी आवृत्ति प्रदान करी गई।

बोर्ड ने हिन्दी पखवाड़ा 2016 का आयोजन समारोह 17 जनवरी 2017 को पाइपो बोर्ड खाना में आयोजित करा। अधिका, पाइपो बोर्ड ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह के दौरान अधिका ने कूची बच्चा के लिए आयोजित वंभन् कृष्णा (अखंकिरा हिन्दी कविता पाठ आर हिन्दी देवभक्त गीत प्रतोगेता) वंभन् आ के लिए टैक्स इकाओं/नकद पर कार/प्राणपत्र, खाता में टैक्स के लिए आयोजित वंभन् हिन्दी प्रतोगेताआ के वंभन् आ को नकद पर कार आर प्राणपत्र, हिन्दी टी.टी. राजनी का के लिए नकद पर कार/प्राणपत्र, राजभाषा प्रतभा परकार, राजभाषा के लिए हिन्दी के प्रयोग के लिए अनभाषा के लिए राजभाषा सेमिनार टोप्री आर राजभाषा स्नरअप टोप्री, हिन्दी का एक गुण उल्लेखनीय कार्य के लिए टोप्री, कद्री हिन्दी प्रशिक्षण प्रधान, नई दिल्ली के अधीन वर्ष 2016 के दौरान पत्राचार पाठिका के जरूर सेवाकालीन हिन्दी प्रशिक्षण (प्रबोध आर प्रवीण) परीक्षा आर उत्तीर्ण पदाधिकारियों के लिए प्राणपत्र, वर्ष 2016 में बोर्ड परीक्षा में हिन्दी में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने वाले टैक्स इकाओं के बच्चा के लिए नकद पर कार/प्राणपत्र, का वंभन् करा।

छ) हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2016, - विशेष कार्यक्रम

बोर्ड ने हिन्दी पखवाड़ा 2016 के आयोजन में वंभन् कार्यालय के लिए टी.टी. कृ. आर टी.टी. केन्द्रीय कृ. के छात्रों को पी.ए.ई./टैक्स बोर्ड/के लिए पाइपो-बोर्ड के खाता में 04 अक्टूबर 2016 को अखंकिरा हिन्दी कविता पाठ प्रतोगेता आर 05 अक्टूबर 2016 को अखंकिरा हिन्दी देवभक्त गीत प्रतोगेता का आयोजन करा।

ज) कोच्ची नराकास द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभागिता

बोर्ड ने टी.टी. राजभाषा समारोह 2016 में जड़े खर्च की पूत के लिए कोच्ची नराकास को ज्ञान अदान की दायिर्ता की। बोर्ड ने टी.टी. राजभाषा समारोह 2016 के आयोजन में कोच्ची नराकास द्वारा आयोजित हिन्दी प्रतोगेताआ में खाता में के पदाधिकारियों की प्रतभागिता के लिए आवृत्ति तारा की। 18 जनवरी 2017 को आयोजित कोच्ची नराकास की बैठक में नई दिल्ली (वेंकटेश्वर) ने भाग लिया। 8 मार्च 2017 को कोच्ची नराकास द्वारा हिन्दी पदाधिकारियों के लिए आयोजित बैठक में टी.टी. क. नई दिल्ली (रा.भा.) ने भाग लिया।

झ) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण-पश्चिम), कोच्ची द्वारा दौरा व निरीक्षण

23 मार्च 2017 को ए. आर. नंदेकर (कार्गो), क्षेत्रीय कार्यालय कार्गो (दक्षिण-पश्चिम), मूत्राश्रम, भारत सरकार, कोच्ची ने बोर्ड के ए. आर. नंदेकर का आर. राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में बोर्ड के कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई हुई कठिनाई को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए और वृत्त रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्ची को सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी।

ज) सेवाकालीन हिन्दी शब्द संसाधन /टंकण प्रशिक्षण केलिए स्टाफ को मनोनीत करना

हिन्दी प्रशिक्षण योजना, कोच्ची के अधीन 2016-17 के दौरान केन्द्र के लिए कंप्यूटर सेवाकालीन हिन्दी शब्द संग्रहण /टंकण प्रशिक्षण के लिए दो टंकणकारों को मनोनीत किया गया।

ट) अन्य कार्यक्रम

'काली एकता सप्ताह 2016' के भाग के रूप में ए. आर. नंदेकर को 'भाषाई आरंभिक दस्तावेज' के आयोजन में अतिथि दी गई। एकता सप्ताह की भूमिका पर भाषण का इंतजार किया।

ठ) उपलब्धियां/पुरस्कार

वाणिज्य विभाग से राजभाषा ट्रॉफी

वर्ष 2015-16 के लिए राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अधीनस्थ कार्गो द्वारा किए गए राजभाषा कार्यों के लिए वाणिज्य विभाग,

भारत सरकार द्वारा स्थापित राजभाषा ट्रॉफी (तृतीया पर्यकार) पाई को बोर्ड को प्रदान की गई।

इ. पुस्तकालय और प्रलेखन सेवा

बोर्ड के पुस्तकालय में पुस्तक व पत्रका आकाशंता के अलावा एक अच्छा संग्रह में पुस्तकालय सूचना केन्द्र को जड़ित बनाने का कार्य नई पुस्तक व पत्रका को जोड़कर जारी रखे गए। वर्ष 2016-17 के दौरान, रीडिंग आरंभिक ए. आर. नंदेकर अथनातन इंडियन पुस्तकालय के पुस्तकालय का आधार किया गया और ए. आर. नंदेकर की दूरी में स्थानांतरित किया गया। 637 नई पुस्तक जोड़ी गई और लगभग 140 पत्रका के लिए चढ़ा जारी रखे गए। *विम्पी किड सीरीस*, *गुसबम्स* जो बाबा साहेब आरंभिक *ग्राफिकल गाइड* आरंभिक *वेरि शार्ट इंटरडिक्शन सीरीज* के एक अच्छे संग्रह को वास्तविकी गई। बोर्ड ने पुस्तकालय तावजा व पत्रका का परिचालन, तावजा अपर्दगी सेवाएँ, कस्टम एवेरनेस सेवाएँ, रोग्राफिक सेवाएँ, पीडीएफ आरंभिक ए. आर. नंदेकर पर अखबार कृतरन सेवाएँ आदि को जारी रखा। इनके अलावा, इंटरनेट सेवाएँ, इ-पेपर रीडिंग आरंभिक ए. आर. नंदेकर के अधीन के लिए लगभग 10 कंप्यूटर सेवाएँ प्रदान किए गए। वृद्धि व वृद्धि के प्रोत्साहक को मार्गदर्शित तावजा आरंभिक भी उपलब्ध करवाई गई। कृषि छात्रा सेवा निवृत्त टंकण के लिए अपनी सेवा का वृद्धि किया गया। बारकोड कनर सेवाएँ के पुस्तकालय प्रबंधन पोफ्टवेयर (कोरपोरेट गेजिट पोफ्टवेयर) आरंभिक आरंभिक पब्लिक ऐकसिबिलिटी (ओपीएपी) सेवा की स्थापना करते हुए पुस्तकालय तावजा की आरंभिक सेवाएँ के लिए पुस्तकालय का उन्नयन किया गया।

स्पाइसेस बोर्ड वार्षिक रिपोर्ट 2016-17



शुद्ध जीव वज्ञान आ उत्कृ टता कद्र	535.00	674.79
अदरक पर योजना ब तर	10.00	9.12
डबू टी ओ - ए टी डी एफ	4.15	0.00
आधी पाधा का गणवत्ता- गानक	6.39	4.62
ए ई ए गार बडी इ गाची	9.80	5.70
कुल	1557.96	2578.44

4. निर्यातोन्मुख उत्पादन

उत्पादन, उत्पादकता एवं गणवत्ता का आधार के रूप में इलाची (छोटी घूबडी) के आयात वक्रों की ज़िम्मेदारी पाइरो बोर्ड की है। निर्यातार्थ वक्रों के उत्पादन हेतु बोर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार का भी चर्चा करता है। बोर्ड के संबंध में वक्रों का क्रिया व कटाई पश्चात् गणवत्ता आधार का क्रिया 'निर्यातोन्मुख उत्पादन' प्रक्रिया के अधीन है।

वक्रों का क्रिया 14 प्रादेशिक कार्यालयों, 15 एंजल कार्यालयों एवं 56 क्षेत्र-कार्यालयों के वैश्व नेटवर्क के जरूरत का निश्चित किए जाते हैं। बोर्ड इलाची कृषकों की गणवत्तावापी रोपण प्रणाली की अपेक्षा की पूर्णता के लिए कर्नाटक के प्रमुख इलाची बढानेवाले क्षेत्रों में पाँच विभागीय पाठशालाओं का रखरखाव भी करता है।

पाइरो बोर्ड ने इलाची वक्रों एवं वपणन को बढावा देने हेतु नवंबर 2016 में वक्रों एजेन्सिया (ए।डी.ए.) की स्थापना की है:-

- गवाटी ए।डी.ए.
- गान्तोक ए।डी.ए.
- उत्तर प्रदेश ए।डी.ए.
- गना ए।डी.ए.
- ऊझा ए।डी.ए.
- जोधपर ए।डी.ए.
- बिड़ ए।डी.ए.
- गदर ए।डी.ए.
- बिबरी ए।डी.ए.
- ईरोड ए।डी.ए.

इलाची कृषकों, निर्यातकों, व्यापारियों, राजा बागवानी / कृषक विभाग, राजा कृषक विवेचना, जोइंट डेवेलपमेंट, कृषि प्रणाली, वाणज्य प्रणाली आदि का प्रोत्साहन करनेवाले 17 इलाचों में ए।डी.ए. का स्थापना, बिबरी राजा के इलाचों में। बोर्ड के प्रादेशिक अधिकारी ए।डी.ए. के आदेशों के अनुसार ए।डी.ए. ने बैठक आयोजित की है और ए।डी.ए. का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

बोर्ड जल्दी वारसा, तेजगाना राजा ए।डी.ए. की स्थापना करेगा।

पाइरो बोर्ड ने जल वक्रों के क्षेत्र के वक्रों, वपणन, गणवत्ता, निर्यात एवं घरेलू खर्च को बढावा देने हेतु गिनगरी के क्षेत्र उत्पादन एवं निर्यात वक्रों अभिकरण (ए।पी.ई.डी.ए.-पेडा) की स्थापना की है। चव, वाणज्य विभाग, वाणज्य एवं उद्योग प्रणाली तथा खास चव, जल वक्रों सरकार पेडा की सहायता करेगी।

मसालों का निर्यातोन्मुख उत्पादन

वर्ष 2016-17 के दौरान 'इलाची निर्यातोन्मुख उत्पादन योजना' के अधीन का निश्चित व भन्न कार्यों का ववरण नीचे दिया जाता है:-

अ) इलायची (छोटी)

छोटी इलाची खासतः केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु के पश्चिमी घाटों में बढाई जाती है। अधिकतर इलाची बागान छोटे एवं उपान्तिक हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान इलाची के अधीन का क्षेत्र 19625 हे.के. के आकृत उत्पादन के साथ 52,820 टन वक्रों था। छोटी इलाची के वक्रों हेतु का निश्चित कार्यों निम्नानुसार हैं:-

(i) पुनरोपण

इलाची का उद्देश्य केरल, तमिलनाडु एवं कर्नाटक राज्यों के पुराने, जीर्णोद्धार एवं अभावकारी इलाची (छोटी) बागानों के पुनरोपण करना है। कार्यों वत्तीकरण प्रदान करके पुराने, जीर्णोद्धार एवं अभावकारी बागानों पुनरोपण कार्यों के लिए छोटे एवं उपान्तिक कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए अक्षीकृत है। केरल आर तमिलनाडु के कृषकों को प्रत्येक हे.के. 70,000 की आर कर्नाटक के कृषकों को प्रत्येक हे.के. 50,000 की इलादा सुवचनावध के पुनरोपण आर अन्वक्षण लागत के 33.33 प्रतिशत के रूप में दो बराबर वार्षिक कर्ता दी जाती है। आठों तक की जमीन वाले पञ्जीकृत एवं उपांतक इलाची कृषकों इला योजना के अधीन लाभ उठाने के पात्र हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान वर्ष 2015-16 के दौरान पुनरोपण 925.03 हे.के. क्षेत्र को पुनरोपण करते हुए ₹ 298.03 लाख खर्च पर 2170 कृषकों [ए।पी.ए.ए. 630, अ.जा. 39, अ.ज.जा. 3] को अवसुद्ध अदागी में लाभान्वित किया गया।

(ii) गुणवत्तावाली रोपण सामग्रियों का उत्पादन एवं वितरण

कृष्णा के खेतों में खोपी गईं वंशगीरी पाधुणा व श्रृंगा एव प्रणत पाधुणा द्वारा रोगरहित व श्रेष्ठ गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का उत्पादन आर वितरण भी करा गया।

पाँच वंशगीरी पाधुणा व श्रृंगा उत्पादित पादप 'नाना भाभ' आधार पर कृष्णा को वितरित किए गए। वर्ष 2016-17 के दौरान कर्नाटक की पाँच वंशगीरी पाधुणा का 3,55,750 इलाची रोपण सामग्री, 3,39,000 का पीरार्च कतरन आर 24,725 का पीरार्च नूखि आर पादप सामग्री उत्पादित करके 1011 गांधी [((: 85; अ.जा. 65; अ.ज.जा. 12] को वितरित की गई।

कृष्णा के खेतों में प्रणत पाधुणा उत्पादित का 1.1 लाख इलाची रोपण सामग्री का वितरण करा गया।

इसकादके रूप में 122 कृष्णा ((: 5, अ.जा. 5) को का 16.68 लाख प्रदान किए गए।

आ) उत्तरपूर्व के लिए विकास कार्यक्रम

i) इलायची (बड़ी)

बड़ी इलाची खासकर अरुणाचल प्रदेश, नागाड़ आर पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग जिले के उपजाऊ इलाकों में उगाई जाती है। वर्ष 2016-17 के दौरान 5,623 टन के आकार में उत्पादन के साथ अरुणाचल प्रदेश आर पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग जिले का का 26,787 हेक्टर क्षेत्र बड़ी इलाची के अधीन रहा। वर्ष 2015-16 के अंत में बंधत राज सरकार ने प्राप्त आकार के अनार अरुणाचल प्रदेश आर नागाड़ बड़ी इलाची के अधीन का क्षेत्र 3,700 टन उत्पादन के साथ 12,268 हेक्टर था। गुणवत्तावाली रोपण सामग्री की अनप्राप्तता, जीर्ण-शीर्ण, पुराने व आभाकारी पाधा आर अगारी (चत्ती) रोग के प्रकोप बड़ी इलाची उत्पादन पर प्रभाव डालने में प्रमुख घटक हैं। इसको दूर रखते हुए बोर्ड बड़ी इलाची के उत्पादन में नवीन खत कार्रवाया का कारनिवहन कर रहा है।

क) बड़ी इलायची-पुनरोपण

वर्ष 2016-17 के दौरान, 3,268 कृष्णा ((: 501; अ.जा. 33, अ.ज.जा. 1706) को भाषण करते हुए, वर्ष 2015-16 के दौरान पनरोपण के लिए अवकाश अदागी की गई।

ख) बड़ी इलायची रोपण सामग्री उत्पादन

वर्ष 2016-17 के दौरान, 597 कृष्णा ((: 191; अ.जा. 21; अ.ज.जा. 146) कृष्णा को भाषण करते हुए, वर्ष 2015-16 के दौरान उत्पादित बड़ी इलाची की पादप सामग्री के लिए ₹ 45.06 लाख की अदागी की गई।

ग) बड़ी इलायची-नया रोपण

पारंपरिक पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग जिले आर अरुणाचल प्रदेश की खेती की जाती है। अने उत्तर पूर्वी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश आर नागाड़ में पाई जाने वाली कृष्णा जलवायविक पर्याय बड़ी इलाची की खेती के लिए उपयुक्त है। अरुणाचल प्रदेश आर नागाड़ बड़ी इलाची की खेती के क्षेत्रों के विस्तार करने की गंजाइ है।

पकबनाव के दौरान रोपण आर रखरखाव की लागत के 33.33 प्रतिशत अनुदान के रूप में ₹ 28,000 प्रदान करने की योजना के द्वारा अरुणाचल प्रदेश आर नागाड़ बड़ी इलाची की खेती का विस्तार करने की परिकल्पना की गई। इस अनुदान का दो बराबर का अंश भगतान करा जाता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, बड़ी इलाची की खेती के अंतर्गत 591.03 हेक्टर क्षेत्र के लिए 1,643 भाषण करते हुए वर्ष 2015-16 के दौरान किए गए नव-रोपण की अवकाश अदागी के रूप में ((: 480; अ.ज.जा. 1,643) ₹ 82.74 लाख की राशि प्रदान की गई।

इ. फसल कटाई के बाद मसालों में सुधार

i) बीजीय मसाला श्रेणियाँ

बीजों का उत्पादन द्वारा फसल की कटाई आर फसल कटाई के बाद अपनाए जाने वाले तरीके अवांछित, जलके परणाम व पत्ता उत्पादक डटा, गदगी, रेत, डटा के टुकड़े जमीन बारी व तलाश आदि होते हैं। काटे आर सूखे मसालों को बाकी गांठों में पीटकर आधा आधा करके आधे आधे के परा के नीचे कचकर उनमें बीजा को अलग करा जाता है। बोर्ड ने सूखे मसालों में बीजा को अलग करने आर आधे आधे के उत्पादन के लिए श्रेणियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया है, जो आधा आधा बीजा के उपयोग द्वारा आधा आधा होते हैं।

बोर्ड बजरी को चाने वाले अधकत ₹ 60,000 तक के श्रेण्यु आरु थापोवणए जाने वाले ₹ 20,000 तक के श्रेण्यु की ागत का 50 प्रतुत इादाद के षा प्रदान करता ।

वर्ष 2016-17 के दारान, ₹ 16.12 ाख षर काना के खेत ा बजरी को चाने त 28 श्रेण्यु षा पत कए गए थे, जओ को ा 28 उत्पादका को ाभ आ।

ii) हल्दी के भाप-उबालक इकाइयों की आपूर्ति

इा कारा का उद्देा दी उत्पादका को भाप को उबाने वाली इकाइा का उपोग करके दी पकाने के बेतर वज्ञानक तरीका को अपनाने ाता प्रदान करना । इओ दी को इटता ष को पकाा जा ाकता, जे अता उत्पाद को बेतर रग आर गणवत्ता प्रदान करता । नार्त के ाए गणवत्ता ाक दी का उत्पादन करने के ाए बड़ेपाने पर दी उबाने वाली इकाइा के उपोग को बढ़ावा दया जा र्ता । इा कारा के अतर्गत दी उबाने की इकाई की वातवक ागत का 50 प्रतुत ा ₹ 1.50 ाख जो भी काओ, इादाद दी जाती ।

वर्ष 2016-17 के दारान, ₹ 1.15 ाख के वत्ती वारुो भाप को दी उबाने वाली एक इकाई की आपूत की गई, जओ एक उत्पादक को ाभ आ।

iii) मसालों को सुखाने के लिए एच डी पी ई/सिलिपोलीन शीट की आपूर्ति

बोर्ड का षीर्च, षीर्च, दी आर बीजीा ाता जो ाओ को वच्छता को खाने के ाए, छोटे आर षी ात उत्पादका को इादादी दरा पर एच डी पी ई/ा षा षीन शीट की आपूत करता । बोर्ड केन्द्रीा खरीददारी की वाव था करता आर जनजातीा काना को 50 प्रतुत आर अना कृाका को 33.33 प्रतुत इादाद पर शीटा की आपूत करता आर गर इादादी रक कृाका द्वारा वन कया जाता । ा कारा आध्र प्रदेश, तेगाना, कर्नाटक, तानाड, केरा, उडीा आर गजरात ा षागू का ागा ।

वर्ष 2016-17 के दारान, ₹ 34.01 ाख की ागत को 8 षी. x 6 षी. [250 जीए ाए] अकर की का 7,195 षाँच पट षीा एच डी पी ई तरपा र शीट वंतरत की गई थी, जओ ाता षा उगाने वाले 1,244 काना [अ.ज.जा. 320] को ाभ आ।

iv) जायफल डी-हल्लर

जाा का के खीज की बारी परत को थो तोड़ा जाता । कछ नवाचारी काना ने गणवत्ता ाक उत्पाद प्राप्त करने के ाए

जाा का की खोा को उतारने के ाए ााीना का उपोग का । ाा का की बचत करने के ाथ ाथ चाा थकर भी । इा षोजना का उद्देा जाा का के काना की ाा षगत को का करने के ाथ ाथ उपज की गणवत्ता ााधार के ाए जाा का के छेाके उतारने वाले उपकरण को षोकप्राना बनाना । जन जाा का उत्पादका के षा 0.10 केटर (उपजवा को काओ का 20 वृक्ष) को 8 केटर [1600 वृक्ष] तक जाने, वे इा षोजना के अतर्गत इादाद का ाभ प्राप्त करने के षात्र । इा षोजना के अतर्गत काना ाा /वा.ा ाता ाा /गर.ारकारी.ागठन/ाता ा उत्पादक को षाटी आद ाभ प्राप्त करने के षात्र । इादाद के षा उपकरण की ागत का 50 प्रतुत ा ₹ 42,500, जो भी काओ, देने का षाताव ।

वर्ष 2016-17 के दारान, ₹ 0.15 की का इादाद ा एक षूनट की षापना की गई जओ एक उत्पादक (ाा :1) को ाभ आ।

v) जायफल सुखाने का यंत्र

परपरागत षाओ, जाा आर जावत्री को धूप ा डााकर ाखाा जाता उर्जा । जाा का की कटाई के षाता के, षून षून के षाता के ाथ षोा खाने के कारण, जाा आर जावत्री को धूप ा षूखाना बत कठन बन जाता । ठीक षो. षूखने के कारण, एफ षाटो वान वाले कवकीा ार्रण के वकृताणे की ाभावना र्सी । जाा का ार्रण षाटो वान की उप.थत का कारण बनना नार्त ा एक बड़ी चनाती । जाा का की गणवत्ता के इाादे को षू करने के ाए षखाने का काा ाान ष आर वच्छता को कया जाना चाए नवाचारी काना ने जावन की ाकड़ी, बजरी जषी वक षक ईधना का उपोग करते ए कछ जाा का डारा का षाोग करना ा का, जओ वाा थकर आर अच्छी गणवत्ता के जाा का का उत्पादन करने ााद ाती । इओ षखाने के षाता का का की आती । षो डार षार.थतकी के अनकूा, ाा की बचत करने वाले आर चाने ा आान । इा षोजना का उद्देा उत्पादका ा केनका डार के उपोग को बढ़ावा देकर गणवत्ता ाक जाा आर जावत्री के उत्पादन को षोकप्राना बनाना षू बोर्ड, अधकत ा ₹ 30000 तक, डार की ागत का 50 प्रतुत इादाद के षा ा देता आ र्ता ।

वर्ष 2016-17 के दारान, ₹ 1.72 ाख की क इादाद को जाा का षखाने वाली षात ााीन ााई गई, जओ षात कृाका (ाा :1) को ाभ आ।

vi) केसर विकास कार्यक्रम

केसर के लिए नई प्रतिक्रिया योजना के अन्तर्गत कृषकों को पीनरी और उपकरण (क्वैट्टे डार, क्वैट्टे पकग पीन, इकजेट प्रन्टर वथ कन्वेयर, इडो क्वाटर कट्टे पच पीन, पीन पीन, बिाटर कट्टे डार) की लागत का 75 प्रतिशत, बाकि अधिकतम ₹ 15 लाख, इलाहाबाद के पैसे दिए जाते हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान, पीनरी प्रोसेसिंग प्रोविसन एंड डेवेलपमेंट को ओपरेटिव सोसायटी, डेड, वलून, पापोर, क्वैट्टे पकग पीन (डबल चेन्स), इडो क्वाटर कट्टे पच पीन, ऐग्रीकल्चर बिाटर पीन ड्राई एग्रीटड, इकजेट बारकोड प्रन्टर वथ कन्वेयर, ओपरेटिंग ट्रेबल आद की थापना हेतु आवेदन प्रस्तुत करा था। प्राथमिक नरीक्षण के बाद बोर्ड ने पेरिऑड आर्डर जारी किया है। थापन कार्य प्रगति पर है।

ई) जैविक खेती का प्रचार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, जैविक उत्पादों का ओपन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इसका जैविक प्रचार करने से भारतीय किसानों को नई क्षमता और लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, जैविक उत्पादों की उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए अनादी की प्रतिलोपना का प्रचार करने का इलाका होगा। जैविक खेती नवोद्योगों की अनपेक्षित आरंभ के लिए प्रतिक्रिया के जैविक प्रमाण की उच्च लागत जैविक खेती को बढ़ावा देने का प्रमुख बाधा है।

वर्ष 2016-17 में, किसानों के जैविक उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए, किसानों की जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली वॉल्यूमेट्रिक इकाई की थापना के लिए आर्थन लागू किया गया था।

वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 0.99 लाख की का इलाहाबाद पर 33 कृषकों को लाभ पहुंचाते हुए ₹ 33 कचआ कपोट्टी नुनटी की थापना की गई।

i) मसालों की जैविक खेती

चूंकि जैविक उत्पादों के बाजार धीरे धीरे बढ़ रहे हैं, इसलिए उपलब्ध स्थानों में किसानों की जैविक खेती को बढ़ावा देने की कार्यवाही। बोर्ड किसानों की जैविक खेती करने के लिए उत्पादकों को लागत के 12.50 प्रतिशत की इलाहाबाद देकर प्रोत्साहित कर रहा है, जो की अधिकतम ₹ 12,500 प्रति हेक्टेयर है।

वर्ष 2015-16 के दौरान गुजरात में 525.25 हेक्टेयर क्षेत्र में की गई बीजों में 1111 की जैविक खेती के अवलोकन में 306 कृषकों को शामिल करते हुए ₹ 65.65 लाख की वल्यूमेट्रिक प्रदान की गई।

ii) वर्मीकंपोस्ट इकाइयों के लिए सहायता

जैविक उत्पादन में मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए खेत में जैविक आदाना का उत्पादन करना आवश्यक है। एक टन वर्मीकंपोस्ट की उत्पादन क्षमता बीजों के इकाई है। थापन करने के लिए उत्पादकों को जैविक खेत नवोद्योगों, वॉल्यूमेट्रिक प्रोविसन के लिए, ₹ 3000 का अनदान दिया जाता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, ₹ 0.99 लाख की का इलाहाबाद के 33 वॉल्यूमेट्रिक इकाई में थापन की गई, जिनमें से 33 उत्पादकों को लाभ हुआ।

उ) मसालों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (क्वैट्टे टी पी)

बोर्ड प्रमुखता से किसानों के कटाई के पूर्व/बाद की जरूरत और भंडारण प्रणालियों का तथा क्षमता गणवत्ता की आवश्यकताओं के वजह से तरीका पर प्रशिक्षण करने के लिए किसानों/राज्य कृषि/बागवानी विभाग के अधिकारियों, व्यापारियों, सरकारी एग्रीकल्चर के इलाहाबाद के लिए नवोद्योगों गणवत्ता आधार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान 190 केन्द्रों में कुल 10,841 कृषकों को प्रशिक्षण करने पर ₹ 13.13 लाख खर्च किए गए। खर्च एचआरडी प्रोविसन के अंतर्गत किया गया था। त्रैनिंग प्रशिक्षण संबंधी बारा नोट दिया जाता है:

- (i) 133 कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम - 7,359
(लाभ : 1,895; अ.जा. 2,220; अ.ज.जा. 551)
- (ii) 17 प्रोसेसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम - 915
(लाभ : 179; अ.जा. 282; अ.ज.जा. 29)
- (iii) 16 प्रोसेसिंग प्रोविसन - 1,519
(लाभ : 304; अ.जा. 572; अ.ज.जा. 170)
- (iv) 18 प्रोसेसिंग प्रोविसन - 858
(लाभ : 110; अ.जा. 250; अ.ज.जा. 45)

1. ₹ 2.40 लाख के कृषि आवा के साथ 100 प्रतिभागियों के साथ एक क्रेता-विक्रेता बैठक
2. ₹ 0.03 लाख के वाणिज्य के साथ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ 60 प्रतिभागी थे।
3. 300 तैयार किए गए 300 एच डी पी ई गीटा की आपूर्ति की गई, जिसकी कीमत ₹ 2.84 लाख थी।
आर के वी वाई ते गाना परियोजना के अधीन वर्ष 2016-17 के दौरान कीमत ₹ 5.54 लाख खर्च किए गए।

(iv) छत्तीसगढ़ के बस्तर में जैविक अदरक उत्पादन वर्ष 2016-17 के दौरान 8.5 हे. क्षेत्र में अदरक के जैविक उत्पादन के लिए, जहाँ प्रशासन, बस्तर, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ₹ 30.78 लाख की कीमत पर योजना के तहत छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में जैविक अदरक उत्पादन पर एक परियोजना का अनुमोदन किया गया। वर्ष 2016-17 के दौरान, 28 भाग्यी (लिंग : 18; अ.जा. : 2; अ.ज.जा. : 7) कृषकों को ₹ 9.12 लाख की 12,820 क.ग्रा. अदरक प्रकन्द रोपण सामग्री वितरित की गई।

देने और अधिक से अधिक प्रति वर्ष अधिकतम ₹ 50,000 के कोरर चाजा की प्रस्तुत करता है। इस कार्रवाई के अधीन ए.पी.ए. के पंजीकृत नर्सिंग नर्सों, जिनके ए.पी.ए. भवन प्राण पत्र/पाइलो बोर्ड गणों, जिनके ए.पी.ए. के प्राणत कृषि आर नर्सों एव. ब्रण्ड पंजीकृत नर्सों आते हैं। वर्ष 2016-17 के दौरान, बोर्ड ने छह नर्सों को का. ₹ 1.91 लाख की वृत्ती प्रदान की।

(ii) संवर्धनात्मक साहित्य/विवरण पुस्तिकाओं का मुद्रण

उत्पाद के क्रेताओं को आकर्षित करने के लिए संवर्धनात्मक पुस्तिकाओं और विवरण पत्रिकाओं का प्रकाशन आवश्यक है। नर्सों, जनके पा. ए. ए. ए. / गणों और बोर्ड के साथ रज. टीकृत ब्रड/जव प्राणन, वे पान अवध के दारामु खर्च के 50 प्रतिशत की दर पर प्रदान की जाती है, बतुंके अधिकतम ₹ 2.00 लाख प्रति विवरण पत्रिका को आर अधिक से अधिक दो बार है। अपने प्रदान की खरीददारा को प्रदान किए जानेवाले उत्पादों को बेचना तथा नर्सों की शिक्षणता वृक्षता आ के बारे में परचत करानेवाले संवर्धनात्मक पुस्तिकाओं/विवरण पत्रिकाओं के मुद्रण, वीडियो, ए.पी.डी, अनाइक्टोनांक पा. का. आर्थन बोर्ड द्वारा करा जाता है।

(iii) पैकेजिंग विकास और बार क्रोडिंग रजिस्ट्रीकरण

इस कार्रवाई का उद्देश्य वपणन में भारतीय ए.पी.ए. का वृद्धि, प्रो. पाइके, भण्डारण जगह का. करनी, अनरेखणीता स्थापित करना आर. बे. तर प्र. त. के. ए. न. त. पके जड़ का संवर्धन आर आधुनिकीकरण शिक्षित नर्सों रज. टीकृत नर्सों को प्रदान की जाती है। वक्रा. आर बार को डग रज. टीकरण की लागत के 50 प्रतिशत, बतुंके प्र. त. व. नर्सों अधिकतम ₹ 1.00 लाख को प्रदान प्राप्त करा जाता है।

इ) उत्पाद विकास एवं अनुसंधान

देशी उत्पादों में ए.पी.ए. नए अतोपोग आर अनप्रोग वक्रा. त करने की अच्छी भावनाएँ होती हैं। इन उत्पादों/पा. ना. की पूर्ण प्राप्ति उनका डाला के. पी. नर्सों करने को प्रो. त. करता था, उ. ए. बे. त. जादा होगी। चू. के. अधिकतम ₹ 1.00 लाख के. साथ पेटेंट देने का उत्पाद के. जन. नए अतोत्पाद की प्रो. त. की जाती है, ए.पी.ए. के. पा. णक, आ. थी. ए. व. का. त. व. र्द्धक ए.पी.ए. के. व. ज्ञानक अन. धान की अपेक्षा रखनेवाले ए.पी.ए. के. अतोत्पाद के. वक्रा. की. ज. र. त. ए.पी.ए. योजना उत्पाद अन. धान/

वक्रा. न. द. न. क. जाँच, पेटेंटिंग आर परीक्षण वपणन से वृत्ती प्रदान करती है। ए.पी.ए. रज. टीकृत नर्सों - नर्सों एव. ए.पी.ए. प्राप्त अन. धान. ए. था. ए, जो ए.पी.ए. के. नए अतोत्पाद को वक्रा. त. करना चा. ते. आर जो न. द. न. क. जाँच. ए. ए. र. ना. चा. ते. ए.पी.ए. की. ज्ञा. त. ग. व. प्रो. त. आ. का. द. ता. वे. ज. बनाना आर. व. र्द्ध. करना. चा. ले. ए, उन. ए.पी.ए. प्रो. त. दी. जाती. है। अन. धान. आर. अध. धान. के. व. व. ध. च. र. णा. की. पू. त. के. आ. धा. र. पर. ए. त. क. ता. है, ख. र्च. के. 50 प्रतिशत की. दर. पर. अधिकतम ₹ 25 लाख को, प्रो. त. - अन. दान. के. पी. ए. र. क. व. त. र. त. की. जाएगी। बोर्ड ने इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 5.17 लाख के. प्रो. त. - अन. दान. का. व. त. र. ण. करा. है।

ई) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में मसाला प्रसंस्करण

भारत के अना भागा के उत्पादों की तुलना उत्तरपूर्वी क्षेत्र अंग-अंग तीक्ष्णता एव. स्थानीय गणों. त, ज. व. क. तरीके. से बढ़ाई गई है। ए.पी.ए. (बडी) चर्च, दी. आर अदरक जो ए.पी.ए. का. उत्पादन करता है। एक उत्तर-पूर्व को. के. र. वा. पार. की. अधिक. प्रो. त. नर्सों उद्योग की. आव. र्कता. आ. की. पू. त. नर्सों ग. ए. अधो. ए. आर. प्र. ए. कर. ण. व. धा. आ. की. अप. र्ण. तता. के. बारे. में. ए.पी.ए. योजना, उत्तर. पूर्वी. एव. पी. डी. राज. का. के. ए.पी.ए. कृ. णा. का. र. ण. कृ. ण. का. था, ए.पी.ए. कृ. णा. का. प्र. त. न. ध. व. कर. ने. वा. ले. ए. न. जी. ओ. ए. व. व. क. तिक. उ. ध. ए.पी.ए. की. प्रा. थ. क. प्र. ए. कर. ण. व. धा. आ. की. स्था. पना. से. वृत्ती. प्रो. त. उप. ब. ध. कर. णे. के. लिए. प्र. ता. व. त. ए.पी.ए. प्रकार. की. प्रा. थ. क. प्र. ए. कर. ण. व. धा. आ. की. लागत. के. 33 प्रतिशत की. दर. पर, बतुंके. अधिकतम. ₹ 25 लाख. रुप. ए. को, योजना. व. ध. के. दारान. प्र. त. भा. र्थी. प्रो. त. - अन. दान. उ. य. ब. ध. करा. जा. ता. है। कृ. ण. का. द. के. लिए. प्रा. थ. क. प्र. ए. कर. ण. व. धा. के. ख. र्च. के. 50 प्रतिशत तक की. प्रो. त. दी. जाती. है।

उ) ब्रैंड संवर्धन ऋण योजना

इस कार्रवाई का उद्देश्य अनरेखणीता एव. खाद्य सुरक्षा के. प. ट. के. साथ वदे. प्रो. त. उप. भो. क्ता. आ. की. पू. च. के. भी. तर. ग. व. तता. व. त. भारतीय ए.पी.ए. ब्रंडों को पाने का रास्ता दिखाने के उपायों की प्रो. त. आ. के. ज. र. ए. चनी. ई. वदे. प्रो. त. वपणन में भारतीय ब्रंडों के प्रो. त. के. लिए प्रो. त. देना है। इस कार्रवाई के अधीन नर्सों को, जिनके अपना ब्रंड रज. टीकृत कृ. ण. , प्र. त. ब्रण्ड एक करोड़ रुप. ए. की. वृत्ती. प्रो. त. बा. ज. र. त. ऋण. के. पी. ए. दी. जाएगी।

चानत बाज़ारा एव चानत वदेगी, रा व नद ट ब्रड को पाने के थाना का पता गाने के उद्देश्य के साथ गोटग/ गोटग, उर्वर्धनात्क खर्च के 100 प्रतिशत तक आर उत्पाद वक्रा की गत के 50 प्रतिशत तक पर इ योजना के अधीन वचार का जाएगा।

ऊ) विदेश में विपणि अध्ययन

उचतून, उर्वर्धनात्क आर वपणन उपाय के पान के ए भारतीय एता उत्पादा के क्षेत्र आर अनात्क स्वपूर्णोक्तरा का गरा अधान करा जाना। बोर्ड द्वारा वपण ववक्षण भारतीय एता की ज़बूतता, काज़ोरत, आकाआ आर अवरा का पता गाने एतात्क गोगा अपने नात का को प्रभावी ढंगे भा ने के एबदते वपण परवे ए आर अना वनाता के साथ अधक उचतूता की अपेक्षा रखनेवा गे न नातका एव नवागन्तका के ए ए अधान त्वपूर्ण बनता। इ अधात्क के आधार पर, नातका के ब्रड उर्वर्धन प्रता का अर्थन का जाता।

ख) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों/प्रदर्शिनियों/बैठकों तथा प्रशिक्षणों में प्रतिभागिता

(i) बोर्ड की प्रतिभागिता

बोर्ड, भारतीय नातका व वदेगी आगतका के बीच की एक अतर्राटी कडी। अतर्राटी बाज़ारी भारतीय एता के उन्नत के ए अपनी प्ा के भाग के प्ा पाइये। बोर्ड प्रख अतर्राटी वापार गेता भाग गेता। व 2016-17 के दारान, बोर्ड ने ₹ 274.70 लाख के कावा पर 10 अतर्राटी गेता भाग गेता।

(ii) निर्यातकों की प्रतिभागिता

अतर्राटी गेता आर प्रदून गेता उनके भागीदारा को अपने उत्पादा तथा सेवाओं को बढ़ावा देने की अगीता भावनाएँ प्रदान करती। पजीकृत नातक, जनके पा भारतीय एता गगो/ एता भावन प्राणपत्र जव एता का प्राणत कृत्क आर नातक तथा वे नातक, जनके ब्रड ना बोर्ड के साथ रज टीकृत, एता प्राप्त कर सकते। एता वापार गेता के दारे के ए वाई भाडे (इकनो गी/एक क नु/व ग ए) की प्रतपूत के प्ा गगो/ए ए च गी धारका के ए प्रतवर्वा प्रत नातक अधक ो अधक ₹ 60,000 आर रज टीकृत ब्रड आर जव प्राणपत्र धारका के ए ₹ 40,000 तक। वतत्र एता कराए पर ने के गगो एता गगो गगत के 50 प्रतिशत, अधक ो अधक ₹ 1.00 लाख प्रत नातक तक, गी त गी। व

2016-17 के दारान इ योजना के अधीन ₹ 1.20 लाख की का रा वत रत की गई।

(iii) विपणि विकास सहायता (एम डी ए)

पूर्ववर्ती व 1 ₹ 30 करोड़ तक के ए.ओ.बी. ए के नातवा गी रज टीकृत नातक न गेता भारत गेता अपने व नद ट उत्पादा/ पण के नात के ए नई वपण गेट्टे नका ने त वदेगी वापा रक प्रत न ध गण्ड ग/क्रेता-वक्रेता बठका/ गेता/प्रदून गेता प्रतभागता ने के ए वाणजा एव उद्योग गगता के ए डी ए गग नद ग के अन गार प्रार भूक दार गेता गेता पाने के पात्र। गगाना क्षेत्र के अ गवा, व गे वदेगी क्षेत्र ग जेक ग्रेका (ए ए गी), ग्रेका (अफ्रीका), ग्रेका (गी आई ए) एव ग्रेका (आ गान +2), नात उर्वर्धन का क्री पर इ का क्री के अधीन वती गेता गेता के ए वचार का जाता। एता गेता, इ गत के अधीन गेता क नातक ने वन्यित ई पी गी के साथ 12 गीना की द गता पूरी क्री आर नात गेता वन्यित ई पी गी/ गणन के साथ ववर्णी प्र तत की। एता गेता, पात्र गेता नातका को प्रतभागता त उचत गी ग के अधीन इकनो गी/एक क नु व ग गेता वाई भाडा आर गत गग गेता के चार्ज के ए गेता। व 2016-17 के दारान चार नातका ने ₹ 3.46 लाख की ए डी ए गेता प्राप्त की।

ए) भारतीय मसाला लॉगो और ट्रेड मार्क

बोर्ड च नदे तार पर गेता नातका, जनके पा प्राणत प्र करण आर गणवत्ता नात्रण क्षता आर भाी दार पर उच्च तरी। वा थाकर आर ए ग्रेई का अनरक्षण करते, एता गगो प्रदान करता। क गी भी वजन के प्र कृत व पक के ए गेता व गेता उत्पादा के पजीकृत नातक इ गगो का क्री के अधीन आते। नात कए गए पका ष्ट गगो गगने गेता उपभोक्ता भारतीय एता गेता अत न त गण व गेता आ व उनको प्राप्त वरी ता के बारे अवगत गेता गेता। बाई ग प्रख आगतक दे गेता गगो के ट्रेड मार्क का रज टीकरण का गेता।

ए) ब्रैंड नाम का रजिस्ट्रीकरण

‘ब्रड ना का रज टीकरण’ ना क इ का क्री का उद्देश्य भारतीय ब्रड ना के अधीन उपभोक्ता पका गेता गग/ गेता उत्पादा के नात का अर्थन करना आर ब्रड कए गए उपभोक्ता पका की तेज बढ़ने व गी वपणी ग अपना ग प्राप्त करना गेता बोर्ड ने भारतीय पकेज ग थान के साथ परा ग करके व भन्न गूनट

वजन के व भन्ना 1111 के ए पकग जानक व नंद ट कए ।
।भी ब्रड रज टीकृत नार्तका कोर तीन 1111 बाद अपने
रज टें 1111 का नवीकरण करना चा ए । वर् 2016-17 के दारान
पाच नार्तिका ने अपने ब्रडा का रज टीकरण / नवीकरण क 1111

ओ) रजिस्ट्रीकरण व लाइसेंसिंग

रज टीकरण व लाइ । ग बोर्ड के न 1111 क 1111 का एक 1111
। 1111 ची (छोटी व बडी) के वापार के ए बोर्ड नी 1111 कर्ता
एव बा 1111 1111 तथा 1111 के नार्तक के प 1111 पजीकरण
प्राणपत्र (पी आर ई ए) जारी करता 1111 पी आर ई ए एव
बा 1111 व नी 1111 कर्ता 1111 1111 की खण्ड अव ध अर्थात
वर् 2014-17 के ए जारी कए जाते 1111 वर् 2016-17 के
दारान 1111 बोर्ड ने 1111 के नार्तक के प 1111 1,279
रज टीकरण प्राणपत्रा (पी आर ई ए) तथा 106 इ 1111 ची
बा 1111 अनज्ञप्ति 1111 एव एक नी 1111 कर्ता अनज्ञप्ति का वतरण क 1111

औ) निर्यातक पुरस्कार

1111 बोर्ड ने 1111 वर् व भन्ना 1111 के 1111 का उत्कृत
नार्त करनेवा 1111 नार्तका का आदर करने 1111 नार्त पर कार
एव टों 1111 की वाव था की 1111

अं) प्रमुख पहल

(i) मसाला पार्क

कृ का को अपने उत्पाद के ए बे तर 1111 व 1111 आर वापक
बाजार 1111 जाने के ए 1111 क्त बनाने की दृष्टि 1111 प्रख 1111 1111
उत्पादन/ वपण केन्द्रा 1111 1111 व 1111 1111 पाका की 1111 थापना
की गई 1111 1111 पार्क कृ का को 1111 1111 1111, पं कग एव भाप
व 1111 1111 के ए आ 1111 अव 1111 रचना 1111 वधाआ का उप गोग करने 1111
1111 बनाने 1111, जो उत्पाद को गणवत्ता 1111 आर तद्वारा बे तर 1111 1111
1111 1111 चित करता 1111 पार्क की वज्ञा नंक पं कग आर वे 1111 1111 1111
1111 वधाए तथा प्र गोग 1111 1111 की गणवत्ता जाँच 1111 वधा उ 1111 1111 का
उत्पा दत 1111 1111 की 1111 1111 गणवत्ता 1111 धारती 1111 1111 1111 पार्क,
1111 1111 एव 1111 1111 उत्पाद 1111 की खेती, 1111 1111 परान्त कार 1111, 1111
वर्धन के ए 1111 1111 कर्ण, पं कग 1111 आर भण्डारण 1111 त एक एकीकृत
प्रचा न के ए 1111 वचा रत प्रद्व 1111

बोर्ड ने प्रख उत्पादक/ वपण केन्द्रा 1111 1111 व 1111 1111 1111
पाका की 1111 थापना की 1111 /बोर्ड द्वारा की जा री 1111 1111 वर्त 1111 1111
1111 थापत/ थापना के अधीन 1111 1111 पाका का 1111 थान न नान 1111 1111

क्र.सं.	स्थान/राज्य	अधीनस्थ मसाले	स्थिति
1	छदवाड़ा, 1111 प्रदेश	1111 न, 1111 र्च	प्रवृत्त
2	पट्टडी, केर 1111	का 1111 र्च व, इ 1111 1111 ची	प्रवृत्त
3	जोधपर, राज थान	जीरा, व ध न 1111	प्रवृत्त
4	गना, 1111 प्रदेश	ध न 1111	प्रवृत्त
5	गन्धूर, आन्ध्रप्रदेश	र्च	प्रवृत्त
6	वृगगा, त 1111 नाड	दी व र्च	पूरा 1111 ग 1111
7	कोटा, राज थान	ध न 1111, जीरा	पूरा 1111 ग 1111
8	राई बरे 1111, उत्तरप्रदेश	पदीना	पूरा 1111 ग 1111

1111 1111 पाका के अनरक्षण 1111 त वर् 2016-17 के दारान का
₹ 281.61 1111 ख खर्च कए गए ।

(ii) सिक्किम में स्पाइस कॉम्प्लेक्स

1111 किका 1111 रकार ने 1111 बोर्ड को 10 एकड ज 1111 आब टत
की 1111, ज 1111 1111 ओ एकड 1111 1111 का पके की 1111 थापना 1111 त
आर दो एकड राज 1111 रकार के उप गोगार्थ 1111 बोर्ड ने 1111 किका 1111
1111 1111 कॉम्प्लेक्स की 1111 थापना 1111 त ई ओ आई आ न्त्रित करने बाद

कच्ची डी पी आर त 1111 1111 की 1111

(iii) इलायची केलिए इलेक्ट्रॉनिक नीलामी

इ 1111 1111 ची (छोटी) की इ-नी 1111 1111 केर 1111 के इडक्की ज 1111 के पट्टडी
आर त 1111 1111 नाड के बो डना 1111 नूर के 1111 1111 पाका 1111 जारी री 1111
कर्नाटक आर 1111 1111 ट ज 1111 अना राज 1111 1111 1111 1111 ची (छोटी) के ए
आर 1111 1111 ककी दो जग 1111 पर बडी इ 1111 1111 ची के ए बो 1111 1111 गाकर

6. व्यापार सूचना सेवा

1. 11 के नीति, आगत क्षेत्र, उत्पादन, नीति और घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय की नीति। व भूत आकड़ा के प्र.

1. 11 के नीति, आगत क्षेत्र, उत्पादन, नीति और घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय की नीति। व भूत आकड़ा के प्र.

बोर्ड अपने वेब साइट और प्रकाशित की नीति। अतः उपलब्धकर्ताओं को नीति आधार पर भारत और वदेश के प्र.

चूक बोर्ड इलाची (छोटी आर बड़ी) के उत्पादन के वक्रा के लिए जोदार,

गाती। अन्त 11 के क्षेत्र आर उत्पादन का ववरण,

नीतिका का पजीकरण, (वनी) के अनार,

पाइले बोर्ड इलाची के वापार के लिए, बोर्ड द्वारा बोडना क्वर,

प्रख वदेशी बाजार। त व भन्न बाजार कद्रो व भन्न 11 म

अ. मसालों के क्षेत्रफल और उत्पादन

वर्ष 2015-16 की तुलना 2016-17 के लिए इलाची (छोटी) आर इलाची (बड़ी) का क्षेत्रफल, उत्पादन आर उत्पादकता

तालिका-I

इलायची (छोटी) का राज्यवार क्षेत्रफल व उत्पादन
(क्षेत्र हेक्टर में, उत्पादन टन. में., उत्पादकता: कि.ग्रा/हे.में)

राज्य	2016-17 (अ)				2015-16			
	कुल क्षेत्रफल	उपजवाला क्षेत्रफल	उत्पादन	उपज	कुल क्षेत्रफल	उपजवाला क्षेत्रफल	उत्पादन	उपज
केर ा	39680	31323	17215	550	39680	31640	21500	680
कर्नाटक	25240	17940	1435	80	25240	17940	1440	80
ता ानाड	5160	3556	975	274	5160	3635	950	262
क ा	70080	52820	19625	372	70080	53215	23890	449

स्रोत: क्षेत्र नूना अधान पर आधारत अनान

(अ) अनता

तालिका-II (अ)

इलायची (बड़ी) का राज्यवार क्षेत्रफल और उत्पादन सिक्किम व पश्चिम बंगाल
(क्षेत्रफल हेक्टर में, उत्पादन टन में., उत्पादकता: कि.ग्रा/हे.में)

राज्य	2016-17 (अ)				2015-16			
	कुल क्षेत्रफल	उपजवाला क्षेत्रफल	उत्पादन	उपज	कुल क्षेत्रफल	उपजवाला क्षेत्रफल	उत्पादन	उपज
ोक्का	23482	18137	4684	258.25	23082	17520	4466	255
पश्चिा बगाा	3305	3129	939	300	3305	2830	849	300
क ा	26787	21266	5623	264.41	26387	20350	5315	261

(अ) अनता

स्रोत: पाइोा बोर्ड द्वारा आकान

तालिका-II (आ)

इलायची (बड़ी) का राज्यवार क्षेत्रफल और उत्पादन
अरुणाचल प्रदेश व नागालैंड

इलायची (बड़ी) राज्यवार क्षेत्रफल और उत्पादन		
	2015-16	
राज्य	कुल क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (ट.)
अरुणाचल प्रदेश	8300	1757
नागालैंड	3968	1943
क ा	12268	3700

स्रोत: राजा बागवानी वभाग

तालिका-III

प्रमुख मसालों के क्षेत्रफल और उत्पादन (क्षेत्रफल हेक्टेयर में; उत्पादन टन में)

मसाला	2015-16 (अ)		2014-15 (अ)	
	क्षेत्रफल	उत्पादन	क्षेत्रफल	उत्पादन
काजी अर्च	131790	48500	123900	70000
अर्च	742950	1497440	766400	1631320
अदरक	156910	1025110	140940	755950
दी	183480	967060	188020	844470
अमर	295600	1603500	261950	1424770
धनिया	624780	572990	552440	462270
जीरा	808230	503260	889760	485500
साफ़	76000	129350	38660	59740
थी	227960	248350	123340	130810

स्रोत: अर्थ, उद्योग और आवासीय/कृषि/बागवानी विभाग का राजा नदी, 2017

पानी और रूपायें वक्रा नदी, 2017, को इकोड

(अ): अनंत

आ) इलायची (छोटी) की नीलामी बिक्री और कीमतें

वर्ष 2016-17 (अगस्त 2016 से अप्रैल 2017) और वर्ष 2015-16 (अगस्त 2015-जुलाई 2016) के लिए इलायची (छोटी) की राजा नदी नीलामी बिक्री और भारत आयात कीमतों का IV दी गई है।

तालिका-IV

इलायची (छोटी) की नीलामी बिक्री और कीमतें

(मात्रा टन में, कीमत ₹/किलोग्राम में)

राज्य	2016-17 (अगस्त-अप्रैल) (अ)		2015-16 (अगस्त-जुलाई)	
	नीलामित मात्रा	भारित औसत नीलामी कीमत	नीलामित मात्रा	भारित औसत नीलामी कीमत
केरल और तमिलनाडु (इ-नीलामी)	15719	1123.42	33180	628.56
कर्नाटक	27	872.76	44	473.23
गुजरात	29	1314.75	112	717.11
का	15775	1123.41	33336	628.66

(अ): अनंत

स्रोत: राष्ट्रीय धारी नीलामी कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्ट

इ) इलायची (बड़ी) की कीमतें

वर्ष 2016-17 और 2015-16 के लिए गान्तोक और कोल्हापूर

बाजारा इलायची (बड़ी) की आयात थोक कीमतों का V दी गई है।

तालिका-V
इलायची (बड़ी) की औसत थोक कीमतें (कीमत ₹/कि.ग्रा.में)

केन्द्र	ग्रेड	2016-17	2015-16
गान्तोक	बड़ा दाना	973.94	1470.91
गोमडी	बड़ा दाना	1079.82	1512.61

ई) अन्य प्रमुख मसालों की कीमतें

प्रमुख मसालों की कीमतों की तालिका नीचे दी गई है। इन कीमतों को प्राथमिक स्रोतों, जैसे कि चबबर आदि का र्पा, इंडियन पेप्पर एड. पाइ।

टेड ए. पी. ए. ए. तथा गैर-ए. ए. ए. आदि द्वारा तैयार की गई बाजार की कीमतों को एकत्रित करके गणना की गई है। त्वपूर्ण बाजार कदमों द्वारा प्रमुख मसालों की कीमतें तालिका-VI में दी गई हैं।

तालिका-VI
मुख्य विपणि केन्द्रों में प्रमुख मसालों की कीमत (₹/कि.ग्रा.में)

मसाला	विपणि	2016-17	2015-16
काजी र्पा (ए. ए. जी. 1)	कोचीन	694.77	655.22
र्पा	गटर	97.68	98.35
अदरक	कोचीन	160.33	209.36
दी	चेन्नई	121.04	125.83
धनंशा	चेन्नई	85.03	108.19
जीरा	चेन्नई	190.76	167.04
बड़ी र्पा	चेन्नई	107.70	132.75
थी	चेन्नई	53.16	81.11
ए. ए. ए.	चेन्नई	91.08	73.37
ख. ख. ए.	चेन्नई	365.70	370.08
अजोवन के बीज	चेन्नई	191.96	152.81
ए. ए. ए.	चेन्नई	52.51	47.80
इ. ए. ए.	चेन्नई	111.01	102.40
के. ए. ए.	दी	185479.00	196094.00
ए. ए. ए.	कोचीन	749.20	796.00
जा. ए. ए. (बना छ. के. के.)	कोचीन	399.98	412.05
जा. ए. ए.	कोचीन	484.48	622.47

उ) भारत से मसालों का निर्यात निष्पादन

वर्ष 2016-17 के दौरान भारतीय मसालों का निर्यात अपनी बढ़त की प्रवृत्ति को जारी रखने में सफल रहा। इस अवधि के दौरान भारत को मसालों के निर्यात की मात्रा आर अर्जन दोनों एक अद्वितीय रिकार्ड बनाए।

वर्ष 2016-17 के दौरान, देश को ₹ 1,7664.61 करोड़ (2633.30 दशलक्ष यू.एस. डालर) की कुल निर्यात कीमतें प्राप्त हुईं, जो 2015-16 के ₹ 1,6238.23 करोड़ (2482.83 दशलक्ष यू.एस. डालर) के मुकाबले 8,43,255 टन का निर्यात आया, जो 12 प्रतिशत की वृद्धि, जो मूल रूप से मसालों के निर्यात और डालर के मूल्यों के कारण है: प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2016-17 की अवधि के लिए निर्धारित रक्षा की तुलना में, मसालों का निर्यात पराण और डालर दोनों का अर्थ है। वर्ष 2016-17 के ₹ 1,5725.12 (2419.25 दशलक्ष यू.एस. डालर) करोड़ के 8,70,000 टन के रक्षा की तुलना में, स्थिति मात्रा 109 प्रतिशत, जो मूल रूप से 112 प्रतिशत और डालर 109 प्रतिशत है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, इलाची (बड़ी), चर्च, दी, जीरा, गोरी, बड़ी पाफ़, गुण आर जाइफ़ा व जावत्री (पी) के निर्यात में पछे वर्षों की तुलना में पराण और डालर दोनों की वृद्धि देखी गई है। करी पाउडर/पेट और मसालों के तैयार तैयारी जो मूल रूप से वधत उत्पाद के निर्यात में 2015-16 की तुलना में पराण और डालर दोनों की वृद्धि है। साथ ही, अनाभी मसालों के पराण और डालर दोनों, पछे वर्षों की तुलना में ग्रावट आई है।

जैसे कि अग-अग मसालों का निर्यात, ₹ 82.66 करोड़ की 780 टन इलाची (बड़ी) का निर्यात किया गया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 75.51 करोड़ की 600 टन इलाची (बड़ी) का निर्यात किया गया था, इस प्रकार पराण में 30 प्रतिशत और डालर में प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पछे वर्षों के ₹ 3997.44 करोड़ की 3,47,500 टन चर्च के मुकाबले 2016-17 के दौरान ₹ 5070.75 करोड़ की कुल 4,00,250 टन चर्च का निर्यात आया, जो मात्रा 15 प्रतिशत और डालर 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 1,241.89 करोड़ की कुल 1,16,500 टन दी का

निर्यात किया गया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 921.65 करोड़ की 88,500 टन दी का निर्यात किया गया था, इस प्रकार पराण में 32 प्रतिशत और डालर में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्षों के दौरान, ₹ 1963.20 की कुल 1,19,000 टन जीरे का निर्यात किया गया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 1531.13 करोड़ की कुल 97,790 टन जीरे का निर्यात किया गया था, इस प्रकार पराण में 22 प्रतिशत और डालर में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पछे वर्षों के ₹ 172.40 करोड़ की कुल 15,320 टन बड़ी पाफ़ के मुकाबले, वर्षों के दौरान ₹ 308.75 करोड़ की कुल 35,150 टन बड़ी पाफ़ का निर्यात किया गया था, जो मात्रा में 129 प्रतिशत और डालर में 79 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज करता है। इस अवधि के दौरान ₹ 62.46 करोड़ के 6250 टन गोरी का निर्यात आया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 53.28 करोड़ की कुल 5310 टन गोरी का निर्यात किया गया था, जो पराण में 18 प्रतिशत और डालर में 17 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 307.12 करोड़ की कुल 32,200 टन गुण का निर्यात किया गया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 159.59 करोड़ के 23,085 टन गुण का निर्यात किया गया था, इस प्रकार पराण में 39 प्रतिशत और डालर में 92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2016-17 के दौरान ₹ 236.42 करोड़ की कुल 5070 टन जाइफ़ा और जावत्री (पी) का निर्यात किया गया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 209.28 करोड़ की कुल 4050 टन जाइफ़ा और जावत्री (पी) का निर्यात किया गया था, इस प्रकार मात्रा में 25 प्रतिशत और डालर में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मूल रूप से वधत उत्पाद के निर्यात में, ₹ 599.10 करोड़ की कुल 28,500 टन करी पाउडर/पेट का निर्यात आया, जबकि पछे वर्षों में ₹ 531.75 करोड़ की कुल 26,550 टन का निर्यात आया, इसी मात्रा में प्रतिशत और डालर में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पछे वर्षों के ₹ 2,142.55 करोड़ की कुल 11,635 टन के मुकाबले वर्षों के दौरान ₹ 2307.75 करोड़ की कुल 12,100 टन मसालों के तैयार तैयारी का निर्यात किया गया, इस प्रकार मात्रा में चार प्रतिशत और डालर में आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2015-16 की तुलना में 2016-17 के दौरान भारत को मसालों का निर्यात अनूत्तम निर्यात ताकत का VII में दया गया और 2016-17 के लिए प्रस्तावित रक्षा के मूल्य आर रक्षा की प्रतिशत-आवृत्ति का संवर्ण ताकत-VIII में दया गया है।

तालिका-VII

वर्ष 2015-16 की तुलना में 2016-17 के दौरान भारत से मसालों का निर्यात

मद	2016-17		2015-16		2016-17 में % परिवर्तन	
	मात्रा (टन)	मूल्य (₹ लाखों में)	मात्रा (टन)	मूल्य (₹ लाखों में)	मात्रा	मूल्य
का पी र्च	17,600	114,312.50	28,100	173,041.50	-37	-34
इ माची (छोटी)	3,850	42,150.00	5,500	44,982.75	-30	-6
इ माची (बड़ी)	780	8,265.50	600	7,550.70	30	9
र्च	400,250	507,075.00	347,500	399,743.97	15	27
अदरक	24,950	25,705.00	24,800	27,595.56	1	-7
दी	116,500	124,189.00	88,500	92,165.00	32	35
ध न पा	30,300	29,207.50	40,100	42,680.50	-24	-32
जीरा	119,000	196,320.00	97,790	153,113.00	22	28
ोरी	6,250	6,246.00	5,310	5,328.24	18	17
बडी . पा.रु	35,150	30,875.50	15,320	17,239.60	129	79
थी	34,680	18,276.50	33,330	23,380.70	4	-22
अना बीज (1)	18,100	15,455.00	23,880	16,205.75	-24	-5
ान	32,200	30,711.50	23,085	15,959.00	39	92
जा . पा.रु एव जा वत्री (ोी)	5,070	23,641.65	4,050	20,928.25	25	13
अना पाणे (2)	40,210	50,595.00	43,955	58,348.50	-9	-13
करी पाउडर (2)/पे ट	28,500	59,910.00	26,550	53,174.50	7	13
पदीना उत्पाद (3)	22,300	252,750.00	23,250	258,130.47	-4	-2
पाणे तेा व त तीराा	12,100	230,775.00	11,635	214,255.00	4	8
का	947,790	1,766,460.65	843,255	1,623,822.99	12	9
ूाद,ूाक्षूा एाडाराा		2633.30		2,482.83		6

(1) .ा.रा.पा., .पा.रु, अजोवन बीज, .मोआ बीज, ख रखा बीज आद .ूा.ा.ा.।

(2) .ा.इ.पी., गिंग, आता (का.पा), केर आद .ूा.ा.ा.।

(3) पदीना तेा, थाा आर थााा क्रूट .ूा.ा.ा.।

स्रोत: .ी.पा.ू.क.ो प्राप्त डी एाई, प्रादेूक काराा.ा.ा.की रपोट, पछे .े.पा.ा.का नार्त रुख आद पर आधारत अनान।

तालिका-VIII

लक्ष्य की तुलना में वर्ष 2016-17 के दौरान भारत से मसालों का निर्यात

मद्	2016-17 के लिए लक्ष्य		2016-17 के लिए निर्यात		लक्ष्य की प्रतिशत-प्राप्ति	
	मात्रा (टन)	मूल्य (₹ लाखों में)	मात्रा (टन)	मूल्य (₹ लाखों में)	मात्रा	मूल्य
अदरक	18,000	113,400.00	17,600	114,312.50	98	101
इलाची (छोटी)	3,750	30,000.00	3,850	42,150.00	103	141
इलाची (बड़ी)	500	6,350.00	780	8,265.50	156	130
अदरक	350,000	420,000.00	400,250	507,075.00	114	121
अदरक	33,000	42,900.00	24,950	25,705.00	76	60
अदरक	90,000	99,000.00	116,500	124,189.00	129	125
अदरक	40,000	36,000.00	30,300	29,207.50	76	81
अदरक	110,000	165,000.00	119,000	196,320.00	108	119
अदरक	5,000	5,000.00	6,250	6,246.00	125	125
अदरक	22,000	20,900.00	35,150	30,875.50	160	148
अदरक	38,000	20,900.00	34,680	18,276.50	91	87
अदरक बीज (1)	26,000	19,500.00	18,100	15,455.00	70	79
अदरक	25,000	18,750.00	32,200	30,711.50	129	164
अदरक आर जावरी (1)	4,500	21,375.00	5,070	23,641.65	113	111
अदरक (2)	43,250	49,737.50	40,210	50,595.00	93	102
अदरक पाउडर (2)/पेट	27,000	56,700.00	28,500	59,910.00	106	106
अदरक के उत्पाद (3)	22,000	231,000.00	22,300	252,750.00	101	109
अदरक के तैल व तैल	12,000	216,000.00	12,100	230,775.00	101	107
अदरक	870,000	1,572,512.50	947,790	1,766,460.65	109	112
अदरक लक्ष्य प्राप्त		2419.25		2633.30		109

(1) अदरक, अजोवन बीज, अमोआ बीज, खरखुरा बीज आदि

(2) अदरक, अदरक, अदरक (कॉफी), अदरक आदि

(3) अदरक तैल, अदरक आर अदरक तैल

स्रोत: अदरक बोर्ड द्वारा प्राप्त डी ए आर, प्रादेशिक कार्यालयों की रिपोर्ट आर अदरक बोर्ड द्वारा प्राप्त अदरक आर अदरक तैल आदि पर आधारित

13	9 वीं ओणाडुकरा एग्री फ्रेट	चारुड, केरल	19-23 दिसंबर 2016
14	चाथी अटा अग्रि-पेटी गो	गवाटी, आंध्र	6-9 जनवरी 2017
15	आईएएओ डबलू ए वटर कानव	चाणक्यपुरी, दिसी	22 जनवरी 2017
16	नार्वी केरल पाइना कॉंग्रेस	पाल्तांग क्राजेज, तरुवंगल, केरल	26-30 जनवरी 2017
17	पीएफटी आर आई-नेलु कान्करा आन पाइपो	तूरु, कर्नाटक	2-3 फरवरी 2017
18	वेलुज लू-कीर	जलूज लू-कीर	23-25 फरवरी 2017
19	आर - इटरनेल फूड एडमिपटाटी फार	प्रगतदान, नई दिसी	7-11 मार्च 2017

आ) अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भागीदारी

बोर्ड, भारतीय नौतिका आर वदे के आगतका के बीच की अंतराटी कड़ी। अंतराटी वपण भारतीय आगतका को बढ़ावा देने की अग्रणी पक्ष के भाग के पाइये। बोर्ड प्राइ अंतराटी इलापारके गे भाग लेता। अंतराटी प्रदर्शन आ प्रतभागता गजुदा तथा आभात आ आगतका के साथ आकात करने तथा वापारक। अब बढ़ाई भारतीय नौतिका को आगत प्रभावी अवसर प्राप्त होता है। वे भारतीय आगतका उद्योग की वापार गी बढ़ा सकते हैं। उपभोक्ता वावर आर भोजन की आदता, खदरा आर थोक बाजार एव खद्य। रक्षी आर आगतक देण के रक्षा। अबी आनददा को आइने के ए बोर्ड को भी मदद करता है।

गे आका चान अब तक आशुनी उठाई गई वपण गो आभ उठाये के उपाग पर आधा रत र। प्राख गे आ नौतिका की प्रतभागता को प्राथकता दी गई, बोर्ड की क्षनर के अधीन अपने-अपने वस्त्र। वर्धनातक क्रमिक वापारके ए उनको आगत आ गेट दे गए। इन गे के ए प्रतनंक्त बोर्ड के अधकार गे ने आगतका के प्राथ प्रभावी ढग गे बात की। वभन आ गे, आका आर ववध गे आ प्राप्त उत्पादा। त आगे के ए इन गे के प्राप्त पूछताछ अनवर्ती कारवाई के ए नौतिका के बीज वत रत की गई।

वर्ती वर्ष 2016-17 के दारान बोर्ड ने 10 अंतराटी गे भाग लिया।

क्रम सं.	प्रदर्शनी का नाम	देश	दिनांक
1	ए। ए. टेक, बोगोटा	कोलंबिया	8-11 जून 2016
2	62 वाँ आर फ्रन्सी फूड गो	न्यूयार्क, यू.ए।ए	26-28 जून 2016
3	फूड इग्नेड आ, आइथ ओरका	लावोपोपो, ब्रजील	23-25 अगस्त 2016
4	फ्रिडन फूड आटे गे	नेबर्न, आटे गे	12-15 अक्टूबर 2016
5	बागोचक, अरीका- आथगा ओगनक	बाटीगेर, ए।डी, यू.ए।ए	22-24 अक्टूबर 2016
6	एव पोए गेटार गे	पीए, पे	28-30 अक्टूबर 2016
7	आगा फूड परा	परा, फ्रान्स	15-20 अक्टूबर 2016
8	ग फूड अनफक्चरग	दबई, यू.ए.ई	7-9 नवंबर 2016
9	बागोचक, 2017	न्यूयार्क, जर्मनी	15-18 फरवरी 2017
10	फूडेका 2017	चंबा, जापान	7-10 मार्च 2017

इ) संवर्धनात्मक अभियान

(i) भारतीय मसालों पर विज्ञापनों/वीडियो स्पॉटों का प्रदर्शन

बोर्ड ने वृत्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान भारतीय विज्ञापनों के पाक व पाकेतर पर आ क्रो बढ़ावा देने आर उन् लोकप्रान बनाने के उद्देश्य से भारतीय विज्ञापन पर 15 वीडियो स्पॉट [60 सेकंड] आर दो विज्ञापना क्रो तार कर आर अन गोदत कर। वृत्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, इन स्पॉटों को तीन दार, लगभग 300 थोटेरा/टीके कर दिखार।

(ii) ऑन लाइन संवर्धनात्मक अभियान

आई बी ई एफ पाइरो बोर्ड, चाय बोर्ड व काफ़ी बोर्ड के साथ आकर आन लाइन संवर्धनात्मक अभियान चारार। अभियान ट्विटर, फ़ेसबुक, इन्स्टाग्राम जो पोस्टिंग्स कर प्लेटफ़ॉर्म पर चारू आर विज्ञापन उत्पाद के एगूग आइक भी प्रदान करता। आन लाइन दुकान को अवगत कराने के लिए बनाए गए अभियान विज्ञापन पर उनके वानपतक, भागो कर, वापार कर दत्ते, आधी, पाक एब पाक-इतर पर एँ आद पर चारू कर गार व बाग के ज़रए जानकारी पदा करता।

ई) पत्रिकाएँ

(i) आवध प्रकाशन, पाइरो इण्डिया (पाक) अग-अग पाँच भाग आ, नातः अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, कन्नड आर तेलुगु। आधी प्रकाशित कर गार। तेग आर तारुकी लुगी पत्रिकाएँ भी नर्धा स्तान गार नर्घत करी गई। पाक पत्रका आ करी वार-वत नर्न खतर।

अप्रैल 13 वीं वृत्तीय वर्ष काँग्रेस गान्तोक विज्ञापन का पोका
जून तारुनाइ इन्दीगी इकाई
जुलाई एथोपिया विज्ञापन व पाक की तारुना
अगस्त खखारः नगरानी के अधीन का विज्ञापन
सितंबर जानवर के इजाज के ए भी विज्ञापन भो
अक्तूबर अपुटोपत्त
नवंबर विज्ञापन प्रकरण विज्ञापन प्रकरण
दिसंबर चटपटी दाचीनी
जनवरी आध्र-उड़ीशा का गीर्च कात
फ़रवरी जवाहर व बदनाव; नई धरती की तारुना
का गीर्च

गर्च विज्ञापन विज्ञापन एच पूरे जोके साथ
(ii) फ़ैरन टेड एक्वारी बोटन : वदेशी वापार पोआ, इन्दी आर बोर्ड के कार विज्ञापन विज्ञापन प्राप्त पूछताछ के प विज्ञापन को प्राप्त वापार पूछताछ कर विज्ञापन कर जाता आर विज्ञापन को नर्गत करी वाधा के ए एफ़ टी ई बी विज्ञापन उनका प्रकाशन कर जाता। गार करो था विज्ञापन इन्दी द्वारा प्रकाशन भेज दार गार।

उ) अन्य प्रकाशन

वर्ष 2016-17 के दौरान त्रत पत्रकाएँ व ब्रोचर :-
क) जनरल ब्रोचर आन पाइरो बोर्ड इण्डिया (अंग्रेजी)
ख) अंतर्राष्ट्रीय के ए ब्रोचर : ग फ़ूड इनक्वचरंग (अंग्रेजी), फ़ूड इन्डिया। तथ अरिका (अंग्रेजी आर पर्तगी)
ग) नखे पफ़ोट : पाइरो एकेपेडा आर द नार्थ-ई ट

8. कोडेक्स कक्ष और हस्तक्षेप

बोर्ड ने 1111 व 1111 उत्पादों के मानकों के विकास के लिए, संरक्षित एवं वच्छ 1111 के उत्पादन एवं प्रचारण के उत्कृष्ट कृषि उत्पादों के आरंभिक तंत्र पर के तक्षेपा आर विका के जरण 1111 की गणवत्ता अनिचि करने ने अनेक अन्तरा टी आचा पर कार्य आप च गए ।

अ) कोडेक्स ऐलिमेंटारियस कमीशन (सी ए सी)

खाद्य एवं कृषि उत्पादों के लिए वैश्विक मानक तय करने के लिए सी ए सी के अन्तरा टी आच ने बोर्ड को भारतीय 1111 जगत के तक्षेपा रक्षा ने गणवत्ता- तंत्र को प्रभावी पने आ 1111 माने के लिए प्राप्त अवसर प्रदान करा ।

i) मसालों व पाक शाकों पर कोडेक्स समिति (सी सी एस सी एच)

1111 आर पाक शाका पर कोडेक्स की 1111 वाच 1111 का आ तथा वर्तमान 1111 भारत द्वारा कृषि जता 1111 आर भारत की तरफ से 1111 बोर्ड ने 1111 1111 के लिए 1111 का भार गृण करा । अब तक, 1111 1111 का तीन 1111 का; कोच्ची 1111 1111 ए 1111 एच 1 (फरवरी 2014), गोवा 1111 1111 ए 1111 एच 2 (सितंबर 2015) आर चेन्नई 1111 1111 ए 1111 एच 3 (फरवरी 2017) 1111 1111 का आ गेगा ।

1111 के तीरे 1111 1111 के विकास की गतवधा 1111 का प्रगत 1111 उन 1111 कछ 1111 प्रकार 1111 :

(क) तीन 1111 मानका, जो 1111 का 1111/ 1111/ 1111 का 1111 र्च, जीरा आर थूड़ा, को अता 1111 अपनाने के लिए कोडेक्स ऐलिमेंटारियस की 1111 के चरण 8 को अग्रे 1111 का जा 1111 ।

(ख) भूव 1111 1111 के विकास के लिए 1111 1111 द्वारा एक नवीन 'ग्रुपिंग' रणनीति अपनाई गई ताक, मानका के विकास के लिए 1111 1111 को एक 1111 1111 1111 जा 1111 के। इतर 1111 मानका के विकास के लिए आवक 1111 1111 को का करने की उद्दिष्ट की जाती 1111 ।

(ग) इ 1111 रणनीति के अनुरण 1111 1111 ए 1111 एच के तीरे 1111 ने, ज 1111 2017 1111 आ गेगत 1111 नेवा 1111 1111 1111 40 1111 1111 द्वारा अनुपदन के अधीन 1111 जाने के लिए, न 1111 1111 खत उत्पादों के लिए नए कार्य प्रतावा का अनुपदन का 1111 :

- 1111 1111 न 1111 1111 अ 1111 क
- 1111 1111 गई 1111 र्च 1111 एव 1111 प्रका
- 1111 1111 1111 1111 1111
- 1111 1111
- 1111 1111
- 1111 1111
- 1111 1111
- 1111 1111

ii) अन्य कोडेक्स समितियां

अन्य कोडेक्स 1111 1111 1111 बोर्ड के कृषि-क आप नीचे दए जाते 1111 :

क) कोडेक्स 1111 1111 1111 एफ आई 1111 ए (कोडेक्स कृषि आर 1111 इ पोर्ट एण्ड एक्पोर्ट इ 1111 एण्ड 1111 1111 के अधीन तीन इ 1111 नक व कग ग्रुपा (ईडब 1111) 1111 1111 र्त 1111 : (1) खाद्य आगत आर न 1111 के 1111 र्थन के लिए दे 1111 के बीच (प्र 1111 1111 1111) 1111 के आदान-प्रदान के लिए प्रतावत 1111 आर/ 1111 1111 नद 1111 (2) आगत के खाद्य के अ 1111 पर दे 1111 के बीच 1111 के आदान-प्रदान के लिए प्रतावत 1111 नद 1111 आर (3) खाद्य 1111 1111 1111 1111 1111 के आदान-प्रदान के लिए प्रतावत 1111 1111 आर 1111 नद 1111 का प्रा 1111 ।

ख) कोडेक्स 1111 1111 1111 एफ (कोडेक्स कृषि आर कृषि 1111 इन 1111) के अधीन तीन इ 1111 नक व कग ग्रुपा (ईडब 1111) 1111 1111 प्रवृत् 1111 : (1) 1111 1111 1111 1111 1111 को रोकने आर का करने ने कार्य 1111 1111 1111 डब 1111 आर (2) 1111 1111 1111 1111 1111 अ 1111 1111 1111 के विकास आर का 1111 1111 1111 1111 1111 पर चर्चा के पत्र के लिए ईडब 1111 ।

आ) डब्ल्यू टी ओ : मानक व व्यापार विकास सुविधा

1111 बोर्ड ने 1111 1111 1111 आर 1111 1111 1111 (ए पी ए) 1111 का 1111 करने के लिए क्षता न 1111 आर 1111 के आदान-प्रदान पर 1111 1111 1111 1111 1111 के अधीन 1111 आर 1111 विकास 1111 1111 (ए टी डी एफ) के लिए एक पर 1111 का प्रताव प्रतत करा था। ए टी डी एफ, 1111, प 1111 आर 1111 1111 1111 1111 1111 आर बाजारा तक

पंच बनाने का बनाए रखने की क्षमता के लिए अंतरराष्ट्रीय वृक्षता आर पादप-वृक्षता (एपीए) मानक, दूरदर्शन आर अनुराधा को कार्यान्वित करने की क्षमता के निर्माण का विकास देना की क्षमता पंचाने की विविक भूमिदारी।

डब्ल्यूटीओ ने बोर्ड के प्रस्ताव पर वंचार का था आर मार्च 2016 में एक परियोजना तारी अनदान (पीपीजी) का अनदान का था, जो एपीएटीडीएफ को प्रस्तुत करने के लिए डब्ल्यूटीओ के द्वारा अनदान का कारकीर्मी। आता एक पूर्ण परियोजना तार की जा सकती। अब का चार आर पीपीपी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा आर पोषक अधिकारी फूड एण्ड अग्रकृषि आरगनाइजेशन (एफएओ) एपीए व पाकिस्तान के प्रादेशिक कार्यालय, बाकोक, थाईलैंड को भारत में अधिमान चाने के लिए एपीटीडीएफ का चर्चा द्वारा चना गा।

प्रस्तावत परियोजना को विलेपित करने के लिए पूर्णतया आर मार्च, कार्यालय, धन, जीरा, बड़ी आर जावत्री। त जावत्री - पर धान कद्रत करने का क्षमता; जनकी अपने बंध अनप्रयोग, अकेले आर योग, के लिए कार्यालय।

परियोजना के लक्ष्य निम्नानुसार हैं:

- खाद्य सुरक्षा बढ़ाना आर वृक्षता आर पादप-वृक्षता। आर आ का कारण निर्मित योग गणवत्ता वापस आर के नराकरण। आर का आना करना।
- आर के गणवत्ता परीटरा पर राटी। तर पर डाटा तार करना।
- एपीए आर कोडेक की अपेक्षाओं की पूरत के लिए प्रचालन तरीका की परेखा तार करने आर वकालत करने के लिए एक तकनीकी चर्चा की श्रृंखला करना।
- आर अनधान। आर एव भ्रमण। थ। गठना के बीच दत्ता के आदान-प्रदान के लिए राटी। आर अंतरराष्ट्रीय। तर के योग आर चतार करना।
- आर के अंतरराष्ट्रीय मानक की थापना के लिए दत्ते का बंधन।

परियोजना क्षेत्र

परियोजना के कार्यालय के लिए ननोखत क्षेत्रों पर वंचार का जाता। वकालत के अन्वित आर के लिए भी प्रख बढ़ाव क्षेत्रों के लिए। थाने वा त वक प्रभाव डा। अकते:

- गजरात के आना जो जीरा/बड़ी। आर
- राजस्थान के जोधपर, जीरा/बड़ी। आर
- आंध्र प्रदेश के गना, जो धन। आर
- केरल के इडक्की जो का पी। आर
- केरल के एरणक। आर जो आर आर जावत्री
- आंध्र प्रदेश के गटूर जो। आर

चालू गतिविधियां

भारत के वंचन। थाना पर। आर के द्वारा मार्ग सुदृष्ट दिए जाने पर तथा पाइलो बोर्ड द्वारा आगोजत ननोखत कार्यालय। आर चलाई गई, जन। का आना, प्र। करणकर्ता आ तथा निर्मित। त प्रख पणधारी उपस्थित रहे:

- आंध्र प्रदेश के पड़े आर गटूर। आर पर कार्यालय (23-25 मार्च 2017) को चलाई गई।
- राजस्थान के जोधपर आर अजमेर। आर (16-19 अक्टूबर 2017) को आगोजत। गजरात के आना। आर (20-22 अक्टूबर 2017) को आगोजत। जीरा आर बड़ी। आर पर कार्यालय। आर
- आंध्र प्रदेश के गना, धन पर कार्यालय (23-26 अक्टूबर 2017) को आगोजत।
- केरल के कोच्ची। आर जावत्री पर कार्यालय (30 अक्टूबर - 2 जून 2017) को आगोजत।

पीपीजी के बाद पूरे भारत में आना एपीए के आर को वापस। पो। बोधत करने के लिए वलती। आर प्राप्त करने के लिए एपीटीडीएफ को एक पूर्ण प्रस्ताव देना का जाएगा। एक परियोजना वंधीन कार्यालय इंडा इन्टरनेशनल। आर, 40, आर। आर मार्ग, नई दिल्ली - 110 003। आर 8 जून 2017 को। आर 10.30 बजे दोपहर 1.30 बजे तक आगोजत। आर वा। आर। आर। आर परियोजना के तंत अब तक की गतवंधा को उजागर का जाएगा आर भव। आर की गतवंधा पर चर्चा की जाएगी।

9. इ-स्पाइस बाज़ार

आंध्र प्रदेश व तेलंगाना राज्य के ए.एस. पाइल बाज़ार अनुरेखणीय प्रयोजना पाइलेट बोर्ड भारत आर इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मिशन (MeitY), भारत सरकार की अंतर्गत प्रयोजना है। इस प्रयोजना की प्रारंभिक अवधि 2015-16 में अनुरेखणीयता निश्चित करते हुए कृषकों को आपूर्ति-सुखाना जोड़ने आर क्रेताओं के साथ सीधे संबंध जड़ाने का उद्देश्य बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। इस प्रयोजना का एक उद्देश्य कृषक उत्पादक समूहों को जो इनपुट की प्राप्ति आर अधिक पैसों के लिए आर प्रगति के साथ उत्पाद की बिक्री करने का कृषकों को सक्षम बनाना है।

इस प्रयोजना के प्रथम चरण में 1000 कृषकों को इसके अधीन प्रयोजित किया गया तथा उनके प्रगति का निरीक्षण किया गया आर उनके ववरण के अनुसार उनके कृषकों को ववरण भी वेबपेज www.espicebazaar.com पर प्रयोजित किया गया। परीक्षण के तार पर, वेब पोर्टल एक नया क्रिया-वक्रता में अज्ञात भी जोड़ा गया। साथ ही प्रथम चरण के दौरान तेना गी गाँव में 1000 से अधिक कृषकों का निरीक्षण भी किया गया।

आंध्रप्रदेश आर तेलंगाना राज्यों में प्रयोजना के कार्यान्वयन के तार चार चरणों में चलाया गया। तेलंगाना एस्टेट को आंध्र प्रदेश के प्रकृति आर गण्टूर जिले के 14000 कृषकों आर तेलंगाना भीतर प्रकृति को आंध्र प्रदेश के गण्टूर जिले के 12000 कृषकों, तेलंगाना पौतना एडुकेटिव गी गाँव को तेलंगाना के वारंगल जिले के 15000 कृषकों को आर तेलंगाना

पी आर डी आई को तेलंगाना के खोस जिले के 10000 कृषकों को एका करने के तार चलाया गया। कृषकों को सूचना आर सक्षम बनाने आर प्रगति नगरानी के लिए 52 क्षेत्रों में प्रयोजना प्रकृति पर काम कर रहे हैं। प्रकृति प्रयोजना कृषकों को राजा कृषि आर बागवानी अधिकारों के अनुसार बका तथा अनुरेखणीयता ए.एस. पाइल के साथ संबंध रखने में मदद करते हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान प्रयोजना 52,745 कृषकों को अपने अधीन लाई, जिनमें से 14,138 से अधिक कृषकों आर 41,607 से अधिक कृषकों को ए.एस. पाइल द्वारा नए अनुरेखणीय कृषकों को गोबर्ण के तार नंबर दिया गया।

वेब पोर्टल www.espicebazaar.com अब चालू है। सभी कृषकों, उनके प्रगति और खाद व नाकृषि अनुरेखणीयता के कृषकों का ववरण इस वेबपोर्टल पर दिया गया है। प्रकृति प्रयोजना वेबपोर्टल में सूचना जोड़ रहे हैं।

पोर्टल ने क्रेताओं की एक नई प्रकृति तार की है, जिनमें आनीने आन पाइन रज टर का जा कृषकों को क्रेताओं के साथ आर कृषकों को नदेन संबंध बनाने के लिए पोर्टल पर कृषक उत्पादक समूहों की सूची भी बनाई गई है।

तत्कारण में प्रकृति प्रयोजना में जन्म का दाता, अधिक सूचनाएँ, अच्छी कृषि प्रणाली, एकीकृत नाकृषि प्रबंधन, प्रगति प्रगति, खेती संबंधी वीडियो आदि भी इस वेब पोर्टल पर प्रयोजना को गोबर्ण

10. गुणवत्ता सुधार

कोच्ची 1 बोर्ड की गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्राम की स्थापना वर्ष 1989 में हुई। गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्राम, कोच्ची वर्ष 1997 में लेकर आई ए।ओ 9001 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के अधीन प्रमाणित और वर्ष 1999 में लेकर ब्रिटीश स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, यू.के. द्वारा आई ए।ओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के अधीन आरंभ की गई। अद्य ए.एस.आई.ए.ओ. द्वारा (एन ए बी ए।ओ.), वंशान व प्राद्यो गन्धी विभाग, भारत सरकार द्वारा आई ए।ओ./आई ई.सी. 17025 के अधीन अक्टूबर 2004 में प्रोग्राम प्रमाणित।

नतीजा के रूप में गुणवत्ता 100 फ़ाकन सेवाएँ तब प्रदान करने के लिए, पाइलेट बोर्ड ने प्रमुख उत्पादन/संसाधन केन्द्रों, नामतः कोच्ची, चेन्नई, गुण्टूर, त्रिपुरा, नई दिल्ली, तूतकोरन और कन्नडा में, गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्राम शुरू किया। कोच्ची, त्रिपुरा, चेन्नई और दिल्ली की गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों को एन ए बी ए।ओ. प्रमाणित प्राप्त और अना दो प्रोग्रामों को प्रमाणित करने की प्रक्रिया में। कोच्ची का गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्राम प्रगत पर अक्टूबर 2017 में पूरा होने की प्रतीक्षा में। त्रिपुरा की प्रोग्रामों में जांच की जानेवाले नमूने की भारी मात्रा और गुणवत्ता 100 फ़ाकन उत्पादों के विलोपन उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उन्नत करने के लिए, पाइलेट बोर्ड ने गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों को 4000 वर्ग मीटर बं डों पर पूरी अद्यारचना के साथ आगे बढ़ाया। अक्टूबर 2016 में प्रोग्राम का प्रमाणित किया। इसका उद्घाटन 13.05.2016 को किया गया।

प्रोग्रामों में आगतों को अपेक्षाओं के अनुसार विलोपन का चयन के लिए परकृत उपकरणों को पूरी तरह से अद्युक्त किया गया। त्रिपुरा और विलोपन-प्रणाली की प्रगतता प्रोग्रामों की विलोपन-सेवाओं में जड़े कागजात को 'क्यू 100 डी ए।ओ.ए।ओ.' नाम के सफ्टवेयर के ज़रूरत आन लाइन बना दिया गया। विलोपन की विलोपनीयता निश्चित करने के लिए, प्रोग्रामों को अंतर्देशित पाइलेट टेस्टिंग प्रोग्राम (ए।ओ.टी.ए.), यू.ए.ए., खाद्य एवं पर्यावरण अनुसंधान अभिकरण (एफ़ ई आर ए), यू.के., अंतरराष्ट्रीय का र्चितादा (आई.पी.सी.), जकार्ता, इंडोनेशिया/अंतरराष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा अद्युक्त नमूने जांच/वधानाकरण कार्यक्रमों को अद्युक्त किया। प्रोग्रामों को अद्युक्त किया। (एफ़ ए पी ए।ओ.) एवं फ़ूड एंड आग्नि प्रोफ़ेशनल अंशों को अद्युक्त किया। (एफ़ ई पी ए।ओ.) और भारत की एन ए बी ए।ओ. प्रमाणित प्रोग्रामों को अद्युक्त किया।

आयोजित प्रवीणता जांच कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय भाग लेने वाली गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों में प्रमुख आगतों के अंतर्गत भारत की प्रमुख गुणवत्ता 100 फ़ाकन उत्पादों विलोपन प्रोग्रामों को अद्युक्त किया। एफ़ ए।ओ. विलोपन डार्ड I-IV और नमूने जांच की अद्युक्तता के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतःप्रोग्रामों में नमूने जांच कार्यक्रमों को भी आयोजित किया। प्रोग्रामों को अद्युक्त किया। अद्युक्तता के अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के बराबर अपनी विलोपन कृतता वधानाकरण करने के लिए एफ़ ए।ओ. अंतरराष्ट्रीय खाद्य रक्षा प्रोक्षण प्रोग्रामों में, यू.ए.ए., खाद्य उत्पादन वंशान विधान-राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, इटली आदि, इंडोनेशिया/अंतरराष्ट्रीय प्रोग्रामों को अद्युक्त प्रोक्षण किया जाता।

पाइलेट बोर्ड की अनवरत नरीक्षण नीति के तहत प्रमाण-नमूने का विलोपन गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों को अद्युक्त किया जाता। गुणवत्ता प्रोग्रामों में भारतीय गुणवत्ता 100 फ़ाकन सेवाओं को विलोपनात्मक सेवाएँ प्रदान के साथ-साथ देना उत्पादन और प्रोक्षण प्रोग्रामों की गुणवत्ता की गारंटी करता है। गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों में गुणवत्ता 100 फ़ाकन उत्पादों में नमूने जांच की अवधि, एफ़ ए।ओ. विलोपन, भारी गुणवत्ता और गुणवत्ता/गुणवत्ता रजकृत वधानाकरण, रासायनिक और नमूने जांच परीक्षा के विलोपन की वधानाकरण। गुणवत्ता 100 फ़ाकन प्रोग्रामों में वधानाकरण के अंतरराष्ट्रीय तार पर विलोपन जांच तरीका का अद्युक्तता और जब कभी आवश्यकता है, नई तरीका का वधानाकरण करती है।

अ. विश्लेषणात्मक सेवाएं

प्रोग्रामों में अद्युक्तता, अद्युक्तता, विलोपन और अद्युक्तता अद्युक्तता के परीक्षण के अनवरत नमूने जांच अधीन गुणवत्ता डार्ड I-IV एफ़ ए।ओ. विलोपन की गुणवत्ता के लिए अद्युक्तता अद्युक्तता का विलोपन चयन के दौरान जारी रखा। वर्ष 2016-17 की अवधि के दौरान बोर्ड के अनवरत नरीक्षण के अधीन चीनी गुणवत्ता बड़ी मात्रा में बीजा का (नमूने जांच के लिए); यूरोपीय नमूने जांच को भेजनेवाले परीक्षण नमूने जांच (नामतः प्रोफ़ेशनल, टा.ओ.ओ. और एडो.ओ.ओ.के.ए.) के लिए केंद्रीय अद्युक्तता, जीरे (बांरी चीजा तथा अना बीजा के लिए) का विलोपन किया गया।

गुणवत्ता 100 फ़ाकन, रासायनिक और नमूने जांच परीक्षा के अद्युक्तता, अना अवध रजकृता (परा रेड, रोड़ा नमूने जांच, बट्टर गुणवत्ता 100 फ़ाकन)

ई) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी

प्रोग्राम ने उत्पादों के गुणवत्ता, वनस्पति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय बठका, अंतर्राष्ट्रीय भाग। वर्ष 2016-17 के दौरान प्रोग्राम के तकनीकी टास्क ने नवीन खत कार्यक्रमों में भाग लिया।

- पाइलेट बोर्ड द्वारा एफ ए ओ आर कोडेका ऐं टारिफ कमीशन के साथ टास्का प्लान 05-10/02/2017 के दौरान चैम्पनई आगोजत उत्पादों पर पाक टास्का पर कोडेका ऐं टारिफ का तीरा खत।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा व गणक प्राधकरण (एफ ए ए आई), दूरी द्वारा 30/01/2017 को आगोजत आगता व दाहिनी अपाण पर बठक।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा व गणक प्राधकरण (एफ ए ए आई) दूरी द्वारा 27-31/03/2017 जापानी टाटा के साथ खाद्य सुरक्षा पर आगोजत बठक।
- ए पी चे बर एड टाइटेजेंट टा ग्रुप द्वारा नई दूरी 12/05/2016 को आगोजत व पक्षी वापार बढ़ाने पर चर्चा।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा व गणक प्राधकरण (एफ ए ए आई) द्वारा नई दूरी 13/05/2016 को नई दूरी आगोजत 10 वी वी एफ आर अना कोडेका ऐं टारिफ 22 वी वी एफ आई वी ए, वी वी ए ए, 48 वी वी एफ ए 30 वी वी ओ पी आर 48 वी वी पी आर पर डी-ब्री टांग बठक।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा व गणक प्राधकरण (एफ ए ए आई) द्वारा नई दूरी आगोजत कोडेका ऐं टारिफ कमीशन के 39 वी वी की द्वितीय टास्का की बठक।
- वाणज्य विभाग द्वारा 23/06/2016 को रज टिकुत नर्यातका के साथ आगोजत टास्का आग ओरजन आग गूडा टास्का जेनर आइज्ड टास्का आग प्रफेरे टा बठक।
- आई ए आर आई द्वारा नई दूरी 29/06/2016 को राट्टी टार पर आगोजत 'गानीट्टिंग आग पे टाडड रे. आडू' गोजना पर तकनीकी टास्का की बठक।
- वाणज्य विभाग द्वारा नई दूरी 24/08/2016 को आगोजत एडोक्राइन बाधाआ पर ई वी वी टा पर बठक।
- नई दूरी 21/09/2016 को उच्च तरी आइडी वी डागा गोजना

- कोडेका ऐं टारिफ द्वारा 26/09/2016 को नई दूरी आगोजत वी वी ए टा एफ ए ओ / डब्ल्यू एच ओ कोडेका ऐं टारिफ टास्का का 20 वी वी खत।
- नई दूरी 29/09/2016 को परपरगत खाद्य नखी की टास्का पर टास्का गोजना
- कृषि भवन द्वारा 03/10/2016 को नई दूरी आगोजत नाटकजीवना वी अवगो के गानीट्टिंग पर कट्टी टास्का गोजना के कागनवान के ए टास्का की नारी बठक।
- कृषि भवन, नई दूरी 06/10/2016 को आगोजत वी वी पी आर पनरीक्षा
- एफ डी ए द्वारा 18-24/10/2016 के दौरान आगोजत खाद्य बाधा पर कोडेका ऐं टारिफ (वी वी एफ एच)
- नई दूरी 05/11/2016 को आगोजत प्रोग्राम के ए टास्का प्रणा वी कानूनी बाधाताएँ व भावनाआ पर गोजना
- नई दूरी 30/12/2016 को आगोजत गरा टास्का तथा अना उत्पाद पर वजा नक पन की छठवी बठक
- कनाडा वी एफ आई ए के नेतृत्व के टाटा के दारे के टास्का वी आई आई वी द्वारा नई दूरी 15/02/2017 को आगोजत बठक।
- 01/03/2017 को नई दूरी नर्यात नरीक्षण पराद की 11 वी बठक
- कृषि भवन द्वारा नई दूरी 03/03/2017 को आगोजत ए आई डी एच पनरीक्षा बठक
- 07/03/2017 को नई दूरी एफ ए ए आई आग कोडेका प्रथा टास्का की बठक
- प्रगत आदान, नई दूरी 07/03/2017 को आग टा 2017
- बी आई ए टा द्वारा 24-25/01/2017 के दौरान कोच्ची आगोजत आई ए ओ / टा वी 34/ए. वी 7 की 29 वी पनीरी बठक
- एफ ए डी 9 वी आई ए टा द्वारा कोच्ची 23/01/2017 को आगोजत टास्का, वी वी नरी वी एण्ड काडी टा टास्का की पद वी बठक

11. निर्यातान्मुख अनुसंधान

भारतीय इलाची अनुसंधान स्थान (आई. पी. आर. आई), पाड़ोरा बोर्ड ने 2016-17 के दौरान जलवायु, रक्षण एवं प्रजाती, आधार, जल प्रादो गंकी, तक्षेप, एकीकृत पोषक, माकृजीव एवं रोग प्रबधन तथा तकनो ली अन्तरण जे व भन्न प् आ पर अनुसंधान चलाया। छोटी इलाची (एलेटेरिया कार्डमोम (ए। टोन) आर बड़ी इलाची (अमोमम सुबुलेटम/रोकब.) एकीकृत क्रीट प्रबधन, मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक, प्रोत्साहन व गीनक, उत्पादन तकनो ली पर प्रोक्षण, जलवायु के उत्पादन आर छोटी तथा बड़ी इलाची रोपण, प्रोत्साहकी आपूत पर, प्रोत्साहन जे व तारगत वधे भी चलाई गई।

अ) फसल सुधार

(i) छोटी इलायची

ताड़पारा के गोवर पानी पाड़ोरा के जगह आर वना नवाहा जलवायु, रक्षण एवं प्रजाती के चार अद्वितीय प्राप्त हुए। ताड़पारा राठी अभारणा 1563 इलाची प्राप्ति आर 12.16 बद्ध ताव का रखखाव का गगा था। कृते पर के जलवायु इलाची की 244 प्राप्ति आर 12.16 बद्ध जात का 10 प्राप्ति को बनाए रखा गया। आई. पी. आर. आई 3, आई. पी. आर. आई 5, आई. पी. आर. आई 8, ए. पी. पी 260 लो नो चेतक गीन व गोना को गणत कर काना को वत रत का गगा। पीईटी की पदावह ने दगा क एपी पी 172 ने का प्रो अथक उपज (792 कगा/केटर) दी। प्रोत्साहन परीक्षण के अनुसार एकेपी 169 (0.09) ए. पी. टीका पर प्रोत्साहकी घटनाएं का थीं जब क ए. पी. पी 260 (2.10%) ए. पी. टी अथकत पा गगा। ए. पी. टी. एकेपी 189 x ए. पी. पी 260 के प्रोत्साहकी काना का बिने नु उपज की दर का प्रो अथक (880 कगा/केटर) पाई गई आर बंधानक परीक्षण जारी। भागीदारी प्रजनन क्रीट का के भाग के पा आई. पी. आर. आई. कृते पर प्रोत्साहकी आर काना के भूखड़ा छोटी इलाची के प्रोत्साहकी प्रजात का प्रोत्साहकी का गगा। आई. पी. आर. आई, ताड़पारा प्रोत्साहकी बड़ी इलाची के परमाणु परीक्षण से पता चला कथ प्रोत्साहकी अपूर्ण था का कथ प्रोत्साहकी पराग की चोरी कर रही थी।

(ii) बड़ी इलायची

जलवायु, रक्षण एवं प्रजाती आर पंचि बगा के दर्जी गजो रक्षण का गगा। आई. पी. आर. आई-आर. आर. ए. जलवायु कजवटरी के प्रोत्साहकी आर काबी दोना अनुसंधान प्रोत्साहकी उच्च उपज आर अनुसंधान वर्णों के गणा के आधार पर बड़ी इलाची आर 12.16 बद्ध प्रजात का तीन प्राप्ति का रखखाव का गगा था।

आ) जैव प्रौद्योगिकी

ताड़पारा आणविक जीव विज्ञान प्रोग्राम आई. पी. आर. आई. था पत क्री गई थी। आई. पी. आर. आई की प्रोत्साहकी की वीच आनविक वधता आर 12.16 का प्रोत्साहकी का गगा आर डेटा प्रोत्साहकी की गई। प्रोत्साहकी आर पी. वाई. ए. ओ. वी. जे. का प्रोत्साहकी; छोटी इलाची अर्थात् पी. डी. ए. वी. आर बड़ी इलाची ए. पी. पी. के वधन वार रोगा के आणविक नदान का पता गगा। पी. जी. टी. के वार रोगा डी. ए. ए. आर आर. ए. ए. वार रोगा व प्रोक्षण दा गगा। आणविक प्रोत्साहकी के प्रोत्साहकी के डाइ. आ. प्रोत्साहकी रक्षण वर्णन का गगा था। एक प्रोत्साहकी के प्रोत्साहकी पराता त्वकथ का प्रोत्साहकी आर इलाची जे. पी. टी. के आं. क. ओ. बोटा नंकान नूनू पर आणविक प्रोत्साहकी अधानु. प्रोत्साहकी प्रोत्साहकी 'ना. क. एक पर प्रोत्साहकी को पूरा का गगा, जलवायु रपोर्ट. कान के चरण. प्रोत्साहकी आर. ए. ए. (जू. पी. आर. पी. ए. आई. आर.) ने (i) जा. प्रोत्साहकी (प्रोत्साहकी प्रेग्रे. प्रोत्साहकी) ए. डी. ए. पी. का आणविक रक्षण वर्णन एवं (ii) छोटी इलाची (ए. पी. टी. का प्रोत्साहकी) क्रीट कछ नो चेत प्रजात का के क्रीट अथकत वज्ञान आर आणविक रक्षण पर अपनी पी. ए. चडी थी. प्रोत्साहकी रोगा प्रोत्साहकी पर जानकारी उत्पन्न करने के प्रोत्साहकी डेटा प्रोत्साहकी काथ इलाची का. क्रीट प्रोत्साहकी पूरा का गगा आर अथक प्रोत्साहकी के प्रोत्साहकी। आई. पी. आर. आई, ताड़पारा द्वारा प्रोत्साहकी 2016 के दौरान भारतीय इलाची पाधा पर बाह्य वत प्रोत्साहकी आई. पी. आर. पर प्रोत्साहकी प्रोत्साहकी की गई थी आर प्रोत्साहकी प्रगत पर प्रोत्साहकी प्रगत का जा र।

इ) कृषिविज्ञान और मृदा विज्ञान

(i) छोटी इलायची

इलाची के उत्पादका प्रोत्साहकी 1750 मृदा नूनू का प्रोत्साहकी पोषक तत्वा आर पी. ए. के प्रोत्साहकी का गगा। मृदा परीक्षण से

12. सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक आँकड़ा प्रक्रमण

सूचना प्रौद्योगिकी की बढ़ती तब बोर्ड के क्रमिक रूप से खेती से प
 ले बढ़ा गए। कई IT आधारित अनलाइन प्रणालियाँ परवर्तित
 कर गईं, जिनमें बोर्ड के वृद्ध वृत्तों का कार्यालय खेती से
 पोषण का कर देना और उनके उत्पादन की क्षमता का आवधिक
 घटती है। इ.आँ.प्र. वृत्तों बोर्ड के वृद्ध वृत्तों के साथ काम
 करते हैं, उनके द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा
 देना और प, IT पूरी प्रणाली को तेज और ज्यादा उपयोगी
 बनाता है और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में बोर्ड को सहायता
 बनाता है।

अ) इ.आँ.प्र. विभाग के मुख्य कार्यकलाप

- सूचना प्रौद्योगिकी के कारगर प्रयोग के लिए बोर्ड के वृद्ध
 वृत्तों का कार्यालय को सहायता, मार्गदर्शन और सहायता
 प्रदान करना।
- भाजुदा अनप्रयोग, वेबसाइट, इंटरनेट तथा वेब साइट
 के रख-रखाव के लिए पड़े प्रबन्धन
- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, डाटाबेस, नेटवर्क और बाह्य उपकरण
 जो IT आधारित के ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हैं
- तकनीकी उपार्जन, एकीकरण व कार्यालय के लिए उपाय
 का पान
- सूचना प्रौद्योगिकी अवधारणा का उन्नयन

- सूचना प्रौद्योगिकी के सॉफ्टवेयर के कार्यालय के लिए
 सहायता व प्रक्रियाओं का निष्पन्न व कार्यालय
- आकड़ा प्रक्रमण
- सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकता (भाजुदा सहायता को सहायता
 का पता करना, तथा प्रक्रियाओं के अनुरोध की पूर्ण करना)
- सूचना प्रौद्योगिकी व एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर की डिजाइन,
 विकास, प्रोबन्धन, परीक्षण, कार्यालय और रखरखाव
- बोर्ड की वेब साइटें Indianspices.com, spicesboard.in,
indianspices.org.in, worldspicecongress.com,
spicesboard.org की रख-रखाव और इन अद्यतन बनाना
- कंप्यूटर प्रोबन्धन कार्यालय का पान और आगोजन

आ) 2016-17 की अवधि के दौरान प्राप्त उपलब्धियाँ

- कार्यालय के वृद्ध वृत्तों प्रबन्धन प्रणाली पाइने बोर्ड के कार्यालय
 की सहायता वृद्ध वृत्तों के प्रबन्धन का एक सॉफ्टवेयर सहायता
 कार्यालयों द्वारा प्रणाली के ज़रूरतों अपनी वृद्ध सहायता वृद्ध वृत्तों
 आन सहायता प्रस्तुत कर सकते हैं। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को इन
 प्रस्तुत को देखने की सहायता है।
- पड्डे, केरल और बोडना कन्नूर, तमिलनाडु की इन्फो प्रणाली 75
 सहायता उपयोगी उपोक्तों को सहायता करने में सहायता
 प्राप्त है।

13. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 (2005 का 22) का अद्यतन द्वारा अधिनियमित किया गया था और राष्ट्रपति की वीकृत 15 जून 2005 को प्राप्त हुई थी। अधिनियम का उद्देश्य प्रत्येक पार्वजनिक प्राधिकरण के कार्यालयों पर पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए पार्वजनिक प्राधिकरणों के नियंत्रण के अधीन की जानकारी को सुरक्षित रूप से प्राप्त करने के लिए नागरिकों को सूचना के अधिकार का एक वास्तविक अधिकार प्रदान करना था। अधिनियम की धारा 8 के अधीन अधिनियमित सूचना को छोड़कर सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अधीन नागरिक बोर्ड की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नागरिक नर्धारित सूचना के भंगतान पर बोर्ड के बारे में सूचना प्राप्त कर सकते हैं। बोर्ड ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 को कारगर ढंग से कार्यान्वित किया और इस संबंध में सरकार के भी नद्वारा अनुरोध किया। बोर्ड ने केंद्रीय पार्वजनिक सूचना अधिकारों और पार्वजनिक सूचना अधिकारों द्वारा सूचना के प्रसारण के लिए योजनाएं उद्यम नद्वारा (सूचना-परीक्षा व. तर्कता) को लागू करके केंद्रीय पार्वजनिक सूचना अधिकारों के पदनामों को बोर्ड ने प्राप्त करके पार्वजनिक सूचना अधिकारों (पीपीआईओ) को खोला है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अधीन सूचना के प्रसारण के पदनामों को और सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 5(2) के अधीन बोर्ड के क्षेत्र

में 21 केंद्रीय पार्वजनिक सूचना अधिकारों (पीपीआईओ) को पदनामों को और सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रकटीकरण आरेखों का अनुरोध करने के लिए नोडल अधिकारी एवं सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 19(1) के तहत अपील की गई। इनवाई के लिए बोर्ड के अपील में अधिकारी के पदनामों को किया गया। उपनद्वारा (इ.आ.प्र.) को आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के तहत बाधाओं के कार्यान्वयन के अधिनियम के लिए बोर्ड के 'पारदर्शिता अधिकारी' के पदनामों को किया गया। बोर्ड ने सूचना, जो प्रकट करना अपेक्षित है, अपने आप को प्रकट की है, जो आरटीआई अधिनियम 2005 की धारा 4(1) के तहत, बोर्ड की वेब साइट के जरूरत को प्राप्त बनाई है। वर्ष 2016-17 के दौरान, आरटीआई के अधीन करी 98 आवेदन आन लाइन पोर्टल और फ़ोन के जरूरत और प्राप्त हुए और नद्वारा के अंतर्गत भी प्राप्त पर अपेक्षित सूचना प्रदान की गई। इस अवधि के दौरान दो पीआईआईआई भी आगोजत हुईं। आरटीआई रजिस्ट्रार के लिए करी 350 और अंतर्गत सूचना के लिए करी 40 प्राप्त हुए। तद्वारा आरटीआई ववरणी (पीपीआईओ) चाथी तद्वारा तक के लिए केंद्रीय सूचना आयोग की वेब साइट पर अद्यतन बनाई गई।

बोर्ड के सदस्यों की सूची

(बोर्ड के कछाद का की पदावध 4 फरवरी 2017 तक का प्राप्त हो गई थी)

भारत सरकार का अधिाधारण राजपत्र भाग II खण्ड 3 - उप खण्ड (ii)

सं. 269 नई दूी, गवार, 4 फरवरी, 2014, पघ 15, 1935

क्रम सं.	नाम व पता	पदवी	टेलीफोन/मोबाइल/फ़ैक्स/इ-मेल	पद की अवधि
1.	डा. ए. जात क आई ए ए अधिक्ष, पाइो बोर्ड पाारखड़ा, कोच्ची-682 025 केर	अधिक्ष	फ़ोन : 0484-2333304 गोब : 9446022644 फ़ैक्स : 0484-2349135 इ-मेल : chairman@indianspices.com	
2.	पी ए. तक्रवे पाद (राजाभा) पी-204, वर्ण जाती दन डा. बीडी. मार्ग नई दूी - 110 001 पी ए. तक्रवे पाद (राजाभा) 126/6, गाधी नगर ई ट फ़ोर्थ टीट, फ़ागा रोड कुंनकोव 627 756 तरुने वे पी ज पा, ता नाड	पाद	फ़ोन : 011-23708300 गोब : 09013181036 फ़ोन : 04636-222408 गोब : 09443389036 09489090006 इ-मेल : thangavelubscmp@gmail.com info@thonustraining.com	03/02/2017
3.	पी बी.ए. डेयूरप्पा पाद कार्गाा : ए पी आ. का प्के बाराज अरु रोड, वुगगा ज पा कर्नाटक, पन 577 201 आवाा : 381, 'देवागरी' वथ करा रोड, 80 फ़ैट रोड आर ए वी. केड. टेज बगूरु 560 094	पाद	फ़ोन : 08182-272755, 080-23511945 गोब : + 91 9972795355 इ-मेल : bsy@yeddyurappa.in ms9448266662@gmail.com	20/10/2017
4.	पी प्रताप ए. ए. पाद (गोकाभा), गूरु जदूनी, डी पी-2 कोट्टेज नरुईन रोड गूरु - 570 005, कर्नाटक	पाद	फ़ोन : 0821-2444999 गोब : + 91-9845624022 इ-मेल : mpmysoresimha@gmail.com	20/10/2017

5.	नंदेक/उप.ाचव नार्त.ावर्धन का प्रभारी (कृ.ा.प्रभाग), बागान/वाणज.ा वभाग वाणज.ा एव. उद्योग त्रा.ा नई द.ी 110011	.ाद.ा		03/02/2017
6.	.ाक्त.ाचव एव.ान नंदेक (एन एच ए.ा).कृ.ा एव.ा.कारता त्रा.ा, कृ.ा वभाग कृ.ा भवन, नई द.ी - 110 114	.ाद.ा	टेलीफोन : 011-23073779; 23382444	03/02/2017
7.	नंदेक/उप.ाचव वत्त.ा.प्रभाग का प्रभारी वाणज.ा एव. उद्योग त्रा.ा वाणज.ा वभाग, नई द.ी	.ाद.ा		03/02/2017
8.	डा. वजू जेकब नंदेक टेलीफोन थ्याइट इड टी.ा. कड.ारप्प, कोचेरी एरणाक.ा, केर.ा फोन - 682 311	.ाद.ा	फोन : 0484-3051200/210 मोब. : 9846640010 फोन : 0484-3051351 ई-मेल : viju@synthite.com	03/02/2017
9.	मी भा.कर.ा प्रबध नंदेक टेलीफोन जाबा इटरने.ा.ा.ा. ए-350, टी.टी.ी इड.टा.ा.एरा ए.आई.डी.ी.ा.पे नवी बर्ड - 400 708 ाराट.	.ाद.ा	फोन : 022-27784500/41412525 मोब. : 09820073814 ई-मेल : jabs@jabsinternational.com	03/02/2017
10.	मी अजत तो.ा टेलीफोन वी.टी.क-को.क इग्ने.ा.ा.ा.ा. चेन्नई	.ाद.ा	फोन : 044-28583463 ई-मेल : mail@avtspice.com	03/02/2017
11.	रक्त	-	कृ.ा.के.प्रत.नध.ा.द.ा	
12.	मी क.ार.ा.ए.ा.त.ा.ानी पार्टनर, टेलीफोन इड इड टी.ा. एन.एच. न. 8, ए.कॉर्ट टाक्ट.ा.के. .ा.ाने, दभा.ा, न.द.ा.द.खेड़ा गजरात, फोन - 387 320	.ाद.ा	फोन : 0268-2581241 मोब. : 9824074444 ई-मेल : asianfoods2002@yahoo.com	03/02/2017

13.	श्री डी.वी.आर. राजीव् गो न पोर्ता आई टी पी ए टेड 37, 'वरजीन गाउड' कोल्काता - 700 071 पश्चिम बंगाल	।।।।।	फ़ोन : 033-22889371 मोब. : 09831055161 ई-मेल : rajesh.paddar@itc.co.in	03/02/2017
14.	रक्त	-	कृषक के प्रतिबंध ।।।।।	
15.	श्री जोजो जार्ज पोट्टुक्कल ए टेड कूट्टुककल (पी.ओ.) कोट्टाट्ट, केरल, पिन - 686 514	।।।।।	फ़ोन : 04869-222865 मोब. : 9447182097 फ़ोन : 04868-222097 ई-मेल : jjojogeorge@kcpmc.com	03/02/2017
16.	श्री अजो टी. जो कार्पाक नंदेक गा एटरप्राइटे वण्डनोड्डुइडक्की ज केरल, पिन - 685 551	।।।।।	मोब. : 9447070770 ई-मेल : mail@masindia.com	03/02/2017
17.	श्री के. जाउददीन अ ।।।।। प्रबंध नंदेक पोर्ता के पी ए टी ए टेड बोड्डाकन्नूर, तेनी तंता नाड - 625 513	।।।।।	मोब. : 09597360553 ई-मेल : ziauddinahamed@yahoo.com	03/02/2017
18.	श्री अनीता कारणवर (अध्याक्ष, ए आर ए इटरनेशनल, केरल) 76, ए ए जी एफ, वर्ड टेड एटर बाबर ग्रीडन, बाराखभा रोड नई देली - 110 001	।।।।।	फ़ोन : 011-23414703 मोब. : 09810040319 ई-मेल : anitakarnavar@gmail.com	03/02/2017
19.	श्रीमती वजाहदी नंदेक फ़ालदा एग्रो एंड आर्च प्रोड्यूसर्स प्राइवेट ए टेड 92/5, कन्नापी गाँव, मो. पी क्रा, गदी ग्रीडन रोड बंगलूरु - 560 091	।।।।।	फ़ोन : 08028536762/63/64 ई-मेल : info@phaladaagro.com	03/02/2017
20.	श्री ए. त्री के व श्री ए. त्री के व ईट्टनगर, अरुणाचल प्रदेश पिन : 791 111	।।।।।	फ़ोन : 0360-2212341 (कार्पा.) 2212173 (कार्पा.) ई-मेल : hotmail@rediffmail.com hatobinmai5@gmail.com	03/02/2017

21.	डा. माथ्यू. माथेवाकर कार्कट्टे, पोलोना इडुक्की जं, केर फन - 685 515	.द	इ-मेल : drmathew.sk@gmail.com	03/02/2017
22.	गीरव गोपाकृष्ण नेकर (पी.ओ.) तरुण्ड गदूर जं आध्र प्रदेश, फन - 522 236	.द	फोन : 08645-281084 मोब. : 09848334391 इ-मेल : gopalakrishnaravela@gmail.com	03/02/2017
23.	पी.ई.ए. अती भूतपूर्व वधाकर इडुक्की जं तोवरार (पी.ओ.), कट्टप्पना इडुक्की जं, केर फन - 685 511	.द	मोब. : 9447072389 इ-मेल : padidcb@gmail.com	03/02/2017
24.	पी.बी.ए. अनराज चक्कती गांव पोटा बुगी, गण्डापेटाकर चाराराज नगर, कर्नाकर फन - 571, 109	.द	मोब. : 09448402366 इ-मेल : bmmunirajuchikkati@gmail.com	03/02/2017
25.	प्रधान.ाचव (बागवानी) उत्तर प्रदेश, अकर बकणडी भवन डू.पी. गांव.ाचवा अखनऊ - 226 001	.द		03/02/2017
26.	प्रधान.ाचव (बागवानी) आध्र प्रदेश, अकर करारा न. 262 ए, डी-बकर पुताता,ाचवा दरानाद - 500 022	.द	इ-मेल : apcprlsecy1@gmail.com	03/02/2017
27.	.ाचव (बागवानी) .ाचव.ाचव कृा भवन, तादाग गान्तोकर - 737 102	.द		03/02/2017

28.	नदेशिक (आई ई) नीत आग गोजना भवन, नई देी	.द ।	फ़ोन : 011-23096717 : 011-26493215 गोब : 9868124796 फ़ैक्स : 011-23096717	03/02/2017
29.	नदेशिक, भारतीय पकेजग.।थान (आई आई पी), ई-2 ए।आई डी.ी.एरा पी.बी. न. 9432 अधेरी (ई ट), ।बई - 400 093	.द ।	फ़ोन : 022-28219803/ 9469/6751 022-28209622, 022-28329623 022-28391506, 022-28328178 फ़ैक्स : 022-28375302 इ-गैल : director-iip@iip-in.com	03/02/2017
30.	नदेशिक कद्री ।ख़ाद्य प्राद्यो गंकी । अन ।थान .।थान (.ी एफ़ टी आर आई) ।हू - 570 020.	.द ।	फ़ोन : 0821-2517760 फ़ैक्स : 0821-2516308 इ-गैल : director@cftri.com director@cftri.res.in	03/02/2017
31.	नदेशिक भारती । ।।।। अन ।थान .।थान (आई आई ए।आर) पी.बी. न. 1701 ेखकृन्न पी.ओ. को।वकोड - 673 012, केर ।	.द ।	फ़ोन : 0495-2730294 फ़ैक्स : 0495-2731187 इ-गैल : director@spices.res.in. sali@spices.res.in.	03/02/2017
32.	रक्त	-	।कृत के प्रतनध.द ।	



Smt. Rita Teatota IAS, Commerce Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India interacting with Spices Board officials at Spices India Signature Stall Lulu Mall, Kochi on 16th March 2017.



Spices Board officials at Board's stall in Aahar, New Delhi held from 7 to 11 March 2017



Inauguration of Quality Evaluation Lab at Kandla, Gujarat on 4th March 2016



Inauguration of Quality Evaluation Lab at Mumbai on 13th May 2016



Inauguration of E-auction Centre at Bodinayakanoor on 30th May 2016



Regional Hindi Workshop for staff – Guwahati (Assam)



Hindi Fortnight Celebrations 2016- Inauguration by Dr Renu Raj IAS, Asst. Collector, Ernakulam



Hindi Poetry Recitation Competition for Higher Secondary School – First Prize [Kum Sreelakhmy Uthaman, Std XI, Bhavan's Newsprint Vidyalaya, Velloor, Kottayam]



Hindi Fortnight Celebrations 2016 Valedictory Function – Inaugural address by Dr. A. Jayathilak IAS, Chairman, Spices Board



Hindi Patriotic Song [Group] competition for Higher Secondary School - First Prize [Bhavan's Newsprint Vidyalaya, Velloor, Kottayam]



QITP on Organic farming to women farmers on 30 November, 2016 in North Sikkim.



Demonstration plot- Doorkhola, Kalimpong -A group of farmers with AD, Kalimpong giving demo for making Bordeaux mixture on 23 December, 2016



Demonstration on mass multiplication of Trichoderma with cow dung on 27 December 2016 in East Sikkim.



Demonstration plot of Shri. Kappu Bhutia, West Sikkim



QITP on seed Spices, Sonwadi, Unjha, Gujarat.



A farmer with seed spice thresher, under MIDH Scheme, Unjha, Gujarat.



Regional seminar on seed spices in Malivas on 17 February, 2017



Demonstration of technologies for spices production at farm level – Cumin plot in Vinzuwada, Gujarat.



Demonstration plot at farm level for chilli under MIDH Scheme in Dararapilli village, Warangal, Telangana.



Demonstration of technologies under MIDH for chilli, Warangal, Telangana.



Quality Improvement Training Programme conducted by the Santhanpara Field Office at Chinnakkanal on 10 November, 2016



Buyers Sellers Meet, under RKVY in Hyderabad on 07 March, 2017



Distribution of GI drum for storing mint oil as critical inputs to farmers in field day on 15 March, 2017



Quality improvement training programme at Dinarta, Bihar on 16th February, 2017



Implemented project on "Mapping, inventory and assesment of menthol mint crop (*Mentha arvensis L.*) using satellite remote sensing and geospatial technologies" in collaboration with ISRO.



Quality Improvement Training Programme conducted by the Kattapana Field Office atThoprakudy



Mr. Prabhat Kumar, Ambassador of India to Colombia in presence of Mr. Roberto Vergara Resrepo, Director de Negocios Internacionales, Corferias Bogota, Chief-guest of the occasion and Dr. A. Jayathilak, IAS, Chairman, Spices Board at Board's stall at Alimentec, Colombia



Spices Board Chairman, Dr. A. Jayathilak IAS, with Indian Ambassador to Colombia, Mr. Prabhat Kumar



Spices Board Chairman, Dr. A. Jayathilak IAS and G. Venugopal, Scientist, Spices Board interacting with organizers of Alimentec 2016 held in Bogota, Colombia from 8 to 11 June, 2016



With Dr. Ajay Deore, Third Secretary, Office of Consulate General of India, Sao Paulo at Board's stall in Food Ingredients South America from 23 to 25 August 2016



Officials of the Indian Embassy, Lima, Peru along with the Board's officials at Board's stall in Expoalimentaria, Peru from 28 to 30 September 2016



Cookery Show at Spices Board's stall at SIAL FOOD, PARIS 16 to 20 October, 2016



Spices Board's Officials with Spices Exporter participants at SIAL FOOD, PARIS 16 to 20 October, 2016



Mr. Sugandh Rajaram, Consul General, Consulate General of India, Germany showing keen interest on spice samples at Board's stall on 15.02.2017.



Mrs. Rita Teotia, Commerce Secretary, inaugurating the third session of CCSCH held during 6-10 February, 2016 at Chennai



Mr. Ashish Bahuguna, Chairperson FSSAI at the prayer session in CCSCH 3



Participants from other countries attending the third session of CCSCH



Dr. A Jayathilak, Chairman, Spices Board addressing the third session of CCSCH held at Chennai during 6-10, February 2017



Delegates from India attending the CCSCH3



Shri. Santosh Kumar Sarangi IAS, Chairman, Tea Board of India visited Spices Board stall on 17 February, 2017 at Germany



Foundation stone laying of Spice Complex at Sikkim on 10.4.2016 by Smt Nirmala Sitharaman, Hon'ble Minister of States for Commerce & Industry, Govt. of India in the presence of Shri. Pawan Chamling, Hon'ble Chief Minister of Sikkim



Dignitaries on the dais during the foundation stone laying ceremony of Spice Complex at Sikkim



Chairman, Secretary & Director (R&D) with officers & nursery labourers of Deptl. Nursery, Bettadamane, Karnataka on 28 December, 2016.



Chairman and Director (Res) with Farm labourers of ICRI, RRS, Sakleshpur



Shri Attul Bora, Minister of Agriculture, Horticulture and Food Processing, Animal Husbandry and Veterinary and Town & Country Planning, Govt. of Assam visiting Spices Board stall in the 4th Assam Int'l Agri Horti Show, 6-9 January, 2017 at Guwahati.



Arm Wrestling competition held at Raipur, Chhattisgarh during 20 - 24 May, 2016



Celebration of International Yoga day in Spices Board 21 June, 2016



Inauguration of Swachh Bharath Mission in Spices Board on 23 September, 2016



Cleaning of office premises in connection with Swachh Bharath Mission



Pledge on National Unity Day observed on 31 October, 2016 at MPEDA Office jointly with Spices Board officials.



Distribution of curry leaf plants to staff members in connection with Conservation Day on 25, November, 2016 (Quami Ekta Week 19-25 November, 2016)



National Unity Day observed on 31.10.2016 by mass run jointly with staff member of MPEDA and Spices Board to commemorate birth anniversary of Sardar Vallabhai Patel.



Inauguration of International Women's Day Celebration by Dr. Adeela Abdulla, IAS, Asst. Collector, Fort Kochi on 8 March, 2017



स्पाइसेस बोर्ड
भारत

SPICES BOARD

ANNUAL REPORT
2016-17

SPICES BOARD
Ministry of Commerce & Industry
Government of India
Sugandha Bhavan
P B No: 2277
Cochin - 682 025

Tel : 0484-2333610-616, 2347965
E-mail : mail@indianspices.com
Website : www.indianspices.com

Compiled and Edited by

1. Shri Ramalingam
Assistant Director
2. Shri. Prathyush T. P.
Assistant Director
3. Dr. G. Usharani
Assistant Director (OL)

Technical Support

1. Smt M. N. Geetha
Personal Assistant
2. Shri N. Anilkumar
Senior Hindi Translator
3. Smt. Bhawna Jeswani
Editor
4. Shri R. Jayachandran
EDP Assistant

Contents

Executive Summary	:	5-6
1. Constitution and Functions	:	7-8
2. Administration	:	9-13
3. Finance and Accounts	:	14-15
4. Export Oriented Production	:	16-21
5. Export Development and Promotion	:	22-27
6. Trade Information Service	:	28-34
7. Publicity and Promotion	:	35-38
8. Codex Cell and Interventions	:	39-41
9. e-Spice Bazaar	:	42
10. Quality Improvement	:	43-48
11. Export Oriented Research	:	49-52
12. Information Technology & Electronic Data Processing	:	53
13. Implementation of Right to Information Act 2005	:	54
Annexure-1- List of Board Members as on 31.3.2017	:	55-60



Executive Summary

During 2016 - 17, Indian spices exports have continued to show an increasing trend in value. During the financial year, a total of 9,47,790 tonnes of spices and spice products valued ₹ 17664.61 crore (US\$ 2633.30 Million) have been exported from the country as against 8,43,255 tonnes valued ₹ 16238.23 crore (US\$ 2482.83 Million) in 2015-16 registering a record increase of 12 per cent in volume, 9 per cent in rupee terms and 6 per cent in dollar terms of value.

As compared to the total export target of spices fixed for the period 2016-17, the total export of spices has exceeded the target in terms of both volume and value. Compared to the target of 8,70,000 tonnes valued ₹15725.12 crore (US\$ 2419.25 million) for the financial year 2016-17, the achievement is 109 per cent in terms of volume and 112 per cent in rupee and 109 per cent dollar terms of value.

During 2016-17, the export of Cardamom (Large), Chilli, Turmeric, Cumin, Celery, Fennel, Garlic and Nutmeg and Mace have shown an increase both in volume and value as compared to previous year. The export of value added products like Curry Powder/Paste and Spice Oils and Oleoresins had also shown increase both in volume and value as compared to 2015-16.

The implementation of XII plan scheme of the Board viz., "Export Oriented Production, Export Development and Promotion of Spices" with sub components, export oriented production and post-harvest improvement of spices, export development and promotion, export oriented research, quality improvement and human resource development and works was continued during the year. Against the total financial outlay of ₹ 69.09 crore for implementing the above scheme during 2016-17, the achievement was ₹ 70.17 crore.

Under the export oriented production, payment of second instalment for the replanted area of 667.75 hectares of small cardamom and 666.65 hectares replanting/new planting of large cardamom done during 2015-16 was arranged during 2016-17.

Programmes such as providing assistance for irrigation and land development, rainwater harvesting devices, improved curing devices, etc., were implemented for cardamom. In the North Eastern region, assistance was given for cultivation of cardamom (large), ginger and Lakadong turmeric.

Under export development and promotion of spices, programmes for adoption of hi-tech and upgradation of existing facilities in spice processing, setting up/upgradation of in-house quality control lab, sending business samples abroad, setting up common infrastructure facilities for cleaning, grading, processing, packing, warehousing, etc., participation in international fairs/exhibitions and meetings were implemented during 2016 - 17.

The Spices Board has established crop specific Spices Parks in major production/market centers to empower the stakeholders of the spice industry, especially the farming community, by providing the common infrastructure and processing facilities. The Board has completed the establishment of Spices Park at Chhindwara and Guna in Madhya Pradesh; Puttady in Kerala; Jodhpur in Rajasthan; Guntur in Andhra Pradesh and Sivaganga in Tamil Nadu. Spices Parks at Kota in Rajasthan and Rae Bareli in Uttar Pradesh are completed.

The Quality Evaluation Laboratories of the Board at Cochin, Mumbai, Delhi, Chennai, Guntur, Tuticorin and Kandla have continued the analytical services and the

mandatory testing and certification of export consignments of selected spices during the year. Establishment of Quality Evaluation Lab at Kolkata is in progress. All the Regional Quality Evaluation Laboratories of the Board are established under the ASIDE scheme. During 2016-17, the Quality Evaluation Laboratories analysed 1,06,811 samples for various parameters including pesticide residues, aflatoxins, illegal dyes, extraneous matters, salmonella etc., in chilli & chilli products, curry powder, masalas, pickles, turmeric powder and cumin.

Under ASIDE scheme, the Board has established a new Quality Evaluation Laboratory at Mumbai and established the centres of excellence in microbiological analysis at all the laboratories of the Board.

The Indian Cardamom Research Institute of the Board is undertaking research programmes on varietal improvement, biotechnological interventions, integrated nutrient, pest and disease management and scientific post-harvest technologies and transfer of technology with respect to cardamoms (small and large). Extension activities undertaken are advisory services on Integrated Pest Management, soil test based fertilizer recommendations, spice clinics, training on spices production technology and bio-agents production and supply.

The third session of Codex Committee on Spices and Culinary Herbs (CCSCH) was held during 6-10 February 2017 at Chennai. The Secretary, Ministry of Commerce & Industry, inaugurated the session.

The Official Language section functioning in HO extended assistance to implement

Official Language policy of the Government effectively during the year 2016 - 17. It is the nodal point to monitor implementation of OL policy in the offices of the Board. With concurrence and approval of the Official Language Implementation Committee of the Board, the Official Language section formulates and carries out various promotional programmes in line with the Annual Programme as well as other instructions and orders issued by the Dept. of Official Language, M/o Home Affairs, with regard to use of Hindi as official language from time to time.

The Board has effectively implemented the RTI Act, 2005 and complied with all the directions of the Government in this regard. As per the RTI Act 2005, the Board has designated Deputy Director (Vigilance & Audit) as the Co-ordinating Central Public Information Officer (CCPIO) for coordinating the dissemination of information and seven Central Public Information Officers (CPIOs) in various departments of the Board. The Board has also designated 21 Central Assistant Public Information Officers (CAPIOs) in the field units under Section 5(2) of the Right to Information Act, 2005. The Secretary, Spices Board is nominated as the Nodal Officer for ensuring compliance with the proactive disclosure guidelines of the RTI Act, 2005 and Appellate Authority (AA) of the Board. During 2016 - 17, a total of 98 applications were received both physically and through the online portal of the Government under the RTI Act. The information with respect to all the cases was disseminated within the stipulated time.

1. CONSTITUTION AND FUNCTIONS

1. Constitution of Spices Board

The Spices Board Act 1986, (No.10 of 1986) enacted by Parliament provides for the constitution of a Board for the development of export of spices and for the control of cardamom industry including control of cultivation of cardamom and matters connected therewith. The Central Government by notification in the official gazette constituted the Spices Board, which came into being on 26.2.1987.

The Spices Board consists of:

- (a) Chairman;
- (b) Three members of Parliament of whom two shall be from among elected by the House of the People and one from among those elected by the Council of States;
- (c) Three members to represent the Ministries of the Central Government dealing with:
 - (i) Commerce;
 - (ii) Agriculture; and
 - (iii) Finance;
- (d) Seven members to represent the growers of spices;
- (e) Ten members to represent the exporters of spices;
- (f) Three members to represent major spice producing states;
- (g) Four members one each to represent:
 - (i) The Planning Commission (Now NITI Aayog)
 - (ii) The Indian Institute of Packaging, Mumbai
 - (iii) The Central Food Technological Research Institute, Mysuru;
 - (iv) Indian Institute of Spices Research, Kozhikode;
- (h) One member to represent spices labour interests

Functions of the Board

The Spices Board Act, 1986, has assigned the following functions to the Spices Board.

The Board may:

- (i) Develop, promote and regulate export of spices;
- (ii) Grant certificate for export of spices;
- (iii) Undertake programmes and projects for promotion of export of spices;
- (iv) Assist and encourage studies and research, for improvement of processing, quality techniques of grading and packaging of spices;
- (v) Strive towards stabilization of prices of spices for export;
- (vi) Evolve suitable quality standards and introduce certification of quality through 'Quality marking' of spices for export;
- (vii) Control quality of spices for export;
- (viii) Give licences, subject to such terms and conditions as may be prescribed, to the manufacturers of spices for export;
- (ix) Market any spice, if it considers necessary in the interest of promotion of export;
- (x) Provide warehousing facilities abroad for spices;
- (xi) Collect statistics with regard to spices for compilation and publication;
- (xii) Import with prior approval of the Central Government any spice for sale; and
- (xiii) Advise the Central Government on matters relating to import and export of spices

The Board may also –

- (i) Promote co-operative effort among growers of cardamom;
- (ii) Ensure remunerative returns to growers of cardamom;
- (iii) Provide financial or other assistance for improved methods of cultivation and processing of cardamom, for replanting cardamom and for extension of cardamom growing areas;
- (iv) Regulate the sale of cardamom and stabilization of the prices of cardamom;
- (v) Provide training in cardamom testing and fixing grade standards of cardamom;
- (vi) Increase the consumption of cardamom and carry on propaganda for that purpose;
- (vii) Register and license brokers (including auctioneers) of cardamom and persons engaged in the business of cardamom,
- (viii) Improve the marketing of cardamom;
- (ix) Collect statistics from growers, dealers and such other persons as may be prescribed on any matter relating to the cardamom industry, publish statistics so collected or portions thereof, extracts there from;
- (x) Secure better working conditions and the provision and improvement of amenities and incentives for workers; and
- (xi) Undertake, assist or encourage scientific, technological and economic research.

The Board has three statutory committees as under:

- (i) Executive Committee
- (ii) Research & Development Committee for Cardamom
- (iii) Market Development Committee for Spices

Spices under the purview of the Board

The following 52 spices are listed in the Schedule of Spices Board Act:

1	Cardamom	19	Kokkam	37	Juniper berry
2	Pepper	20	Mint	38	Bayleaf
3	Chilli	21	Mustard	39	Lovage
4	Ginger	22	Parsley	40	Marjoram
5	Turmeric	23	Pomegranateseed	41	Nutmeg
6	Coriander	24	Saffron	42	Mace
7	Cumin	25	Vanilla	43	Basil
8	Fennel	26	Tejpat	44	Poppy seed
9	Fenugreek	27	Pepper long	45	All-Spice
10	Celery	28	Star anise	46	Rosemary
11	Aniseed	29	Sweet flag	47	Sage
12	Bishops weed	30	Greater Galanga	48	Savory
13	Caraway	31	Horse-radish	49	Thyme
14	Dill	32	Caper	50	Oregano
15	Cinnamon	33	Clove	51	Tarragon
16	Cassia	34	Asafoetida	52	Tamarind
17	Garlic	35	Cambodge		
18	Curry leaf	36	Hyssop		

[In any form including curry powders, spice oils, oleoresins and other mixtures where spice content is predominant]

2. ADMINISTRATION

A. Administration

Dr. A. Jayathilak IAS, continued as Chairman during the period under report. Shri S Kannan, continued as Director (Marketing & Establishment) upto 24.10.2016 and also functioned as Secretary upto 05.06.2016. Shri S. Siddaramappa continued in the post of Director (Development) upto 29.06.2016 and functioned as Secretary w.e.f. 06.06.2016 and also held the additional charge of Director (Finance) from 30.08.2016. Shri P. M. Sureshkumar, Secretary functioned as Director (Marketing) w.e.f. 25.10.2016. Dr. Y. S. Rao, Scientist - D held the charge of Director (Research) upto 15.06.2016 and Dr. A. B. Remashree joined the post of Director (Research) on 16.06.2016 and also held the additional charge of Director (Development) w.e.f. 25.10.2016. Shri. K. C. Babu CA continued in the post of Director (Finance) upto 31.05.2016, the date of his superannuation.

As on 31st March 2017, the staff strength of Spices Board was 449 consisting of 93 Group A, 147 Group B, and 209 Group C officers including six Departmental Canteen Employees.

Reservation for SC/ST/OBC in appointments and promotions

The Board is properly implementing the post-based reservation roster for SC/ST/OBC. The instructions issued by the Government from time to time in this regard are also being strictly adhered to. As on 31st March 2017, there were 245 employees belonging to SC/ST and OBC categories. During the year 2016-17, Board has granted promotion to four SC and one ST officials. Board had also appointed four officials belonging to SC, five belonging to ST and three belonging to OBC during the year under report.

Welfare of Women

As on 31st March 2017, the total strength of women employees in the Board in Group A, B and C categories were 131. The grievances of women employees are timely and properly attended to. A woman officer of the Board has been appointed as 'Women Welfare Officer' to sort out the difficulties/problems, if any, or to bring them to the notice of the higher authorities along with suggestions for possible solutions.

SC/ST/OBC Welfare

The Board had constituted SC/ST & OBC Committees for looking after the welfare of the employees and to sort out their problems. The Board had nominated a Liaison Officer for reservation matters relating to SC/ST/OBC.

Welfare of Persons with Disabilities

The Board had nominated a Liaison Officer for reservation matters relating to Persons with Disabilities. During the period under report, Board has appointed seven candidates under persons with disabilities category i.e. one post of Field Officer under Group B (OH), one post of Senior Microbiologist under Group C (OH), three posts of Senior Clerks under Group C (HH-1), (VH-1) and (OH-1) and two Junior Clerks under Group C (HH -1 & OBC-VH-1). The Board is maintaining reservation roster for persons with disabilities.

Internal Audit

Institute of Public Auditors of India (IPAI) continued as Internal Auditors of the Board during the period under report.

Meetings of the Board

During the period under report, three Board meetings were convened as given below:

- (i) 24.06.2016 at New Delhi
- (ii) 21.09.2016 at Visakhapatnam
- (iii) 28.12.2016 at Sakleshpur

(The list of members of Spices Board during the year is at Annex-I)

Offices of the Board

The Head Office of the Board is located at Kochi in Kerala. The following offices of the Board functioned during 2016 - 17:

(i) Marketing

Spices Board has its Marketing offices at Mumbai, Chennai, Tuticorin, Bodinayakanur, Guntur, New Delhi, Ahmedabad, Bengaluru, Kolkata, Gangtok, Guwahati, Singtam, Unjha.

Spice Parks: The Board has established Spice Parks in Chhindwara, Puttady, Sivaganga, Guntur, Jodhpur and Guna. Spice Parks in Ramganjmandi (Kota) and Rai Bareli are completed.

(ii) Development

Regional Offices of the Board are functioning at Bodinayakanur, Erode, Sakleshpur, Haveri, Guntur, Warangal, Guna, Unjha, Barabanki, Mumbai, Srinagar, Gangtok, Guwahati and Jodhpur.

Divisional Offices are functioning at Nedumkandam, Puttady, Rajakumari, Chikmagalur, Madikeri, Shimoga, Agartala, Aizawl, Itanagar, Tinsukia, Jorethang, Kalimpong, Mangan and Tadong.

Fifty six Field Offices are functioning in the spice growing states including North Eastern Region. Five departmental nurseries are functioning in the state of Karnataka.

(iii) Research

The Indian Cardamom Research Institute (ICRI) at Myladumpara (Kerala) and the Regional Research Stations in Sakleshpur

(Karnataka), Thadiyankudisai (Tamil Nadu) and Tadong (Sikkim) continued its functioning.

Plantation Labour Welfare

Due to lack of sufficient funds, the Board could not continue the Plantation Welfare Scheme during the financial year 2016-17.

B. Implementation of Official Language policy

The major activities and achievements by the Official Language Section under the above head were the following:

(i) Translation

Major translation work attended were:

- Letters received in Hindi and replies thereof
- Visiting cards, rubber stamps for the officials and mementos for the officials retiring from the service of the Board
- Materials [banner, backdrop, invitation card, programme sheets, etc.] for various official functions arranged by Board.
- Documents coming under section 3(3) of OL Act, like General Orders [Circulars], Tender Documents, Advertisements, Press Releases, Notifications etc.
- Material for Hindi magazine *Spice India*
- Development schemes of the Board
- Annual Report & Audit Report 2015-16 of the Board
- Background notes, filled in questionnaire and other materials for various committees of Parliament visited/ inspected the Board
- Material for the proposed book on large cardamom "*Revised Large cardamom Guide*"

(ii) Implementation of OL policy

(a) Arranging OLIC meetings

Four meetings, one in each quarter were conducted on 28.04.2016 (April-June 2016), 11.07.2016 (July-September 2016), 24.10.2016 (October-December 2016) & 14.01.2017 (January-March 2017). Chairman presided over these meetings.

The meeting held on 14.01.2017 was a special one convened in connection with the visit of Dr. Bipin Behari IFS, Joint Secretary, Dept of OL, MoHA, Govt of India. The Asst. Director (Impl.), RIO, Dept of OL, MoHA, Govt of India, Kochi also attended the meeting.

(b) Hindi workshops

Two Hindi workshops were arranged in HO for the staff members, on 24 June, 2016 and 20-21 December, 2016 respectively and 40 staff members were imparted Hindi training.

A one-day Regional Hindi workshop was organized at Guwahati on 23rd September 2016, for the staff members of the Board working in North Eastern states. Director (Development) inaugurated the workshop and Shri Mohan Koirala, Hindi Officer, Brahmaputra Board, Guwahati conducted the workshop. A total of 23 staff members participated in the workshop.

(c) In-service Hindi training

Nominated two staff members from HO for in-service Hindi word processing and typing training in computer under the Hindi Teaching Scheme, Kakkanad, Kochi. Both have successfully completed the training programme.

(d) Purchase of Hindi books, Dictionaries/ subscription for Hindi Newspaper/ Magazines

Necessary arrangements were made with M/s. Vani Prakashan, M/s. Rajakamal

Prakashan, M/s Lokbharati Prakashan and M/s Kitabghar Prakashan to purchase simple and useful Hindi books of short stories, poems, plays, novels etc. for the Library in HO which accounts 50 per cent of the expenditure for purchase of books for the library. The subscription for Hindi Newspaper *Daily Hindi Milap* and Hindi magazines namely *Sarita* and *Vanita* was continued.

(e) OL Seminars/Conferences/Training programmes

One official was nominated from the Divisional Office, Kalimpong to attend the OL Camp and Conference held in Darjeeling in October 2016.

One official was nominated from Head Office for a Five Day Basic Hindi Training in computer organized by the Hindi Teaching Scheme, Kakkanad, Kochi during February, 2017.

(f) Hindi Day/Fortnight Celebrations 2016

Board observed 'Hindi Day' on 15th September, 2016. Dr. Renu Raj IAS, Assistant Collector, Ernakulam inaugurated the Hindi Fortnight Celebrations in HO on 19th September, 2016. Various Hindi competitions for staff members were conducted necessary assistance to outstation offices to arrange various programmes in connection with Hindi Fortnight Celebrations 2016 was extended.

Board arranged Valedictory function of the HFC 2016 in HO on 17th January, 2017. The Chairman, Spices Board presided over the function. Trophies/cash awards/certificates for the prize winners of the special programmes (All Kerala Hindi poetry recitation and Hindi patriotic song competitions) conducted for school children, winners of various Hindi competitions conducted for the staff members of the Board HO in connection with HFC 2016, commendable work done by the staff in Hindi, Rajbhasha Pratibha Puraskar, Rajbhasha Rolling/Runner up trophy for sections, Trophy for notable work done by staff in Hindi certificates for the staff members

for successfully completing in-service Hindi training, cash awards/certificates for the children of staff members for securing A+ in Hindi in school final examination during the year 2016, etc., were given away by the Chairman during the function.

(g) Hindi Fortnight Celebrations 2016 - Special Programmes

Board conducted All Kerala Hindi Poetry Recitation competition on 4th October, 2016 and All Kerala Hindi Patriotic Song competition on 5th October, 2016 in Spices Board HO for the High School/Higher Secondary School students from the CBSE/State Board/ICSE, as special programmes in connection with the Hindi Fortnight Celebrations 2016.

(h) Participation in the programmes arranged by Kochi TOLIC

Board arranged share contribution to Kochi TOLIC to meet the expenditure in connection with the Joint OL Celebrations 2016.

Board made necessary arrangements to make the officials from HO to participate in the Hindi competitions conducted by Kochi TOLIC in connection with Joint OL Celebrations 2016.

Director (Marketing) attended the TOLIC meeting held on 18th January, 2017.

Assistant Director (OL) attended the meeting of Hindi staff arranged by the Kochi TOLIC on 8th March 2017.

(i) Visit & Inspection by the RIO (SW), Kochi

The Assistant Director (Impl.), Regional Implementation Office (South-West), MoHA, Govt of India, Kochi visited Board's Head Office on 23rd March, 2017 and inspected the activities of the Board with respect to implementation of OL policy. Necessary steps have been taken to ward off the shortcomings found out during inspection and a detailed report has been forwarded to RIO, Kochi for their information and necessary action.

(j) Nomination of staff for in-service Hindi word processing/typing training

Board nominated two staff members for the in-service Hindi word processing and typing training in computer during 2016-17 session under the Hindi Teaching Scheme, Kochi.

(k) Other Programmes

Board co-ordinated the Linguistic Harmony Day Celebrations on 21st November, in HO as part of Qaumi Ekta Week 2016; Arranged a speech on the Role of language in National Integration.

(l) Achievements/Awards

Rajbhasha Trophy from the Dept of Commerce:

Spices Board bagged the Rajbhasha trophy (Third Prize) instituted by the Dept. of Commerce, Govt. of India for the commendable work done by the subordinate offices in implementing OL policy for the year 2015-16. Chairman received the trophy from the Secretary, Dept of Commerce.

C. Library and Documentation Service

The Board's Library has a good collection of books and periodicals with computerized bibliographic data base. The process of strengthening the library and Information Centre has been continues by new additions of books and periodicals. During 2016-17, library has been modified as a modernized hybrid library and shifted to the 2nd floor of with a reading room and books area. A total of 637 new books have been added and HO the subscription of about 140 periodicals has been continued. Board has arranged a good collection of Children's Literature like Wimpy Kid Series, Goosebumps etc., and a good scholarly collection of Graphical Guides and A Very Short Introduction series. Library continued the regular services like circulation of the library documents and periodicals, document delivery services,



current awareness services, reprographic services, CD-ROM search and newspaper clipping service on spices and condiments. In addition, Board has arranged about 10 computer systems for providing internet facilities, E-paper reading and for accessing open access journals. Reference facilities including guidelines were provided to

research scholars from various universities. Board extended its services to school students and Board's retired staff. The library has been upgraded by installing Koha Library Management Software with bar code scanner facility and Online Public Access Catalogue (OPAC) facility for easy access of library documents.

3. FINANCE AND ACCOUNTS

The schemes, projects and programmes of the Board under Plan are financed through grants and subsidies from the Government of India. Non-plan expenditure on Administration is met through budgetary support by Government and Internal & Extra Budgetary Resources (IEBR) generated from various activities of the Board.

The budget approved for the Board during 2016-17 was ₹ 6909.00 lakhs under Plan and ₹ 1126.00 lakhs under Non-plan. An amount of ₹ 2600.00 lakhs against grants, ₹ 2900.00 lakhs against subsidies, ₹ 900.00 lakhs towards provision for North Eastern Region, ₹ 509.00 lakhs towards provision for SC sub-

plan under Plan and ₹ 1126.00 lakhs under Non-plan have been received by the Board from the Government of India during 2016-17. The Board generated IEBR of ₹ 874.80 lakhs from analytical charges for quality testing services rendered by the Quality Evaluation Laboratories, sale of seedlings from nurseries, farm products of research farms, subscription and advertisement charges, exporters' registration fee, refund of advances to employees, interest on advance, interest on short term deposit, etc., in 2016-17. The total expenditure of the Board under Plan and Non-plan during 2016-17 was ₹ 8847.34 lakhs, the break-up of which is given below:

Head of Account	Budget Grants (₹ Lakhs)	Expenditure (₹ Lakhs)
Non-plan	1126.00	1830.61
Plan		
Export Oriented Production	2665.00	2676.43
Export Development & Promotion	2485.00	2507.53
Export Oriented Research	715.00	734.65
Quality Improvement	920.00	928.47
HRD & Works	124.00	169.65
Total (Plan)	6909.00	7016.73
Total (Non-Plan & Plan)	8035.00	8847.34

The Board has also been implementing certain ongoing projects and programmes with grants received from other Government Departments and National Agencies such

as, ICAR, ASIDE, MIDH and others. The details of such projects, grants received and expenditure incurred during 2016-17 are given below:

Programmes	Grants (₹ Lakhs)	Expenditure (₹ Lakhs)
MIDH	150.00	97.07
ASIDE	834.47	1561.31
RKVY - Andhra Pradesh	0.00	27.96

ICAR - AICRPS	8.15	9.94
E Spice project	0.00	183.73
Areawide IPM black pepper	0.00	4.20
Centre of Excellence in Micro Biology	535.00	674.79
Ginger Project Bastar	10.00	9.12
WTO – STDF	4.15	0.00
Quality Standard in Medicinal Plants	6.39	4.62
MEA Myanmar Large Cardamom	9.80	5.70
Total	1557.96	2578.44

4. EXPORT ORIENTED PRODUCTION

The Spices Board is responsible for the overall development of cardamom (small & large) in terms of improving production, productivity and quality. The Board is also implementing post-harvest improvement programmes for production of quality spices for export. The various development programmes and post-harvest quality improvement programmes of the Board are included under the Head 'Export Oriented Production'.

The development programmes are implemented through the extension network of 14 Regional Offices, 15 Divisional Offices and 56 Field Offices. The Board is maintaining five Departmental Nursery cum Farms in the major cardamom growing areas in Karnataka to cater to the requirements of quality planting materials of cardamom growers.

Spices Board has established the following 10 Spice Development Agencies (SDA) to promote development and marketing of spices.

- (i) Guwahati SDA
- (ii) Gangtok SDA
- (iii) Uttar Pradesh SDA
- (iv) Guna SDA
- (v) Unjha SDA
- (vi) Jodhpur SDA
- (vii) Mumbai SDA
- (viii) Guntur SDA
- (ix) Haveri SDA
- (x) Erode SDA

The Chief Secretary of the concerned state is the Chairperson of SDA with 17 members representing spice growers, exporters, traders, State Horticulture/Agriculture Dept, State Agriculture University, Jt DGFT, Ministry of Agriculture, Ministry of Commerce, etc. The Regional Officers of the Board will be the Member Secretary of the SDA. The SDAs have conducted meetings

and actions are being taken as per the decisions in SDA.

Board will establish SDA at Warangal in Telangana state shortly.

Spices Board has established Saffron Production & Export Development Agency (SPEDA) at Srinagar for promoting development, marketing, quality, export and domestic consumption of saffron in Jammu & Kashmir. The SPEDA will be Co-chaired by the Secretary, Dept Commerce, Ministry of Commerce & Industry and Chief Secretary, Govt of Jammu & Kashmir.

Export Oriented Production of Spices

The various programmes implemented under the scheme 'export oriented production of spices' during the year 2016 - 17 are detailed below:

A. Cardamom (Small)

Small cardamom is grown mainly in the Western Ghats of Kerala, Karnataka, and Tamil Nadu. Majority of the cardamom holdings are small and marginal. The total area under small cardamom during 2016-17 was 52,820 hectares with an estimated production of 19,625 metric tonnes. The programmes implemented for the development of small cardamom are given below:

(i) Replanting

The objective of this programme is to address the issue of old, senile and uneconomic plantations of small cardamom in the states of Kerala, Tamil Nadu and Karnataka. This programme is intended to encourage small and marginal growers to take up replantation of the old, senile and uneconomic plantations by providing them financial assistance. The growers are

offered a subsidy of ₹ 70,000 per ha. in Kerala & Tamil Nadu and ₹ 50,000 per ha in Karnataka payable in two equal annual installments towards 33.33 per cent of the cost of replanting and maintenance during gestation period. Registered small and marginal cardamom growers owning up to 8 ha are eligible for the benefit under the scheme.

During 2016-17, residual payments for replanting done during 2015-16 covering an area of 925.03 ha amounting to Rs.298.03 lakhs has been arranged benefitting 2,170 growers (Female: 630; SC: 39; ST:3).

(ii) Production and distribution of quality planting materials

Production and distribution of disease free, healthy and quality planting materials were taken up by Departmental Nursery cum farms as well as certified nurseries opened in growers' fields.

The seedlings produced in the five departmental nursery cum farms were distributed to growers on 'no-loss-no-profit' basis. During 2016-17, a total of 3,55,750 numbers of cardamom planting materials, 3,39,000 number of pepper cuttings and 24,725 number of pepper nucleus planting materials were produced and distributed to 1,011 beneficiaries (Female: 85; SC: 65; ST: 12) from five departmental nurseries in Karnataka.

A total of seven lakhs cardamom planting materials produced in certified nurseries of growers, field were distributed.

A total of ₹ 16.68 lakhs was paid as subsidy to 122 growers (Female: 5; SC: 5).

B. Development programmes for North East

(i) Cardamom (Large)

Large cardamom is mainly grown in the sub-Himalayan tracts of Sikkim, Arunachal Pradesh, Nagaland and Darjeeling District

of West Bengal. The total area under large cardamom in Sikkim and Darjeeling District of West Bengal during 2016-17 was 26,787 ha with an estimated production of 5,623 tonnes. The total large cardamom area under Arunachal Pradesh and Nagaland as per the estimate received from the respective State Government for the year 2015-16 was 12,268 ha with the production of 3,700 tonnes. Non availability of quality planting materials, presence of senile, old and uneconomic plants and incidence of blight diseases are the major factors affecting large cardamom production. Keeping this in view, the Board is implementing the following programmes for production of large cardamom:

a) Large cardamom – Replanting

During 2016-17, residual payments for replanting done during 2015-16 covering an area of 954.49 ha amounting to ₹ 133.62 lakhs has been arranged benefitting 3,268 growers (Female: 501; SC:33; ST: 1706).

b) Large cardamom planting material production

During 2016-17, the payments for large cardamom planting material produced during 2015-16 amounting to ₹45.06 lakhs has been arranged benefitting 597 growers (Female: 191; SC: 21; ST: 146).

c) Large Cardamom – New planting

Large cardamom is traditionally cultivated in Sikkim, and Darjeeling District of West Bengal. The agro-climatic conditions prevailing in other North Eastern states, particularly in Arunachal Pradesh and Nagaland, are suitable for cultivation of large cardamom. There is scope for expanding area under large cardamom in Arunachal Pradesh and Nagaland.

This scheme envisages area expansion of large cardamom in Arunachal Pradesh and Nagaland by providing ₹ 28,000 per ha as subsidy towards 33.33 per cent cost of planting and maintenance during gestation



SPICES BOA



During 2016-17, one unit was set up at a total subsidy of ₹ 0.15 lakhs benefitting one grower. (Female: 1)

(v) Nutmeg drier

Traditionally, nutmeg and mace are dried by sun drying method. As harvesting season of nutmeg coincides with monsoon season, it becomes very difficult to dry the nutmeg and mace by sun drying. Due to improper drying, there are chances for development of fungal infection leading to aflatoxin. Presence of aflatoxin in nutmeg is a major challenge in its export. In order to address the quality issue of nutmeg, drying should be done uniformly and hygienically. A few innovative farmers have introduced some nutmeg driers using alternate fuels viz. firewood, electricity, etc. which help to produce hygienic and good quality nutmeg. There is considerable reduction in drying time. These driers are eco-friendly, labour saving and easy to operate. The objective of the scheme is to popularize the mechanical driers among the growers to produce quality nutmeg and mace. The Board has been providing 50 per cent of cost of the drier subject to a maximum of ₹ 30,000 as subsidy.

During 2016-17, a total of seven nutmeg driers were set up at a total subsidy of ₹ 1.72 lakhs benefitting 7 growers. (Female: 1)

(vi) Saffron Development Programme:

Under the scheme for setting up of mini processing units for Saffron, 75 per cent of the cost of machinery and equipment (vacuum tray drier, vacuum packing machine, inkjet printer with conveyer, hydraulic blister cutting punch machine, sealing machine, blister cutting die) subject to the maximum of ₹ 15 lakhs is offered as subsidy to the farmers groups.

During 2016-17, M/s. Unique Saffron Growers Welfare and Development Cooperative Marketing Limited at Wayun, Pampore, Jammu & Kashmir had submitted

application under this scheme for the installation of vacuum dryer, vacuum packing machine (double chamber), hydraulic blister cutting punch machine, aluminium blister sealing die assorted, inkjet barcode printer with conveyer, separating table, etc. After conducting preliminary inspection, the Board has issued the permit order and the installation is in progress.

D. Promotion of organic farming

Internationally, the niche market for organic spices is growing at a fast rate. Early entry into this segment will improve the exportability and demand for Indian spices. In addition, availability of organically grown spices will help the country to face the competition from other countries. The major bottlenecks in promoting organic farming are non-availability of organic farm inputs and high cost of organic certification of farms and processing units.

In order to promote organic production of spices, support for setting up vermi-compost units, promoting organic cultivation of spices were implemented in 2016-17.

During 2016-17, a total of 33 vermicompost units were set up benefitting 33 growers at a total subsidy of ₹ 0.99 lakh.

(i) Organic cultivation of Spices

Since the market for organic products is gradually registering an upward trend, there is large scope for promoting organic cultivation of spices in suitable locations. The Board is assisting growers for taking up organic cultivation of spices by providing a subsidy towards 12.50 per cent cost of production subject to a maximum of ₹ 12500 per ha.

During 2016-17, residual payments have been arranged for organic cultivation of seed spices taken up during 2015-16 in Gujarat covering an area of 525.25 ha with the financial assistance of ₹ 65.65 lakh benefitting 306 growers.

(ii) Support for Vermicompost Units

There is need to produce organic inputs in the farm itself to maintain soil fertility in organic production. In order to enable the growers to produce organic farm inputs, particularly vermicompost, ₹ 3000 is offered as subsidy to growers to set up a unit having a capacity of one ton output of vermicompost.

During 2016-17, a total of 33 vermicompost units were established benefitting 33 growers at a total subsidy of ₹ 0.99 lakh.

E. Training programme for quality improvement of spices (QITP)

The Board is regularly conducting quality improvement training programmes for farmers, officials of State Agri./Horti. Departments, traders, members of NGOs, etc., for educating them on scientific methods of pre/post harvest and storage technologies and updated quality requirements for major spices.

A total of 10,841 personnel trained in 190 centres during 2016-17 at a total expenditure of ₹ 13.13 lakhs. The expenditure was met under HRD head. The details of training programme conducted on category wise are given below:

- (i) 133 grower training programmes - 7,359
(Female: 1,895; SC: 2,220; ST: 551)
- (ii) 17 master training programmes - 915
(Female: 179; SC: 282; ST: 29)
- (iii) 16 Regional Seminars - 1519
(Female: 304; SC: 572; ST: 170)
- (iv) 18 Market Linkage Programmes - 858
(Female: 110; SC: 250; ST: 45)
- (v) Six trader training programmes - 190
(Female: 7; SC: 3; ST: 4)

F. Extension Advisory Service

Training on transfer of technical know-how to growers on production and post harvest improvement of spices is an important factor

in increasing productivity and improving quality of spices. This programme envisages technical/extension support to growers on the scientific aspects of cultivation and post harvest management through personal contact, field visits, group meetings and through distribution of literature in vernacular languages for cardamom (small) in the states of Kerala, Tamil Nadu and Karnataka and development of large cardamom in the states of Sikkim and West Bengal and selected spices in the North Eastern region.

Besides extension advisory service, the production and post-harvest programmes of the Board under the scheme 'Export Oriented Production' are implemented through the extension network.

The pay and allowance of the staff in the Development Department, their TA/DA, expenditure on vehicle, office establishment, and other contingencies were met under this programme.

During 2016-17, a total of 19,689 extension visits were conducted and 1,861 group meetings/campaigns were organized for cardamom (small and large) in the states of Kerala, Tamil Nadu, Karnataka, Sikkim, and Darjeeling district of West Bengal, North Eastern states and other spices growing areas.

The total expenditure made under extension advisory service was ₹ 1,943 lakhs during 2016-17.

G. Externally Funded Projects

(i) Project on post harvest of spices under Mission for Integrated Development of Horticulture [MIDH], Ministry of Agriculture

This is a comprehensive project of the Board for post harvest of spices implemented in the major spices growing states with financial assistance from Mission for Integrated Development of Horticulture [MIDH], Ministry of Agriculture, Govt of India. The achievements of the project are listed below:

(a) About 35 demonstrations for Large Cardamom, Small Cardamom, Ginger, Turmeric, Chilli, Bird Eye Chilli, Garlic, Coriander, Cumin, Pepper, Mint, Curry Leaf were conducted benefitting 3,500 farmers. (Female: 370 SC: 18, ST: 612)

(b) Horticulture Mechanization

- A total of 111 Pepper Threshers were supplied (Female: 1; SC:1: ST:1)
- A total of 35 Seed Spices Threshers were supplied (SC:1)
- A total of 43 Driers for drying cardamom (small and large), clove and pepper were supplied (Female:2)
- A total of 71 Nutmeg driers were supplied (Female: 4)
- A total of 68 Turmeric polishing machines were supplied

During 2016-17, MIDH released an amount of ₹ 150 lakhs for implementing the programme in two installments. A total of ₹ 134.96 lakhs was spent benefitting 3,828 farmers and the balance fund of ₹ 15.04 lakhs under the MIDH project will be carried forward for 2017-18.

(ii) RKVY Project of Govt. of Andhra Pradesh

Achievements during 2016-17 under RKVY Andhra Pradesh are listed below:

- a) Eight numbers of Plant Protection Equipment of ₹ 0.66 lakhs were supplied
- b) A total of 13 numbers of Turmeric Boilers at an expenditure of ₹ 18 lakhs were installed.
- c) One Turmeric polisher ₹ 1 lakh was installed.

d) Training programmes for IPM in chilli at 20 mandals covering 40 villages in Guntur District for farmers at a total expenditure of ₹ 2.76 lakhs were conducted.

A total expenditure of ₹ 22.42 lakhs was incurred under RKVY project during 2016-17.

(iii) RKVY Project of Govt. of Telangana

The Govt. of Telangana has approved the integrated project on spices development submitted by Spices Board under RKVY for implementing projects on chilli and turmeric under RKVY Telangana. The achievements of the project are listed below:

- One Buyer Seller Meet with 100 participants was conducted with a total expenditure of ₹ 2.40 lakhs.
- One farmer training programme was conducted with an expenditure of ₹ 0.30 lakhs which had 60 participants.
- A total of 300 numbers of HDPE sheets were supplied to 300 beneficiaries, the total cost of which was ₹ 2.84 lakhs.

A total of ₹ 5.54 lakhs was incurred under RKVY Telangana project during 2016-17.

(iv) Production of Organic Ginger in Bastar, Chhattisgarh

During 2016-17, a project on Production of Organic Ginger in Bastar District of Chhattisgarh had been approved at a total project cost of ₹ 30.78 lakhs by District Administration, Bastar, Government of Chhattisgarh, to cover an area of 8.5 ha under Organic production of ginger. During 2016-17, 28 beneficiary (Female: 18; SC: 2; ST: 7) farmers had been distributed with 12,820 kg of ginger rhizome planting material costing ₹ 9.12 lakhs.

5. EXPORT DEVELOPMENT AND PROMOTION

The various programmes being implemented under the scheme 'Export Development and Promotion' intend to support exporters to adopt high technology in spice processing or to upgrade existing level of technologies for high-end value addition and to develop capabilities to meet the changing food safety standards in the importing countries. While encouraging the scientific facility/process upgradation, the Board focuses on quality and food safety in the whole supply chain of spice trade. The major thrust areas are infrastructure development, research on new applications of spices and new product development, promotion of Indian spice brands abroad, setting up of infrastructure for common cleaning, grading, processing, packing, storing facilities (Spices Parks) in major spice growing/marketing centres, promotion of organic spices/GI spices, etc. Special programmes are also undertaken for entrepreneurs from North Eastern Region.

A. Infrastructure Development

(i) Adoption of High technology & Technology and Process Up-gradation

In order to encourage high-end value addition in spices processing for better value realization while ensuring quality and food safety of the exported item to match with international quality requirements, the programme offers grant-in-aid to the Registered Manufacturer exporters for adopting high technology in spices processing and for upgrading their existing technologies/facilities. The level of assistance is 33 per cent of the value of machinery/equipment for processing and packing, electrical installations and consultancy charges with a maximum of ₹ 100.00 lakhs per beneficiary for general areas and 50 per cent of the cost or ₹ 200.00 lakhs whichever is less, for special areas including North Eastern region.

The scheme for technology up-gradation offers same level of financial assistance to support exporters to upgrade their existing processing/packing facilities to manufacture products with high-end value addition and quality standards to match the requirements of foreign buyers.

During the year 2016-17, total financial assistance of ₹ 202.48 lakhs was extended to five exporters for adoption of High technology/technology upgradation.

(ii) Setting up/up-gradation of Quality Control Labs

The programme proposes to provide assistance to Registered Manufacturer exporters who propose to set up/upgrade in-house quality control laboratories with an objective to promote quality by establishing facilities to undertake analysis of various parameters on quality of the products including detection of pesticide residues, Aflatoxin and physical, chemical and microbial contaminants. Assistance is limited to 33 per cent of the cost of laboratory equipment/ instruments, glassware, laboratory furniture and other accessories including electrical installations and consultancy charges for setting up/up-gradation of in house quality control laboratories. During 2016-17, three exporters availed the facility and the total grant-in-aid released was ₹ 27.58 lakhs.

(iii) Quality certification, validation of check samples and training of laboratory personnel

Spices Board assists exporters of spices for acquiring quality systems like ISO, HACCP and such quality certifications in their processing units wherein 33 per cent of the charges incurred for accreditation/certification of processing units for ISO, HACCP, GMP, etc., would be given as grant-

in-aid. The Board also provides financial assistance towards analytical charges for validation/standardization in laboratories abroad and charges/expenses for upgrading technical knowledge of laboratory personnel of the exporters in reputed international laboratories preferably approved by USFDA and EU.

B. Trade Promotion

(i) Sending business samples abroad

The Board assists those exporters who wish to finalize business transactions on the basis of samples requested by buyers and to have better clarity. The Board reimburses the courier charges to a maximum of ₹ 50,000 per year. Registered manufacturer exporters of spices having Spice House Certificate / Spices Board Logo, certified organic spice growers and exporters and brand registered exporters are covered under this programme. During 2016-17, the Board disbursed financial assistance totalling of ₹ 1.91 lakhs to six exporters.

(ii) Printing promotional literatures/ brochures

Promotional literature and brochures are the preliminary promotional material to fetch the buyers for the produce. Exporters who have SHC/Logo/Brand registered with the Board or those who have organic certifications are eligible to avail the assistance at the rate of 50 per cent of the cost subject to a maximum of ₹ 2.00 lakhs per brochure and maximum twice during the plan period. Printing promotional literatures/brochures, video films/CDs and other electronic modes to project competencies and capabilities of exporters and the range of products and services offered to the prospective buyers abroad is supported by the Board.

(iii) Packaging development and bar coding registration

The programme envisages improvement and modernisation of export packaging for increased shelf life, reduced storage

space, establishing traceability and better presentation of Indian spices in markets abroad. Registered exporters can avail assistance to the tune of 50 per cent of the cost of packaging development and bar coding registration subject to a ceiling of ₹ 1.00 lakh per exporter per year.

C. Product Development & Research

There is a good scope for deriving new end uses and applications from the spices produced within the country. The value realization in these product/formulations would be much higher than what would be available if they were exported solely as condiments. Development of new end products of spices involves scientific research in the areas of nutritional, pharmaceutical and cosmetic values of spices as introduction of new end products would go a long way to create patentable products with maximum value realization. This scheme offers financial assistance for product research/development, clinical trials, patenting, and test marketing. All registered manufacturer exporters and recognized research institutions who wish to develop new end products of spices and who wish to involve in clinical trials to document and establish the known properties of spices can avail this scheme. The amount would be disbursed in the form of grant-in-aid at 50 per cent of the cost subject to a maximum of ₹ 25 lakhs in agreed installments based on the completion of different phases of the research and study. During 2016-17, the Board disbursed grant-in-aid amounting to ₹ 5.17 lakhs under this scheme.

D. Spice Processing in North Eastern Region

North Eastern region of India produces spices such as Cardamom (Large), Chilli, Turmeric and Ginger, organically grown with varied pungency and indigenous qualities compared to the produce from other parts of India. However, the major area of trade concern for NE region is the

lack of exportable surplus and inadequate processing facilities to cater to the need of export industry. This scheme proposes to provide financial assistance to the spice growers, co-operatives, Farmers Associations, NGOs representing spice growers and individual entrepreneurs in North Eastern and hill states to establish primary processing facilities for spices. Grant-in-aid is provided to the tune of 33 per cent of the cost of all types of primary processing facilities subject to a maximum of ₹ 25 lakhs during the plan period per beneficiary. For farmers group assistance is up to 50 per cent of the cost of primary processing facility.

E. Brand Promotion Loan Scheme

The objective of the programme is to assist penetration of Indian brands in the identified overseas markets, through a series of measures leading to the positioning of quality Indian spice brands within the reach of the foreign consumers with a clear mark of traceability and food safety. Under this programme, exporters who have registered their brand will be provided financial assistance towards interest free loan up to Rs.1 crore per brand. With an objective to position specified brands in the identified outlets and selected cities abroad, 100 per cent of slotting/listing fee, promotional expenditure and 50 per cent of the cost of product development is considered under the project.

F. Market Study Abroad

The areas and other critical sectors for Indian spice products are to be studied in depth to formulate appropriate pricing and devise a suitable promotional and marketing strategy. Market survey by the Board helps to find out the strengths, weaknesses, threats and opportunities for Indian spices. The study assumes significance especially to small scale exporters and new entrants who require advice more appropriately with the changing market situations and other

regulations for efficient handling of their export operations. Based on this study, brand promotion efforts of exporters are pursued.

G. Participation in international trade fairs/exhibitions/meetings and trainings

(i) Participation by the Board

The Board is an international link between the Indian exporters and the importers abroad. As part of its initiatives for promotion of Indian spices in international markets, Spices Board participates in major international trade fairs. During 2016-17, Board participated in 10 international fairs incurring a total expenditure of ₹ 274.70 lakhs.

(ii) Participation by Exporters

International fairs and exhibitions provide the participants enormous opportunities to promote their products and services. Registered exporters who have obtained Indian Spice Logo/Spice House Certificate/Certified grower and exporter of organic spices and those exporters whose brand names have been registered with the Board can avail the assistance. The assistance is in the form of reimbursement of airfare (Economy Excursion class) for visits to trade fairs subject to a maximum of ₹ 60,000 for Logo/SHC holders and ₹ 40,000 for holders of registered brand and organic certificate per exporter per year. In case of hiring independent stall, the extent of assistance will be 50 per cent of the cost per exporter subject to ceiling of ₹ 1.00 lakh. During the year 2016-17, a total amount of ₹ 1.20 lakhs was disbursed under this scheme.

(iii) Market Development Assistance (MDA)

Registered exporting companies with an FOB value of exports effected upto ₹ 30 crores in the preceding year are eligible for getting assistance under the MDA guidelines

of the Ministry of Commerce and Industry, for participation in trade delegations/ buyer-seller meets/fairs/exhibitions abroad to explore new markets for export of their specific products and commodities in the initial phase. Apart from general areas, export promotion programmes in specific regions abroad like Focus (LAC), Focus (Africa), Focus (CIS) and Focus (ASEAN + 2) are considered for extending financial assistance under this programme. This is subject to the condition that the exporter has completed 12 months membership with concerned EPC and is filing returns with concerned EPC/organisation regularly. The assistance is for airfare in Economy/ Excursion class and/or charges of the built up furnished stall subject to an upper ceiling per participation to eligible spice exporters. During 2016-17, four exporters availed the MDA assistance amounting to ₹ 3.46 lakhs.

H. Indian Spices Logo and Trade Mark

The Board awards the logo selectively to exporters who have certified processing and quality control capability and who maintain a high level of hygiene and sanitation at all stages. Registered exporters of spices and spice products in processed and packed form of any weight can come under the logo programme. By affixing the logo on the exported pack, the consumer will be aware of the intrinsic qualities and acquired superiority of Indian spices. The trade mark logo is registered in 22 main spice importing countries.

I. Registration of Brand Name

The objective of the programme viz., 'Registration of Brand Name' is to support export of spices/spice products in consumer packs under Indian brand names and gain market share in the fast growing market of branded consumer packs. The Board has specified packing standards for different spices for different unit weights in consultation with Indian Institute of

Packaging. All brand registered exporters have to renew their registration after every three years. During 2016-17, five exporters registered/renewed their brands.

J. Registration & Licensing

Registration & Licensing is a part of the regulatory functions of the Board. The Board issues Certificate of Registration as Exporter of Spices (CRES) and also the Auctioneer and Dealer Licences for trading in Cardamom (Small and Large). The CRES and Dealer and Auctioneer Licences are issued for a block period of three years i.e. 2014-17. During the 2016-17, Spices Board has issued 1,279 Certificates of Registration as Exporter of Spices (CRES), 106 Cardamom Dealer Licences and one Auctioneer.

K. Exporter Award

Spices Board has instituted Export Awards and Trophies to honour the exporters of spices who excel in their exports of spices in various categories every year.

L. Major initiatives

(i) Spices Parks

With a view to empower the farmers to get better price realization and wider markets for their produce, crop specific Spices Parks have been established in major production/market centers. The Parks will facilitate the farmers to utilize the common infrastructure facilities for cleaning, grading, packing and steam sterilization to ensure the quality of the product and thus a higher price. The scientific packing and warehousing facilities in the park and the quality testing facility in the laboratory will improve the overall quality of spices produced in the locality. Spices Park is a well-conceived approach to have an integrated operation for cultivation, post harvesting, processing for value-addition, packaging and storage of spices and spice products.

The Board has established/establishing crop specific Spices Parks in the major spices producing/market centers. The location of the Spice Parks currently established is given in the table below:

payment to auctioneers and farmers. Under the new procedure, registration fee for E-auctioneer License and Manual Auctioneer Licence is ₹ 50,000 and ₹ 5,000 respectively. Also, for E-auctioneer Licence,

Sl No	Location/State	Spices Covered	Status
1	Chhindwara, Madhya Pradesh	Garlic and Chilly	Functioning
2	Puttady, Kerala	Pepper and Cardamom	Functioning
3	Jodhpur, Rajasthan	Cumin and Coriander	Functioning
4	Guna, Madhya Pradesh	Coriander	Functioning
5	Guntur, Andhra Pradesh	Chilly	Functioning
6	Sivaganga, Tamil Nadu	Turmeric and Chilly	Completed
7	Kota, Rajasthan	Coriander, Cumin	Completed
8	Rae Bareli, Uttar Pradesh	Mint	Completed

A total of ₹ 281.61 lakhs has been spent during 2016-17 towards maintenance of spice parks.

(ii) Spice Complex at Sikkim

Government of Sikkim has allotted 10 acres of land to Spices Board of which 8 acres is to be used for establishment of Spice Complex and 2 acres is to be used for the use by the State Government. The Board has prepared draft DPR after inviting EOI for establishment of Spice Complex at Sikkim.

(iii) Electronic Auction for Cardamom

The E-auction of cardamom (small) continued in the Spices Park at Puttady of Idukki District, Kerala and in Bodinayakanur of Tamil Nadu. Manual auctions also continued in other states like Karnataka and Maharashtra for cardamom (small) and in two places in Sikkim and Darjeeling District of West Bengal for Large Cardamom. The Cardamom (Marketing & Licensing) Rules, 1987 were amended and new notification was released, which will make the system more competitive, transparent and reduce the time in making

the applicant shall provide required Security Deposit in the form of Bank Guarantee valid for the block period for which the applicant desires to obtain the auctioneer license.

The Board has established an e-auction centre at Bodinayakanur in the Board's Regional Office premises and this centre was inaugurated by Chairman, Spices Board on 30th May, 2016.

(iv) Signature Stall

Flavourit is an initiative to share and sustain the passion of spices. Flavourit selects the finest of the spices from the farms where growing spices is a tradition and faith. The commitment of Flavourit to quality and intimacy with purity roots deep into the spirit of Indian spices. Flavourit strives to spread the pleasure of Indian spices throughout modern world.

The pleasure of spices is preserved by the people who work on the soil with Flavourit. Flavourit streamlines the efforts of people working at grassroots with market forces. It helps growers, collectives and developmental ventures to bring economic and social inclusion.

Flavourit connects nature's traditions to the modern world, bringing together progressive farmers and grassroots organizations, whose hard work ensures best quality spices for wellness. Flavourit is also committed to health and wellness of people and planet. It ensures natural taste and aroma of the spices, packaged in ecofriendly ways, suitable for modern lifestyle.

In order to promote these quality spices, Spices Board has set up three signature stalls called Spices India in the Lulu Mall at Cochin and in Delhi.

(v) Spice Museum at Willingdon Island, Kochi

The Port Trust has allotted 15.987 cents of land to Spices Board. The Board has entered into an MoU with Cochin Port Trust at Willingdon Island on lease basis to set up Spices Museum and signature stall. The objective of the museum-cum-signature stall is to facilitate the tourists for sourcing authentic Indian spices to prepare flavoured dishes and buying them as presents and souvenirs of Kochi, famous for its wide variety of spices. It will also update the knowledge on spices industry besides touch and feel of major spices. Board has entrusted an agency for preparing the DPR.

(vi) Spices Board of India Chair Professorship at IIPM, Bangalore

The Spices Board has provided financial support to Indian Institute of Plantation Management (IIPM), Bangalore for establishing Research Chair under the "Commodity Boards of India Chair Professorship" program. The Research Chair is headed by a Senior Faculty/Post-

Doctoral fellow, as a Chair Professor. Spices Board has deputed Dr. G. K. Vidyashankar, Deputy Director, Spices Board for the Chair Professorship for a period of two years. The research findings/study/publications of the Chair would provide a much needed knowledge in the requisite field and also serve as a significant resource for Spices sector. Spices Board has provided an annual grant of ₹ 15.00 lakhs to IIPM for establishing the Chair for "Spices Board of India Chair Professorship" in 2016-17. The fund will be utilized for the purpose directly related to the setting up of Chair, its research & CARP activities, and in the conduct of various studies in the Spices sector in consultation with Spices Board. A Monitoring Committee constituted by the Board monitors and reviews the activities as well as the utilization of the funds by the IIPM.

(vii) Buyer Seller Meets

There is a wide gap between the farm gate price and the terminal market price of spices. In order to improve the value chain and to realize better price to growers, the Board organised three buyer-seller meets at Guwahati, Kota and Hyderabad during 2016-17 in the spices growing areas including NE region by bringing the farmers/farmers groups, NGOs, exporters, and institutional buyers on one platform to establish linkage between them and to eliminate middlemen in market channel.

(viii) GI Registration of Spices

The Board has obtained the GI registrations for Malabar Pepper, Alleppey Green Cardamom, Coorg Green Cardamom, Guntur Sannam Chilli and Byadagi Chilli.

6. TRADE INFORMATION SERVICE

Trade Information Service of the Marketing Department is responsible for the collection, compilation, analysis and dissemination of statistics relating to Exports, Imports, Area, Production, Auction and Domestic and International prices of spices.

The major source of information for compiling the monthly estimated export of spices from India is the Daily List of Exports (DLE) released by the Customs authority. Similarly, the Daily List of Imports (DLI) released by the Customs is the source for estimating the monthly import of Spices into India. The Board compiles the export/import details of Spices on a monthly basis and disseminates the export and import figures of spices to its stakeholders and Ministry/Departments on a regular basis. For this purpose, the Board is regularly collecting both the DLE and DLI from all major ports like Cochin, JNPT, Chennai, Tuticorin, Mundra, Calcutta, Petrapole, Mohadhipur, Raxual, Amritsar, etc. Moreover, the information is also collected through the Regional Offices of the Board for this purpose.

The Board compiles and disseminates both the domestic and international prices of spices for major markets in India and abroad on regular basis to the end-users through its websites and publications. The major source for collecting the price details are agencies like India Pepper and Spice Trade Association, Agricultural Produce Marketing Committees, Merchants Associations, International Trade Centre (Geneva), International Pepper Community (Indonesia), AA Sayia & Co (USA), etc. These information is collected through the regional offices of the Board and through subscription from the international agencies.

Since the Board is responsible for the

production development of cardamom (small and large), the area, production and productivity of these spices are estimated by Trade Information Service by the support of the field sample study conducted through the field set up of the Board. Area and production details of other spices are collected from the State Economics and Statistics/Agriculture/Horticulture Departments/DASD for compilation. Information on area and production of all spices is disseminated through the Board's publications as well as through the website to the stakeholders and policy makers.

As per the Registration of Exporters (Regulations), all the Registered Exporters of Spices have to submit their quarterly export returns to the Board. Currently around 6,150 exporters are registered with the Board and the Trade Information Service is compiling the Quarterly Export Returns of these exporters and maintaining the exporter-wise database of export of spices. By using this database, the details of leading exporters of each spice are compiled and published through the Board's website.

Spices Board conducts e-auction for trading of cardamom through e-auction centres developed by the Board at Bodinayakanur, Tamil Nadu and Puttady, Kerala. The details of daily auction quantity and price of cardamom are compiled and published on a daily basis through Board's website. The consolidated details on auction sale and average prices were compiled and disseminated through Board's publication.

Compiling the weekly domestic price of different spices for different market centres including major overseas markets was done and published through the publication of the Board namely *Spices Market* on a weekly basis and *Spice India* on a monthly basis for

the benefit of stakeholders of the Industry.

for 2016-17 compared to 2015-16 are given in Table I & II (A&B). Area and production of other spices is given in Table-III.

A. Area and Production of Spices

The area, production and productivity of Cardamom (Small) and Cardamom (Large)

Table-I
State-wise Area and Production of Cardamom (Small)
(Area in Hect., Prod'n in Tonnes, Yield in Kg/Hect)

State	2016-17(P)				2015-16			
	Total Area	Yielding Area	Prod'n.	Yield	Total Area	Yielding Area	Prod'n.	Yield
Kerala	39680	31323	17215	550	39680	31640	21500	680
Karnataka	25240	17940	1435	80	25240	17940	1440	80
Tamil Nadu	5160	3556	975	274	5160	3635	950	262
Total	70080	52820	19625	372	70080	53215	23890	449

Source:- Estimate by Spices Board.

(P) Provisional

Table-II-A
State-wise Area and Production of Cardamom(Large) Sikkim & West Bengal
(Area in Hect., Prod'n in Tonnes, Yield in Kg/Hect)

State	2016-17(P)				2015-16			
	Total Area	Yielding Area	Prod'n.	Yield	Total Area	Yielding Area	Prod'n.	Yield
Sikkim	23482	18137	4684	258.25	23082	17520	4466	255
West Bengal	3305	3129	939	300	3305	2830	849	300
Total	26787	21266	5623	264.41	26387	20350	5315	261

(P) Provisional

source : Estimate by Spices Board

Table-II-B
State-wise Area and Production of Cardamom(Large)
Arunachal Pradesh and Nagaland

State-wise Area & Production of Cardamom(Large)		
State	2015-16	
	Total Area (Hect)	Production (Tonnes)
Arunachal Pradesh	8300	1757
Nagaland	3968	1943
Total	12268	3700

Source : State Horticulture Department

Table-III
Area and production of major spices
(Area in Hect., Production (Prdn.) in Tonnes)

Spice	2015-16(P)		2014-15(P)	
	Area	Prdn.	Area	Prdn.
Pepper	131790	48500	123900	70000
Chilli	742950	1497440	766400	1631320
Ginger	156910	1025110	140940	755950
Turmeric	183480	967060	188020	844470
Garlic	295600	1603500	261950	1424770
Coriander	624780	572990	552440	462270
Cumin	808230	503260	889760	485500
Fennel	76000	129350	38660	59740
Fenugreek	227960	248350	123340	130810

Source: State Directorate of Eco. & Stat. /Agri./Horti. Departments, Directorate of
Areca nut & Spices Development, Kozhikode
(P): Provisional

B. Auction Sales and Prices of Cardamom (Small)

The state-wise auction sales and weighted average price of cardamom (small) for 2016-17 (August 2016-April 2017) and 2015-16 (August 2015-July 2016) are given in Table-IV.

Table-IV
Auction sales and prices of cardamom (small)
(Qty. in Tonnes, Price in Rs./kg.)

State	2016-17 (August-April) (P)		2015-16 (August-July)	
	Quantity auctioned	Weighted average auction price	Quantity auctioned	Weighted average auction price
Kerala and Tamil Nadu (e-auction)	15719	1123.42	33180	628.56
Karnataka	27	872.76	44	473.23
Maharashtra	29	1314.75	112	717.11
Total	15775	1123.41	33336	628.66

(P): Provisional

Source: Reports received from licensed auctioneers

C. Prices of cardamom (large)

The average wholesale prices of cardamom (large) at Gangtok and Siliguri markets for 2016-17 and 2015-16 are given in Table V.

Table-V

Average wholesale prices of cardamom (large)

(Price in Rs./kg.)

Centre	Grade	2016-17	2015-16
Gangtok	Badadana	973.94	1470.91
Siliguri	Badadana	1079.82	1512.61

D. Prices of Other Major Spices

The average prices of major spices are given below. These prices have been collected from secondary sources like Chamber of Commerce, Indian Pepper and Spice Trade

Association, market reviews prepared by the merchants, associations, etc. Prices of major spices in important market centres are given in Table VI.

Table-VI

Prices of major spices in important market centres (Price in Rs./Kg.)

Spice	Market	2016-17	2015-16
Black Pepper(Mg-1)	Cochin	694.77	655.22
Chilli	Guntur	97.68	98.35
Ginger	Cochin	160.33	209.36
Turmeric	Chennai	121.04	125.83
Coriander	Chennai	85.03	108.19
Cumin	Chennai	190.76	167.04
Fennel	Chennai	107.70	132.75
Fenugreek	Chennai	53.16	81.11
Garlic	Chennai	91.08	73.37
Poppy Seed	Chennai	365.70	370.08
Ajwan Seed	Chennai	191.96	152.81
Mustard	Chennai	52.51	47.80
Tamarind	Chennai	111.01	102.40
Saffron	Delhi	185479.00	196094.00
Clove	Cochin	749.20	796.00
Nutmeg (without shell)	Cochin	399.98	412.05
Mace	Cochin	484.48	622.47

E. Export Performance of Spices from India

Indian spices exports have been able to continue its increasing trend during 2016-17 also. During the period, the spices export from India attained an all time record in both volume and earnings.

During the financial year 2016-17 a total of 9,47,790 tonnes of spices and spice products valued ₹ 17664.61 crores (US\$2633.30 Million) were exported from the country as against 8,43,255 tonnes valued ₹ 16238.23 crores (US\$2482.83 Million) in 2015-16 registering an increase of 12 per cent in volume, 9 per cent in rupee terms and 6 per cent in dollar terms of value.

As compared to the target fixed for the period 2016-17, the total export of spices exceeded the target in terms of both volume and value. Compared to the target of 8,70,000 tonnes valued ₹ 15725.12 crores (US\$2419.25million) for the financial year 2016-17, the achievement is 109 per cent in terms of volume and 112 per cent in rupee and 109 per cent dollar terms of value.

During 2016-17, the exports of Cardamom (Large), Chilli, Turmeric, Cumin, Celery, Fennel, Garlic and Nutmeg and Mace have shown an increase both in volume and value as compared to previous year. The export of value added products like Curry Powder/Paste and Spice Oils and Oleoresins had also shown increase both in volume and value as compared to 2015-16. However in the case of Ginger and Fenugreek the increase has shown in volume only. All other spices have shown decline both in volume and value as compared to last year.

As far as the individual spices are concerned, 780 tonnes of Cardamom (Large) valued ₹82.66 crores have been exported as against 600 tonnes valued ₹ 75.51 crores of last year registering an increase of 30 per cent in volume and 9 per cent in value. During 2016-17, a total volume of, 4,00,250 tonnes of chilli valued ₹ 5070.75 crores as against 3,47,500 tonnes valued ₹ 3997.44 crores of last year registering an increase of 15 per cent in volume and 27 per cent in value. During 2016-17, a total volume of, 1,16,500 tonnes of turmeric valued ₹ 1241.89 crores as against 88,500 tonnes valued ₹ 921.65 crores of last year registering an increase of

32 per cent in volume and 35 per cent in value. During the year, a total volume of 1,19,000 tonnes of cumin valued ₹ 1963.20 crores as against 97,790 tonnes valued ₹ 1531.13 crores of last year registering an increase of 22 per cent in volume and 28 per cent in value. During the year, a total volume of 35,150 tonnes of Fennel valued ₹ 308.75 crores as against 15,320 tonnes valued ₹ 172.40 crores of last year registering an increase of 129 per cent in volume and 79 per cent in value. During the period, a total volume of 6250 tonnes of Celery valued ₹ 62.46 crores have been exported as against 5310 tonnes valued ₹ 53.28 crores of last year registering an increase of 18 per cent in volume and 17 per cent in value. During 2016-17, a total volume of 32,200 tonnes of garlic valued ₹ 307.12 crores have been exported as against 23,085 tonnes valued ₹ 159.59 crores of last year registering an increase of 39 per cent in volume and 92 per cent in value. During 2016-17, a total volume of 5070 tonnes of Nutmeg and Mace valued ₹ 236.42 crores have been exported as against 4050 tonnes valued ₹ 209.28 crores of last year registering an increase of 25 per cent in volume and 13 per cent in value.

In the case of value added products, the export of curry powder/paste was 28,500 tonnes valued ₹ 599.10 crores as against 26,550 tonnes valued ₹ 531.75 crores of last year registering an increase of 7 per cent in volume and 13 per cent in terms of value. During the year, a total volume of 12,100 tonnes of Spice Oils and Oleoresins valued ₹ 2307.75 crores as against 11,635 tonnes valued ₹ 2142.55 crores of last year registering an increase of 4 per cent in volume and 8 per cent in value.

Item-wise estimated export of spices from India during 2016-17 compared with 2015-16 is given in Table VII and in comparison with target proposed for 2016-17 and per centage achievement of target is given in Table VIII.

Table -VII
Export of spices from India during 2016-17 compared with 2015-16

Estimated Export of Spices from India during 2016-17 compared with 2015-16						
Item	2016-17		2015-16		Per cent change in 2016-17	
	Qty (Tonnes)	Value (₹ lakhs)	Qty (Tonnes)	Value (₹ lakhs)	Qty	Value
Pepper	17,600	114,312.50	28,100	173,041.50	-37	-34
Cardamom(S)	3,850	42,150.00	5,500	44,982.75	-30	-6
Cardamom(L)	780	8,265.50	600	7,550.70	30	9
Chilli	400,250	507,075.00	347,500	399,743.97	15	27
Ginger	24,950	25,705.00	24,800	27,595.56	1	-7
Turmeric	116,500	124,189.00	88,500	92,165.00	32	35
Coriander	30,300	29,207.50	40,100	42,680.50	-24	-32
Cumin	119,000	196,320.00	97,790	153,113.00	22	28
Celery	6,250	6,246.00	5,310	5,328.24	18	17
Fennel	35,150	30,875.50	15,320	17,239.60	129	79
Fenugreek	34,680	18,276.50	33,330	23,380.70	4	-22
Other seeds (1)	18,100	15,455.00	23,880	16,205.75	-24	-5
Garlic	32,200	30,711.50	23,085	15,959.00	39	92
Nutmeg & mace	5,070	23,641.65	4,050	20,928.25	25	13
Other spices(2)	40,210	50,595.00	43,955	58,348.50	-9	-13
Curry powders/ paste	28,500	59,910.00	26,550	53,174.50	7	13
Mint products(3)	22,300	252,750.00	23,250	258,130.47	-4	-2
Spice oils & oleoresins	12,100	230,775.00	11,635	214,255.00	4	8
Total	947,790	1,766,460.65	843,255	1,623,822.99	12	9
Value in million US \$		2633.30		2,482.83		6
(1) Include Mustard, Aniseed, Ajwanseed, Dill Seed, Poppy Seed etc. (2) Include Tamarind, Asafoetida, Cassia, Saffron etc. (3) Include Mint Oils, Menthol & Menthol Crystal.						
Source: Estimate based on dle from customs, report from RO's and last year's export trend, etc.						

Table -VIII

Export of spices from India during 2016-17 compared with target

Estimated export of spices from India during 2016-17 compared with target						
Item	Target for 2016-17		2016-17		Per cent Achievement of Target	
	Qty	Value	Qty (Tonnes)	Value (₹ lakhs)	Qty	Value
Pepper	18,000	113,400.00	17,600	114,312.50	98	101
Cardamom(S)	3,750	30,000.00	3,850	42,150.00	103	141
Cardamom(L)	500	6,350.00	780	8,265.50	156	130
Chilli	350,000	420,000.00	400,250	507,075.00	114	121
Ginger	33,000	42,900.00	24,950	25,705.00	76	60
Turmeric	90,000	99,000.00	116,500	124,189.00	129	125
Coriander	40,000	36,000.00	30,300	29,207.50	76	81
Cumin	110,000	165,000.00	119,000	196,320.00	108	119
Celery	5,000	5,000.00	6,250	6,246.00	125	125
Fennel	22,000	20,900.00	35,150	30,875.50	160	148
Fenugreek	38,000	20,900.00	34,680	18,276.50	91	87
Other Seeds (1)	26,000	19,500.00	18,100	15,455.00	70	79
Garlic	25,000	18,750.00	32,200	30,711.50	129	164
Nutmeg & Mace	4,500	21,375.00	5,070	23,641.65	113	111
Other Spices(2)	43,250	49,737.50	40,210	50,595.00	93	102
Curry Powders/Paste	27,000	56,700.00	28,500	59,910.00	106	106
Mint Products(3)	22,000	231,000.00	22,300	252,750.00	101	109
Spice Oils & Oleoresins	12,000	216,000.00	12,100	230,775.00	101	107
Total	870,000	1,572,512.50	947,790	1,766,460.65	109	112
Value In Million US \$		2419.25		2633.30		109
(1) Include Mustard, Aniseed, Ajwanseed, Dill Seed, Poppy Seed Etc. (2) Include Tamarind, Asafoetida, Cassia, Saffron Etc. (3) Include Mint Oils, Menthol & Menthol Crystal. Source : Estimate Based On Dle From Customs, Report From Ro's And Last Year's Export Trend Etc.						

7. PUBLICITY AND PROMOTION

Designing a good promotional strategy is vital for enhancing the reputation and public conception of the Spices Board. During the financial year 2016-17, the Board continued to popularize its schemes and activities for the branding of Indian spices across the globe. The strategies were designed for publicizing and promoting Indian spices, spice industry and the activities of the Board.

The major highlights during the financial year 2016-17 were participation in established International and Domestic fairs, press releases, advertisement campaigns, online promotional campaign, printing and publication of magazine, brochures and releasing video spots on spices.

The multi-disciplinary promotional activities have lent support to the Board and spice industry, boosting the demand of Indian spices both nationally and internationally.

A. Participation in Domestic Fairs

One of the best means to reach out to the various stakeholders of spice industry is participation in domestic fairs. During every financial year, the Board ensures to participate in important domestic fairs with a focus to cover main spice growing and marketing centers. The participation in fairs provides a platform to the Board to interact with various levels of spice industry like farmers, traders, exporters, scientists, other export promotional agencies/organizations, which helps in designing competent projects/activities to promote the Indian spice industry as well as the Indian spices. The participation in the fairs during financial year 2016-17 helped in tapping both domestic and international spice demands and generating awareness on the activities of the Board on a pan-India level.

During the financial year 2016-17, Spices Board participated in 19 domestic exhibitions, which occurred in prime locations of India enlisted in the table below.

Sl. No.	Name of the Exhibition	Place	Date
1	North-East Business Summit and Exhibition	Manipur	7-9 April 2016
2	National Cooperative Spice Fair	Jaipur, Rajasthan	18-24 April 2016
3	Food and Technology Expo 2016	Pragati Maidan, New Delhi	22-24 July 2016
4	20 th National Exhibition	Kolkata, West Bengal	10-14 August 2016
5	Food Ingredients and Health Ingredients India	Pragati Maidan, New Delhi	22-24 August 2016
6	India International Seafood Show, MPEDA	Visakhapatnam, Andhra Pradesh	23-25 September 2016
7	Kerala Union of Working Journalists (KUWJ) Convention 2016	Ernakulam, Kerala	14-15 October 2016
8	Destination Uttarakhand 2016	Dehradun, Uttarakhand	24-26 October 2016
9	36 th India International Trade Fair (IITF)	Pragati Maidan, New Delhi	14-27 November 2016

10	Sangai Festival	Imphal, Manipur	21-30 November 2016
11	ATMA Idukki Technology Meet-2016	Thodupuzha, Kerala	3-5 November 2016
12	Field Day organised by Coffee Board	Paderu, Visakhapatnam	8 December 2016
13	9 th Onattukara Agri Fest	Charummoodu, Kerala	19-23 December 2016
14	4 th Assam Agri-Horti Show	Guwahati, Assam	6-9 January 2017
15	IASOWA Winter Carnival	Chanakya Puri, Delhi	22 January 2017
16	9 th Kerala Science Congress	Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala	26-30 January 2017
17	CFTRI-National Conference on Spices	Mysuru, Karnataka	2-3 February 2017
18	Vision J&K	Jammu, Jammu & Kashmir	23-25 February 2017
19	AAHAR - International Food & Hospitality Fair	Pragati Maidan, New Delhi	7-11 March 2017

B. Participation in International Fairs

The Board is an international link between the Indian exporters and the importers abroad. As part of its initiatives for promotion of Indian spices in international markets, Spices Board participates in major international trade fairs. The participation in international exhibitions with Spices Board gives a cost effective opportunity to the Indian spice exporters to interact and develop trade contacts with the existing as well as potential spice importers, thereby expanding the business horizon of the Indian spice industry. It also helps the Board to understand the various aspects of consumer behaviour and food habits, retail and wholesale market and the food safety

and security related norms of the importing countries.

The selection of events was based on strategy of tapping unexplored potential market regions. Exporters were given priority in participation in major shows and separate slots were provided for their independent promotional activity under Board's banner. Officers of the Board deputed for these events effectively communicated and interacted with the visitors. Trade enquiries for various spices, herbs and formulations including products received at various events were disseminated to exporters for further follow up.

During the financial year 2016-17, the Board represented itself in 10 International fairs listed out in the table below.

Sl No.	Name of the fair	Place	Date
1	Alimentec Bogota	Colombia	8-11 June 2016
2	62 nd Summer Fancy Food Show	New York, USA	26-28 June 2016
3	Food Ingredients South America	Sao Paulo, Brazil	23-25 August 2016

4	Fine Food Australia	Melbourne, Australia	12-15 September 2016
5	BIOFACH America-All Things Organic	Baltimore, MD, USA	22-24 September 2016
6	Expoalimentaria	Lima, Peru	28-30 September 2016
7	SIAL Food, Paris	Paris, France	15-20 October 2016
8	Gulfood Manufacturing	Dubai, UAE	7-9 November 2016
9	BIOFACH 2017	Nuremberg, Germany	15-18 February 2017
10	Foodex 2017	Chiba, Japan	7-10 March 2017

C. Promotional Campaigns

(i) Screening of Advertisements/Video spots on Indian spices

The Board had produced and approved 15 video spots (60 sec) and 2 advertisements on Indian spices, with a view to promote and popularize culinary as well as non-culinary aspects of various Indian spices during the financial year 2015-16. During FY 2016-17, the spots were screened in approximately 300 theaters/multiplexes each in three phases.

(ii) Online promotional campaign

IBEF in association with Spices Board, Tea Board and Coffee Board, is running an online promotional campaign. The campaign gained popularity on social media platforms like Twitter, Facebook, Instagram, along with google ad links to spices and spice products. Designed to educate the online viewers, the campaign generated awareness on spices including its botanical, geographical, therapeutic, culinary aspects and non-culinary aspects and trade data via social media as well as blogs.

D. Periodicals

(i) Periodical publication, *Spice India* (monthly), published in five different languages, English, Hindi, Malayalam, Kannada and Tamil was released on time. The quarterly issues in Telugu and Nepali languages were also released as per the

schedule. The monthly issues dealt with the following themes:

- | | |
|-----------|---|
| April | - 13 th World Spice Congress – Quality Rules the Spice World |
| May | - Gangtok Spice Complex: Harbinger of Development |
| June | - E-Auction Facility in Tamil Nadu – [New Milestone] |
| July | - In Search of Spices and Herbs in Ethiopia |
| August | - Poppy : A Spice under Surveillance |
| September | - Spices for Veterinary Care |
| October | - Convert Waste into Wealth |
| November | - Empowering Women Entrepreneurs through Value Addition |
| December | - Restricting Cassia Imports: Will Cinnamon do a Phoenix? |
| January | - Pepper Revolution Across AP-Odisha Borders |
| February | - Pepper Climbs New Heights in Arunachal Pradesh |
| March | - Codex Committee on Spices and Culinary Herbs Goes Full Stream |

(ii) Foreign Trade Enquiry Bulletin: Trade enquiries received by the Board directly from overseas trade fairs, e-mail and

direct enquiries to Board's offices were consolidated and published as FTEB, to facilitate export of spices. The publication was sent to the subscribers through e-mail on time.

E. Other Publications

Booklets and brochures printed during 2016-17 were:

- (i) General Brochure on Spices Board India (English)
- (ii) Brochure for International fairs:
Gulfood Manufacturing (English) Food Ingredients South America (English and Portuguese)
- (iii) Recipe pamphlet: Spice Escapades of the North-East

8. CODEX CELL AND INTERVENTIONS

The Board has taken up activities in diverse international platforms to ensure the quality of spices through development of standards for spices and spice products, grass-root level interventions and development of best practices for production and processing of safe and clean spices.

A. Codex Alimentarius Commission (CAC)

The international platform of CAC for setting global standards for food and agricultural commodities has provided the Board with adequate opportunities to effectively bring into force quality standards to protect the interest of the Indian spices sector.

(i) Codex Committee on Spices and Culinary Herbs (CCSCH)

This vertical committee of Codex for spices and culinary herbs is currently hosted by India, and Spices Board is holding the secretariat for this committee on behalf of India. So far, three sessions of this committee have been concluded successfully - CCSCH1 (February 2014) in Kochi, CCSCH2 (September 2015) in Goa and CCSCH3 (February 2017) in Chennai.

The third session of the Committee saw considerable progress in the standards development activity. Some of these are:

- (a) Three draft standards, viz. Black/White/Green Pepper, Cumin and Thyme, being forwarded to the Codex Alimentarius Commission at Step 8 for final adoption.
- (b) A novel 'grouping' strategy was adopted by the committee for future elaboration of standards, so that related spices can be taken up at one time for developing standards. This is expected to shorten the time required for standards development.

(c) Following this strategy, the third session of CCSCH has approved new work proposals for the following products, to be taken up subject to approval by CAC40 session to be held in July 2017:

- Dried or dehydrated ginger
- Dried chilli peppers and paprika
- Dried garlic
- Basil
- Cloves
- Nutmeg
- Saffron

(ii) Other Codex Committees

The Board's activities in other Codex committees are highlighted below:

- (a) The Codex Cell is involved in three Electronic Working Group (eWGs) under Codex Committee on Food Import and Export Inspection and Certification Systems (CCFICS): 1. Proposed principles and/or guidelines for the exchange of information (including Questionnaires) between countries to support food import and export, 2. Proposed guidelines for the exchange of information between countries on rejections of imported food, and 3. Proposed draft revised Principles and Guidelines for the Exchange of Information in Food Safety Emergency Situations.
- (b) The Codex Cell actively worked in two Electronic Working Groups (eWGs) in Codex Committee on Contaminants in Food (CCCF): 1. The eWG on code of practice for the prevention and reduction of mycotoxins in spices, and 2. The eWG for discussion paper on the development of maximum levels for mycotoxins in spices and possible prioritization of work.

B. WTO: STANDARDS AND TRADE DEVELOPMENT FACILITY

The Spices Board had submitted a project proposal for Standards and Trade Development Facility (STDF) under WTO, for assistance on capacity building and knowledge sharing to address sanitary and phyto-sanitary (SPS) issues in spices. STDF is the global partnership supporting developing countries in building capacity to implement international SPS standards, guidelines and recommendations as a means to improve their human, animal and plant health status and ability to gain or maintain access to markets.

WTO had considered Board's proposal, and had approved a Project Preparation Grant (PPG) in March 2016, by which a full fledged project could be prepared with the help of a WTO- approved consultant, for submission to STDF. This is now underway, and Ms. Shashi Sareen, Senior Food Safety and Nutrition Officer, Food and Agricultural Organisation FAO, Regional Office for Asia and the Pacific, Bangkok, Thailand, was chosen by STDF Secretariat to undertake the study in India.

The proposed project is targeted to focus specifically on six important spices - chilli, pepper, coriander, cumin, fennel and nutmeg including mace, which are in good demand for their multiple applications individually and in combination.

The aims of the project are as follows:

- (i) To enhance the food safety and to combat the rejection problem of export quality spices due to sanitary and phytosanitary challenges
- (ii) To generate national level data on quality parameters of spices
- (iii) Establishing a technical platform for designing and developing operational methods to meet the requirements of SPS and CODEX

- (iv) Developing a national and international level collaboration and platform for data sharing between the various apex organizations involved in spice research
- (v) Extrapolation of data for setting up of international standards for spices

Project Areas:

The following areas are considered for the implementation of the project as these locations could yield the actual impact for they are all principal growing areas for the respective spices in the country:

1. Cumin/fennel in Mehsana district of Gujarat
2. Cumin/fennel in Jodhpur, Rajasthan
3. Coriander in Guna district of Madhya Pradesh
4. Pepper in Idukki district of Kerala
5. Nutmeg and mace in Ernakulam district of Kerala
6. Chilli in Guntur district of Andhra Pradesh

Ongoing activities:

The following workshops were held at different locations in India, guided by the consultant and organized by the Spices Board, which were attended by important stakeholders including farmers, processors and exporters:

- (i) Workshop on chilli, Paderu and Guntur, Andhra Pradesh (conducted on 23 - 25 March 2017)
- (ii) Workshops on cumin and fennel, in Jodhpur and Ajmer, Rajasthan (scheduled from 16 - 19 May 2017) and in Mehsana, Gujarat (scheduled in 20-22 May 2017)
- (iii) Workshop on coriander, in Guna, Madhya Pradesh (scheduled from 23-26 May 2017)

(iv) Workshop on nutmeg, in Kochi, Kerala
(scheduled from 30 May - 2 June 2017)

After the PPG, a full-fledged proposal will be submitted to STDF seeking financial assistance for comprehensively addressing SPS issues in spices throughout India. A project validation

workshop is scheduled to be held at India International Centre, 40, Max Mueller Marg, New Delhi - 110003 on 8th June 2017 from 10.30 AM till 1.30 PM. This session would highlight the activities conducted under the project so far and discuss future activities.

9. e-SPICE BAZAAR

The e-Spice Bazaar Traceability project for chilli and turmeric in Andhra Pradesh and Telangana is a joint project of Spices Board India and the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Government of India. This project, started in 2015-16, aimed to bring the spices farmers in the supply chain ensuring traceability and enabling direct connectivity of the farmer with the buyers. A feature of this project is also to organize Farmer Producer Organisations which could collectively gather the farmers for group initiatives in procuring inputs and for selling the produce more professionally and with competence.

The first phase of the project covered 1000 farmers in Edlapadu Mandal of Guntur district and their farms were surveyed and the details were, besides their crop practices, uploaded on the webpage www.espicebazaar.com. As a test, a sample purchase sales deal was done on the web portal. Simultaneously, 1000 turmeric farmers were surveyed in Tenali region during the first phase.

For implementation of the project in the states of Andhra Pradesh and Telangana, four organizations were selected to serve four districts. M/s Effort was chosen to cover 14,000 farmers in Prakasam district and Guntur district of Andhra Pradesh, M/s Nilagiri Foundation to cover 12,000 farmers in Guntur district of Andhra Pradesh, M/s Pothana Educational Society to cover 15,000 farmers in Warangal district

in Telangana and M/s PRDIs to cover 10,000 farmers in Khamam district of Telangana. A total number of 52 Field Coordinators (1000 farmers per coordinator) are working in the field on a daily basis to collect details from farmers and to do farm surveillance. The Field Coordinators also facilitate the linking of farmers with the state officials of the Agriculture and Horticulture Departments besides banks and other required service agencies.

The project during the period 2016-17 covered 52,745 farmers of which 11,138 are turmeric farmers and 41,607 are chilli farmers. Global location Numbers are allotted to all the farmers as assigned by GS1 India.

The web portal www.espicebazaar.com is now functional. The details of all the farmers, their farms and farming practices including fertilizer and pesticide applications are given in the web portal. The Field Coordinators are uploading information on the web portal.

The portal has developed a directory of buyers who can register on line easily. Farmer Producer Organisations are also listed in the portal to enable transactions of their member farmers with the buyers.

Realtime weather report, price of commodities from major markets, notifications, Good Agriculture Practices, Integrated Pest Management, crop advisories, videos on farming, etc., are also made available on the web portal.

10. QUALITY IMPROVEMENT

The Quality Evaluation Laboratory (QEL) of the Board was established in 1989 at Kochi. QEL, Kochi is certified under ISO 9001 Quality Management System since 1997 and ISO 14001 Environmental Management System since 1999 by the British Standards Institution, U.K. and accredited under ISO/IEC: 17025 since September 2004 by the National Accreditation Board for Testing & Calibration Laboratories (NABL), Department of Science & Technology, Govt. of India.

As a part of providing speedy analytical services to exporters, now Spices Board has seven Quality Evaluation Laboratories at major producing/exporting centers viz. Kochi, Chennai, Guntur, Mumbai, New Delhi, Tuticorin and Kandla. The QEL, at Kochi, Mumbai, Guntur, Chennai and Delhi have NABL Accreditation and the other two laboratories are in the process of getting accreditation. The construction of QEL, Kolkata is also in progress and expected to be completed in 2017. Taking into account the high volume of samples tested in Mumbai laboratory and to upgrade the same to a centre of excellence in Spice/Spice products analysis, Spices Board has constructed a new laboratory at Mahape, Navi Mumbai in a building area of 4000 sq.mts. It was inaugurated on 13.05.2016 with all the modern infrastructure facilities.

The laboratories are equipped with sophisticated instruments to undertake the analyses as per the requirements of importing countries. The documents pertinent to analytical services of the laboratories, including the generation of worksheets and submission of analytical results were made online through the software called 'QUADMAS'.

To ensure the analytical credibility, the laboratories regularly participate in check

samples/validation programme organized by National/International agencies like American Spice Trade Association (ASTA), USA, Food Analysis Proficiency Assessment Scheme (FAPAS) and Food Examination Proficiency Assessment Scheme (FEPAS) by Food and Environment Research Agency (FERA), U.K., International Pepper Community (IPC), Jakarta, and with the proficiency testing programs conducted by the NABL accredited laboratories in India. The QELs also conduct regular inter laboratory check sample programs for the major parameters like aflatoxin, Sudan Dye I-IV and pesticide residues with the laboratories in major importing countries and major spice/spice products analyzing laboratories in India. The technical staff in the laboratories are also periodically trained in reputed National/International laboratories like CFTRI, Mysuru, International Food Safety Training Laboratory, USA, Institute of Science of Food Production - National Research Centre, Italy, etc., to update their analytical skill on par with the International standards.

QELs undertake analysis of consignment samples under the mandatory inspection policy of Spices Board. The QELs continued to provide analytical services to the Indian spice industry and to monitor the quality of spices produced and processed in the country. QELs have facilities to analyze various physical, chemical and microbial parameters including pesticide residues, aflatoxin, heavy metals and contaminants/adulterant artificial dyes in spices and spice products. The QELs follow internationally accepted testing methods for various analyses and validate new methods as and when necessary.

A. Analytical Services

During the current year the laboratory continued the analysis of chilli and chilli

products for the presence of Sudan dye I-IV and Aflatoxin under the mandatory sampling of consignments of chilli, chilli products, turmeric powder and other food products containing chilli. Also, analysis of export consignments of sugar coated fennel seeds (for sunset yellow), curry leaves (for pesticides namely profenofos, triazophos and endosulfan to EU), cumin seeds (for extraneous matter and other seeds) was done during the period 2016-17 under mandatory inspection of the Board.

Analytical services were also provided for parameters like illegal dyes (Para Red, Rhodamine B, Butter Yellow, Sudan Red 7B and Sudan Orange G), Ochratoxin A, detection of mineral oil in black pepper, illegal colorants in cardamom, Coumarin content in cassia/cinnamon, etc., apart from the general physical, chemical and microbiological parameters.

Quality Evaluation Laboratories have also undertaken mandatory testing of spices and spice products like whole and ground form (excluding oils and oleoresins) of chilli, cumin, turmeric, black pepper, fenugreek and small cardamom from India to Japan for pesticide residues like Iprobenfos, Profenofos, Triazophos, Ethion, Phorate, Parathion, Chlorpyrifos and Methyl Parathion during the period.

The mandatory sampling and testing of Salmonella has been introduced for export consignments of chilli (whole), chilli powder and chilli products, curry powder, curry masalas, curry paste and pickles, cumin (whole and ground) to USA from February 2017.

During the financial year 2016-17, the QELs analysed 1,06,811 numbers of samples for various parameters including aflatoxin, Illegal dyes, Pesticide residues, salmonella and an amount of ₹ 16,50,47,037 was collected as the analytical charges.

B Human Resources Development Programme

As part of improving the technical capabilities of the laboratory personnel and getting update on requirements of various quality systems adopted by the laboratories the following national/international training programme/workshops were attended by the laboratory officials during the period 2016-2017.

- (i) Training programme on ISO/IEC 17025 Revisions conducted by NABL at Jaipur on 14.04.2016
- (ii) Training programme on analytical approaches to current food safety issues Technological Central-Food Research Institute (CSIR) Mysuru 19.09.2016 to 23.09.2016
- (iii) Training programme on standards and technical regulations conformity assessment and accreditation-understanding standards and technical regulations issues in manufacturing conducted by IIFT at New Delhi on 2.02.2017
- (iv) Training programme on Spectrometric Techniques in Food Analysis by CFTRI, Mysuru from 3.10.2016 to 7.10.2016.
- (v) Training programme on ISO/IEC 17025 Revisions by CMTI at Bengaluru on 16.4.2016
- (vi) Training programme on Chemical, Microbiological, Mechanical and Clinical Measurements conducted by Q India Consulting services at Kochi during 27-29 January 2017
- (vii) Training programme on MS Service Seminar by Waters, Chennai on 2.03.2017.
- (viii) Training programme on FSPCA preventive control in Human Foods conducted by Sathguru consultants, Bengaluru at Cochin on 29.08.2016

- (ix) Training programme on Mycotoxin conducted by EU at Rome, Italy from 17.10.2016 to 28.10.2016
- (x) International Workshop and Training on Good Food Laboratory Practices conducted by FSSAI and International Life Science Institute India at Mumbai from 15.11.2016 to 19.11.2016
- (xi) Training programme on ISO 9001:2015 Quality Management System-Lead Auditor Course at Kochi from 8.08.2016 to 12.08.2016 organized by BSI, India.

C Training Programme for the Technical Personnel from Spice Industry

- (i) During the year 2016-17 the QEL conducted four training programmes on the analysis of spices and spice products for physical, chemical, residual and Microbiological parameters. A total of 27 members including technical personnel from various spice industries participated in the programmes and revenue of ₹ 3.16 lakhs was collected as the training fee.
- (ii) The QEL provided dissertation facilities and guidance for 10 final year M.Sc students and three B.Sc Students (3Nos) from different colleges.
- (iii) Technical staff from the QEL imparted training to sampling agencies on the standard sampling procedure for Salmonella on 31.01.2017; marketing department coordinated the training programme.

D Participation in National/ International Events

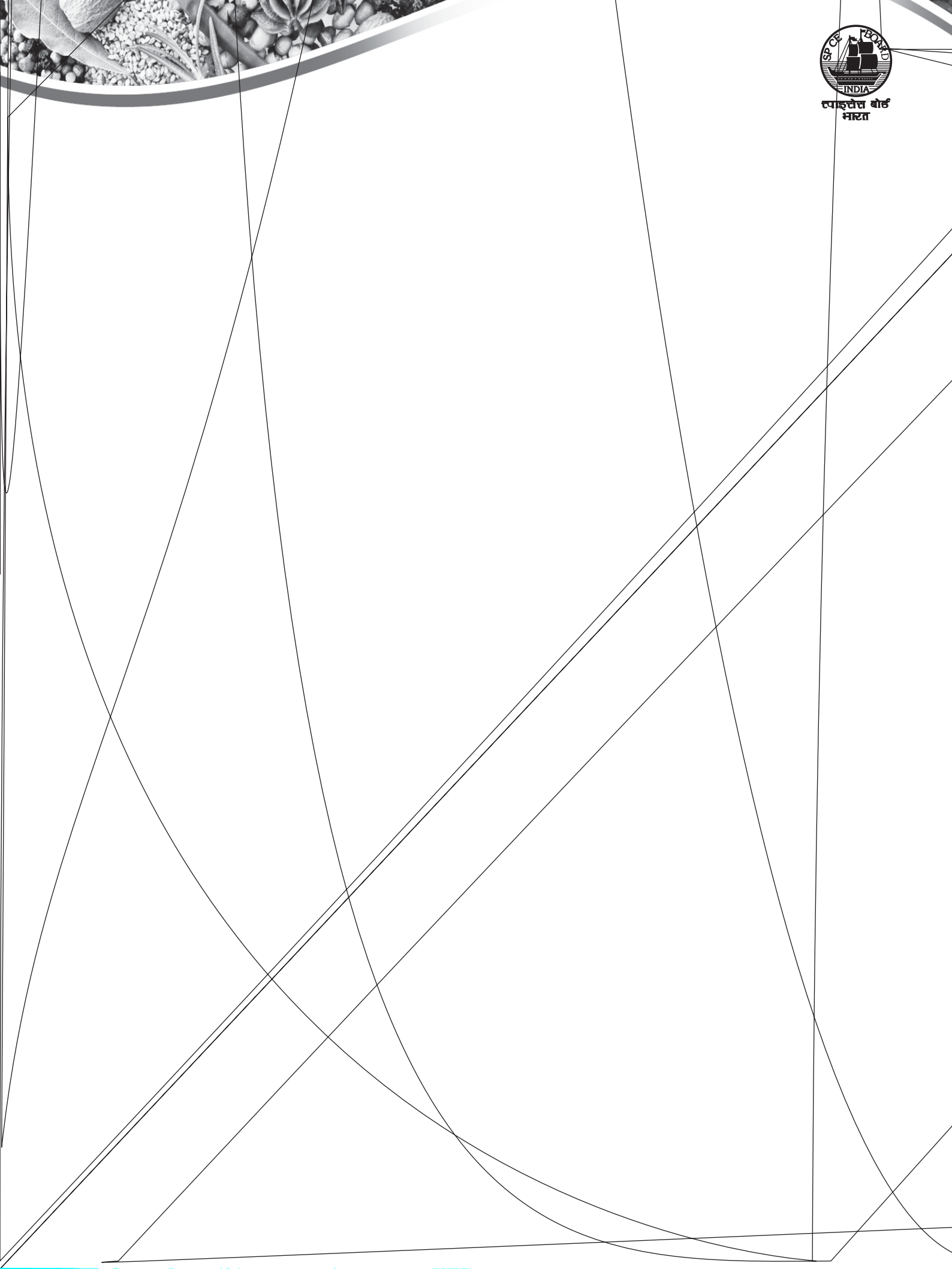
The laboratory actively participated in national/international meetings related to the quality issues, formulation of

specification, etc., for spice/spices products. During the year 2016-2017, technical staff from the laboratory attended the following events:

- The 3rd session of Codex Committee on Spices and Culinary Herbs organized by Spices Board jointly with FAO and Codex Alimentarius Commission at Chennai from 5.02.17 to 10.02.17
- Meeting on Adulteration of Cassia and Cinnamon organized by Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), Delhi on 30.01.2017.
- Meeting with Japanese Delegation on Food Safety organized by FSSAI Delhi from 27.03.2017 to 31.03.2017
- Discussion on enhancing multilateral trade conducted AP Chamber and Strategic Law Group at New Delhi on 12.05.2016.
- De-briefing meeting on 10 CCCF and other codex committees 22 CCFICS, CCMA, 48 CCFA, 30CCOP and 48 CCPR conducted by FSSAI at New Delhi on 13.05.2016
- Second Shadow Committee meeting of 39th session of Codex Alimentarius Commission by FSSAI at New Delhi
- Meeting on certification of origin of goods for EU generalized system of preferences with the registered exporters conducted by Ministry of Commerce held on 23-06-2016.
- Meeting of the technical committee for the scheme monitoring of pesticide residue at national level conducted by IARI at New Delhi on 29.06.2016
- Meeting on EU regulation on endocrine disruptors conducted by Ministry of Commerce at New Delhi on 24.08.2016
- High level India-EU dialogue seminar, New Delhi on 21.09.2016



कृषि विज्ञान बोर्ड
भारत



- Codex Committee on Spices and Culinary Herbs (CCSCH 3) conducted by Codex Secretariat at Chennai from 06.02.17 to 10.02.2017

E ISO Systems Related Activities

- (i) During 2016-17 QEL, Chennai was re-accredited under NABL ISO 17025:2005 (NABL) for testing of 8 Chemistry parameters including Aflatoxin and Sudan Dyes and the present accreditation is valid up to 27.03.2018
- (ii) QEL, Narela ISO/IEC 17025:2005 obtained accreditation under ISO 17025:2005 on 22.09.2016 and is valid up to 21.09.2018
- (iii) Surveillance audit of Quality Evaluation Labs at Mumbai and Guntur was conducted by NABL without major non-conformance during the period.
- (iv) QEL, Kochi continued its implementation/compliance to quality systems viz ISO/IEC 17025, ISO 9001:2008 & ISO 14001:2004. QEL Kochi successfully completed re-certification audit of ISO 9001 and 14001 during the month September 2016 and desk top audit on ISO/IEC 17025 during the month September 2016.

F ASTA Check Sample Programme

The laboratory regularly participates in the ASTA check sample programme conducted by American Spice Trade Association.

During the year QELs at Kochi, Mumbai, Guntur, Chennai, Tuticorin and Narela participated in the P. T. programme for the parameters viz colour value, capsaicin, water activity, total ash, acid insoluble ash, steam volatile oil, moisture, piperine content, e coli, salmonella and coliforms in spices like red pepper, black pepper and oregano.

Four rounds of the above check sample programme were conducted by ASTA, and all the Z scores of the test reports generated by QELs were found satisfactory.

G Spices Board check sample programme

QELs conducted Inter-Laboratory Check Sample Programme for various physical, chemical, residual and microbiological parameters and the results were well within the limit of Z-score.

QEL, Kochi conducted three rounds of inter laboratory check sample programme with private testing labs and other QELs for microbiology parameters like standard plate count, yeast and mould count, bacillus cereus, enterobacteriaceae, clostridium perfringens and salmonella from August 2016 and January 2017. Performance of QEL, Kochi was satisfactory in all rounds of the ILC program conducted.

Under the proficiency-testing programme conducted by an international agency FAPAS, all the QELs participated for various parameters like aflatoxin, ochratoxin A and other illegal dyes. All the results submitted by the laboratory are found well within the Z score limit.

H Harmonization of Indian Standards with ISO Standards

The staff from the QELs participated in meetings for the harmonization of Indian standards with ISO standards and FSSAI, which is being carried out in collaboration with the Bureau of Indian Standards (BIS), FSSAI and ISO Secretariat. The laboratory staff also actively participated in the Codex Committee on Spices and Culinary Herbs (CCSCH) by heading the various electronic working groups (eWGs) to formulate specifications.

- (i) The 29th session of ISO TC-34/SC7 - Spices, Culinary Herbs and Condiments Subcommittee of ISO

was held at Spices Board, Kochi from 24 to 25 January 2017, under the chairmanship of the Chairman, Spices Board.

- (ii) As Chair/Co Chair of eWG for the preparation of draft standards for cumin, pepper, oregano and thyme, technical staff from QELs made presentation/assisted in CCSCH-3 meeting jointly conducted by Spices Board/CAC, WHO/FAO.
- (iii) The comments/suggestions were provided to BIS, ISO, IPC and CODEX Secretariats on various documents related to the specifications/quality issues of spices as and when called for by the national/international organizations/agencies.

I Projects Undertaken

- (i) Implemented a project '**Center of Excellence in Microbiology**' by procuring the latest advanced equipment in QEL, Mumbai for the microbiological analysis and other activities to commence functioning as referral lab in microbiology. Also upgraded all the QELs with advanced equipment that reduce the analysis time of salmonella under the mandatory inspection programme of Spices Board.
- (ii) A project proposal with ICAR-IISR and Spices Board on developing a simple method to differentiate true cinnamon (*Cinnamomum verum* syn. *C.zeylanicum*) and Cassia (*Cinnamomum cassia*) is approved and arrangements to sign the MOU with IISR is in progress.
- (iii) Under ASIDE scheme a Regional Quality Evaluation laboratory was constructed at Kandla, Gujarat and was inaugurated on 4th May 2016.
- (iv) A project on development and validation of a multi residue method for the analysis of pesticide residues in cardamom, chilli and cumin by gas chromatography tandem mass spectrometry with NRCG, Pune is in progress and the first part of training programme was completed during the period.

11. EXPORT ORIENTED RESEARCH

Indian Cardamom Research Institute (ICRI), Spices Board, during 2016-17, undertook research on small cardamom (*Elettaria cardamomum* (L.) Maton) and large cardamom (*Amomum subulatum* Roxb.) on various aspects such as germplasm conservation and varietal improvement, biotechnological interventions, integrated nutrient, pest & disease management and transfer of technologies. Extension activities such as advisory services on Integrated Pest Management, soil test based fertilizer recommendations, spice clinics, training on spices production technology, bioagents production and supply of small and large cardamom planting materials were also carried out.

A. Crop Improvement

(i) Small cardamom

Germplasm surveys were undertaken in forests and wild habitats of lower Pulney hills of Tamil Nadu and resulted in four unique collections of small cardamom. The National Conservatory at Myladumpara was maintained with 563 cardamom accessions and 12 allied taxa. At Sakleshpur, germplasm was maintained with 244 accessions of cardamom and 10 accessions of allied genera. The released/elite clones like ICRI-3, ICRI-5, ICRI-8 and MCC-260 were multiplied and distributed to farmers. Yield from PET showed that MCC172 produced significantly higher yield (792 kg/ha). In thrips tolerance experiments, the per cent incidence of thrips on capsule was least in SKP 169 (0.09 per cent) and it was maximum in MCC 260 (2.10 per cent). In evaluation of F1 hybrids, SKP189 x MCC260 gave significantly high yield (880kg/ha) in Karnataka and multi locational trials are in progress. Hybrid progenies of small cardamom cross combinations are being evaluated in ICRI

Saklespur farm and in farmers, plots as part of Participatory Breeding Programme. Large cardamom pollination trials initiated at ICRI, Myladumpara revealed that hand pollination was inevitable as honey bees acted as pollen robbers.

(ii) Large Cardamom

Survey was conducted in Sikkim and Darjeeling district of West Bengal, for germplasm collection. Three hundred and one accessions of large cardamom and allied genera were maintained at ICRI-RRS Germplasm conservatory at Pangthang and Kabi research farm based on their traits of high yield and other specific characters.

B. Biotechnology

Molecular Biology lab was established in ICRI Myladumpara. Genetic diversity and relationships among all released varieties of ICRI were evaluated and data sheets were prepared. Molecular diagnostics of different viral diseases of pepper viz., CMV & PYMoV; small cardamom viz., CdMV and large cardamom LCCV were worked out. Training was imparted to PGTs on viral diagnostics – DNA & RNA virus isolation and analysis. Dioecy characterization of nutmeg through molecular markers was carried out. A project titled 'Research including molecular marker studies on archaeobotanical samples of spices viz. black pepper and cardamom from Pattanam archaeological site' was concluded and report is under compilation. Two SRFs (UGC & CSIR) have submitted their Ph.D thesis on (i) Molecular Characterization of Dioecy in Nutmeg (*Myristica fragrans* Houtt.) and (ii) Agro-Morphological and Molecular Characterization of Some Released Varieties of Small Cardamom (*Elettaria cardamomum* (L.) Maton) respectively. Cardamom Transcriptome Project was completed with data analysis for generating

information on disease related markers and is ready for publication. The externally funded ICMR project on quality standards Indian spice plants was implemented by ICRI, Myladumpara during August 2016 and monograph preparation of spices is in progress.

C. Agronomy and Soil Science

a) Small cardamom

A total of 1,750 soil samples received from cardamom planters from Kerala and Tamil Nadu were analysed for all nutrients and pH levels. The soil test results revealed that pH is acidic to very acidic in 69 per cent of the soils which necessitated the application of soil amendments (lime or dolomite). Among the primary nutrients available, phosphorous was high to very high in 62 per cent of soils which necessitated judicious application. Among the secondary nutrients, magnesium was deficient in 41 per cent of the soils and sulphur was deficient in 52 per cent of the soils. Among micro nutrients, boron was deficient in 76 per cent of the soils and zinc was deficient in 28 per cent of the soils. Application of FYM @ 10 t/ha along with two rounds of cow dung slurry resulted in sustainable yield of cardamom in eight cropping seasons. Weather data recorded and updated was provided to user agency for planning. Combined application of soil and foliar nutrients to plants had impact on agronomical practices and root biomass in small cardamom. Relatively lower root biomass was observed in plants that received only foliar nutrition as compared to soil application.

At RRS Saklespur, it was found that application of *Jeevamruta* in cardamom enhanced the population of beneficial microbes in soil. Likewise, urea coated with *Pongamia* cake followed by neem cake and gypsum were found effective as slow releasing nitrogenous fertilizers for improved fertilizer use efficiency.

(ii) Large cardamom

Application of Borax (foliar/soil) in combination into Zn, Mn and Mg proved beneficial for growth and resulted in dry yield of 176.20 kg ha⁻¹ and 158.42 kg ha⁻¹ respectively. Foliar application of ZnSO₄+MnSO₄+MgSO₄ also increased dry yield (185.10 kg/ha⁻¹) as compared to other treatments. Studies on *in-situ* soil moisture conservation practices, surface mulching recorded highest soil moisture content (24.11 per cent) and maximum dry yield (571.90 kg ha⁻¹) of large cardamom.

D. Plant Pathology

(i) Small cardamom:

Disease surveillance in small cardamom was carried out in Idukki district in different locations. Four hundred and twenty nine soil samples were collected from Idukki district for screening for soil borne fungus and soil micro-flora. *In-situ* observation on incidences of various fungal and viral diseases was recorded among 403 small cardamom genotypes maintained at ICRI germplasm conservatory at Myladumpara. The study conducted on effect of ozone on pesticide residue in fresh small cardamom capsule revealed that ozone could remove more than 75 per cent of quinalphos residue from cardamom. Among four treatments imposed in five demonstration plots for black pepper maintained under Area Wide Integrated Pest Management Project (AWIPM) at Rajakkad panchayat region, *Pochonia* + *Trichoderma* followed by Bordeaux mixture + CoC + Carbosulfan were effective in controlling slow wilt or yellowing disease. Forty numbers of bacterial and fungal bio-agents were sub cultured and maintained. Eight numbers of bio-organic inputs and soil samples received from various stakeholders and farmers were analysed for microbial population. A total of 278 numbers of diseased plant samples comprising small cardamom, black pepper, vanilla, nutmeg, and ginger were diagnosed

and field advisory services were given to the progressive farmers. Six spice clinics were organised and the scientists from plant pathology division attended as resource persons. Nine germplasm accessions tolerant to rhizome rot (field escapes) were collected and maintained at ICRI farm, Myladumpara.

Mass multiplied fungal and bacterial bio-agents such as *Trichoderma* liquid (1444 l) and *Pseudomonas* liquid (3165.5 l) were supplied to the progressive farmers during the period 2016-17 at ICRI Myladumpara. Six batches comprising progressive farmers, unemployed youth and NGOs were given 'hands-on training' on production of bio-control agents such as *Pseudomonas* and *Trichoderma* at Plant Pathology division.

Eight rhizome rot resistant accessions and seven tolerant accessions were subjected to poly house screening. Capsule borer tolerant accessions, thrips tolerant accession and shoot fly tolerant accessions were planted in hot spot areas for evaluation. The accessions identified as *katte* tolerant after initial poly house screening was planted in field for further evaluation.

(ii) Large cardamom

Spraying of biocontrol agent, *Pseudomonas fluorescence* showed least incidence of leaf blight than the application of butter milk (5 per cent) and control. A survey on diseases of large cardamom carried out in plantations in the state of Sikkim, Darjeeling District (West Bengal) and Arunachal Pradesh revealed blight incidence in the entire plantations, which is relatively higher in Arunachal Pradesh. The occurrence of chirkey and foorkey viral diseases was recorded in several plantations. A total of 1,650 litres of *Pseudomonas fluorescens* was produced and supplied to progressive farmers of Sikkim state and Darjeeling district of West Bengal for disease management in large cardamom, ginger, turmeric and other spices. Hands-on training on bio-agent

production and field demonstrations were carried out for farmers of Sikkim.

E. Entomology

For cardamom shoot borer, *Conogethes punctiferalis*, the active pheromone components viz., hexadecenoic acid and 12-Z-Z, octadecenoic acid were identified from female moths and sex-pheromones for management of shoot and capsule borer and their field evaluation is under progress. The pest and natural enemy survey conducted in ICRI farm, Myladumpara revealed the absence of secondary outbreak of minor pests viz., scales, whiteflies, red spider mites, tingids and relatively lesser incidence of cardamom root knot nematodes (< 5.0 per cent). The natural enemy survey revealed 12.11 per cent to 13.45 per cent incidence of larval parasitoids viz., *Apanteles* sp. and *Glyptapanteles* sp. on shoot and capsule borer (*Conogethes punctiferalis*).

For the bio-management of cardamom root grubs, the potential and effective bio-pesticide ICRI-EPN -18 (*Heterorhabditis indica*) in *Galleria* cadaver formulations (Numbers: 1, 41,700) was supplied to farmers of Idukki district, Kerala.

F. Transfer of Technology

(i) Small cardamom

Six spice clinics in Idukki district were organised. Cardamom suckers of ICRI-5 and MCC-260 (1825 nos.), black pepper cuttings-(16673 nos.), herbal spices (1000 nos.) and small cardamom planting materials (3000 suckers), cardamom seed capsules -115 kg, acid scarified cardamom seeds-24.25 kg, black pepper-5700, herbal spices-425 numbers to farmers were distributed at Myladumpara and Sakleshpur respectively. Planters (1022 numbers) visited ICRI, Myladumpara and RRS, Sakleshpur (142 numbers) for advisory services on various aspects of cardamom and pepper cultivation. Twelve training/awareness programmes on

various aspects of cardamom and pepper cultivation were conducted for spice farmers at ICRI, Myladumpara and seven at Sakleshpur respectively. Four numbers of 'hands-on training programme' on mass multiplication of biocontrol agents were organised for farmers and SHGs of Idukki district at ICRI, Myladumpara during 2016-17. Three training programmes on nutrition/pest/disease management were conducted at ICRI, Myladumpara. Analysis was carried out at Myladumpara for 2,022 numbers of soil samples; 31 numbers of leaf samples; and recommendations were given to farmers. Entomopathogenic nematode cadavers 1,01,875 numbers were multiplied and supplied to farmers for management of root grubs in cardamom.

(ii) Large cardamom:

Eleven mobile spice clinics on large cardamom were organised for the farmers of Sikkim state and Darjeeling district of West Bengal. Thirty one training programmes were organised farmers/extension officers on improved agro techniques of large

cardamom, ginger and turmeric and 2,045 spice farmers benefitted from these programmes. The ICRI officials visited fifty two large cardamom plantations and advisory services were given on different aspects of large cardamom production and post - harvest management in Sikkim state and Darjeeling district of West Bengal.

The XXIV Annual Research Council (ARC) meeting of large cardamom was conducted at Indian Cardamom Research Institute (ICRI), RRS, Tadong on 16th November 2016 and the progress of research programmes was reviewed. Mr. B.A. Gudade, Scientist-B, Agronomy was honoured with Fellow Award-2016 for outstanding contribution in agriculture research (Agronomy) by Society for Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, Uttar Pradesh. Dr. K. Dhanapal, Deputy Director (Research) was honoured with Best Presentation Award-2017 for research article titled Hailstorm Damage in Large Cardamom (*Amomum subulatum* Roxb.) at Sikkim, by Botanical Survey of India.

12. INFORMATION TECHNOLOGY AND ELECTRONIC DATA PROCESSING

The activities of the Board have changed significantly with the leverage of Information Technology. Many manual operations are replaced with online systems which effectively reduce the workload of various departments of Board and reduce the turnaround time for their operations. EDP department facilitates the use of Information Technology in various departments of the Board by working along with them. In effect, this makes the whole system faster and more productive and enables the Board to perform more efficiently.

A. Main Activities of EDP Department are

- (i) Advise, guide and assist various departments and offices of the Board for the effective use of Information Technology.
- (ii) Help desk management for existing applications, messaging solutions, Internet and Website maintenance
- (ii) Administration of organization-wide IT resources hardware, software, databases, networking and peripheral equipment
- (iv) Formulate strategies for technology acquisition, integration, and implementation
- (v) Upgradation of IT infrastructure
- (vi) Defining and implementing systems and procedures for the smooth functioning of IT equipment and software
- (vii) Data processing
- (viii) Identify the need for new systems (or modifications to existing systems) and respond to requests from users
- (ix) Designing, development, documentation, testing, implementation and maintenance of information systems and application software
- (x) Maintenance and updation of Board's websites - indianspices.com, spicesboard.in, indianspices.org.in, worldspicecongress.com, spicesboard.org
- (xi) Formulate and conduct computer training programmes

B. Achievements during the Period 2016-17

- (i) Implemented Annual Property Return Management System, a software solution to manage property returns of employees of Spices Board. Employees can submit their annual property returns online through this system. Administrator login has the privilege to view the submissions.
- (ii) E-Auction Systems at Puttady, Kerala and Bodinayakanur, Tamil Nadu have been enhanced to accommodate 75 concurrent users.

13. IMPLEMENTATION OF RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

The Right to Information Act 2005 (22 of 2005) was enacted by Parliament and the assent of the President was obtained on 15th June 2005. The objective of the Act is to provide for setting out the practical regime of Right to Information for citizens to secure access to information under the control of public authorities, in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority. The citizens can have access to the information of the Board under the provisions of the Right to Information Act except certain information as notified under Section 8 of the Act. The citizens may obtain the information about the Board on payment of prescribed fees.

The Board has effectively implemented the RTI Act, 2005 and complied with all the directions of the Government in this regard. The Board has designated the Deputy Director (Audit & Vigilance) as the Co-ordinating Central Public Information Officer for coordinating the dissemination of information by CPIOs and PIOs. The Board has designated seven Central Public Information Officers (CPIOs) in HO to disseminate information under Right to Information Act, 2005 and 21 Central Assistant Public Information Officers

(CAPIOs) in the field units under Section 5(2) of the Right to Information Act, 2005. The Secretary, Spices Board is nominated as the Nodal Officer for ensuring compliance with the proactive disclosure Guidelines of the RTI Act 2005 and Appellate Authority of the Board to hear appeals under Section 19(1) of the Right to Information Act, 2005. The Deputy Director (EDP) has been designated as the 'Transparency Officer' of the Board to oversee the implementation of obligations under Section 4 of the RTI Act. The Board has disclosed every information required to be disclosed *suo motu* in such form and manner, which is accessible to the public (Section 4(1) of RTI Act 2005) through the Board's official website. During 2016-17, a total of 98 RTI applications through physical and through the online portal and 7 appeals were received under the RTI Act. The required information was disseminated to all the cases within the stipulated time. Two CIC hearings were also held during this period. An amount of ₹ 350 was received as RTI registration fee and additional charges received was ₹ 40. The Quarterly RTI Returns (1st quarter to 4th quarter) were updated in the Central Information Commission's website as scheduled.

.....

List of Members of the Board

(Term of some of the Board Members was valid till February, 2017)
 Govt. of India Gazette Extraordinary Part II Section 3-Sub Section (ii)
 No.269 New Delhi, Tuesday, February 4, 2014, MAGHA 15, 1935

Sl. No.	Name and address	Status	Telephone/Mobile/Fax/ E-Mail	Term valid upto
1	Dr. A. Jayathilak IAS, Chairman, Spices Board, Palarivattom, Kochi – 682 025, Kerala.	Chairman	Ph: 0484-2333304 Mob: 9446022644 Fax: 0484-2349135 E-mail: chairman@indianspices.com	
2	Shri S. Thangavelu, Member of Parliament, [Rajya Sabha], C-204 Swarna Jayanti Sadan, Dr. B.D. Marg, New Delhi – 110 001. Shri S. Thangavelu, Member of Parliament, [Rajya Sabha], 126/6, Gandhi Nagar East, 4 th Street, Kalugumalai Road, Sankarankoil - 627 756 Tirunelveli District, Tamil Nadu	Member	Ph: 011-23708300 Mob: 09013181036 Ph: 04636-222408 Mob: 09443389036, 09489090006 Email: thangavelubscmp@gmail.com info@thonustraining.com	03/02/2017
3	Shri. B S Yeddyurappa Member of Parliament, Office: AC Office complex, Balaraj Urs Road, Shivamoga District, Karnataka - 577 201 Res: 381, 'Devalagiri', 6 th cross Road, 80 ft. Road, RMV 2 nd stage, Bangaluru -560 094	Member	Ph: 08182-272755 080-23511945 Mob: +91 9972795355 E-mail: bsy@yeddyurappa.in ms9448266662@gmail.com	20/10/2017

4	Shri. Pratap Simha Member of Parliament (Lok Sabha) Mysuru Jaladarshini, DC-2 Cottage, Hunsur Main Road, Mysuru - 570 005 Karnataka	Member	Ph: 0821-2444999 Mob: +91-9845624022 E-mail: mpmysoresimha@gmail.com	20/10/2017
5	Director/Deputy Secretary, Incharge of Export Promotion (Agriculture division) Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, New Delhi-110011	Member		03/02/2017
6	Joint Secretary and Mission Director (NHM) Ministry of Agriculture and Cooperation, Department of Agriculture, Krishi Bhavan, New Delhi-110114	Member	Telefax: 011 -23073779; 23382444	03/02/2017
7	Director/Deputy Secretary Incharge of Finance Division, Ministry of Commerce and Industry, Department of Commerce, New Dehi	Member		03/02/2017
8	Dr. Viju Jacob, Director, M/s. Synthite Industries Ltd., Kadayirippu, Kolencherry, Ernakulam, Kerala, Pin-682 311	Member	Ph: 0484-3051200/210 Mob: 9846640010 Fax: 0484-3051351 E-Mail: viju@synthite.com	03/02/2017

9	Shri. Bhaskar Shah, Managing Director, M/s.Jabs International Pvt. Ltd, A-350, TTC Industrial Area, MIDC Mahape, Navi Mumbai – 400 708 Maharashtra	Member	Ph: 022-27784500/ 41412525 Mob: 09820073814 E-mail: jabs@jabsinternational.com	03/02/2017
10	Shri. Ajith Thomas, M/s.AVT Mc-Cormick Ingredients Pvt Ltd, Chennai	Member	Ph: 044-28583463 email: mail@avtspice.com	03/02/2017
11	Vacant		Member representing growers	
12	Shri. Kumarlal M Thailiani Partner, M/s.Asian Food Industires, NH No.8, Opp. Escort Tractors, Dabhaan, Nadiad, Kheda, Gujarat-387 320	Member	Ph: 0268-2581241 Mob: 9824074444 E-mail:asianfoods2002@yahoo.com	03/02/2017
13	Shri. D. V. R. Rajiv Mohan, M/s.ITC Limited, 37, 'Virginia House' Kolkata - 700 071 West Bengal	Member	Ph: 033-22889371 Mob:09831055161 E-mail:rajesh.paddar@itc.co.in	03/02/2017
14	Vacant	Member	Member representing growers	
15	Shri. Jojo George Pottamkulam Estate, Koottickal (P.O.) Kottayam, Kerala Pin-686514	Member	Ph: 04869-222865 Mob: 9447182097 Fax: 04868-222097 E-mail: jojogeorge@kcpmc.com	03/02/2017
16	Shri. Anjo T. Jose Executive Director, MAS Enterprises, Vandanmettu, Idukki District, Kerala Pin-685551	Member	Mob: 9447070770 Email: mail@masindia.com	03/02/2017

17	Shri. K. Zia-ud-Din Ahamed, Joint Managing Director, M/s. KCPMC Ltd, Bodinayakanur, Theni, Tamil Nadu 625 513	Member	Ph: 09597360553 E-mail: ziauddinahamed@yahoo.com	03/02/2017
18	Smt. Anita Karnavar President, ARS International, Kerala 76, LGF, World Trade Centre, Babar Lane, Barakhamba Road, New Delhi 110001	Member	Ph: 011-23414703 Mob: 09810040319 E-mail: anitakarnavar@gmail.com	03/02/2017
19	Smt. Vijayalaxmi Director Phalada Agro Research Foundations Pvt. Ltd, 92/5, Kannalli Village, Segehalli Cross, Magadi Main Road, Bangaluru - 560 091	Member	Ph: 080-28536762/63/64 E-mail: info@phaladaagro.com	03/02/2017
20	Officer on Special Duty to Chief Minister, Chief Minister Secretariat, Itanagar, Arunachal Pradesh Pin - 791111	Member	Ph: 0360-2212341 (O) 2212173 (O) E-mail: hotmail@rediffmail.com hatobinmai5@gmail.com	03/02/2017
21	Shri Mathew Samuel Kalarickal, Kalarickal Estate, Pulianmala, Idukki District, Kerala Pin-685515	Member	E-mail: drmathew.sk@gmail.com	03/02/2017
22	Shri. Ravela Gopala Krishna, Nekkallu (P.O), Thulluru Mandal, Guntur District, Andhra Pradesh Pin-522236	Member	Ph: 08645-281084 Mob: 09848334391 E-mail: gopalakrishnaravela@gmail.com	03/02/2017

23	Shri. E.M. Augasthy, Ex-MLA, Edamanakunnel, Thovarayar (P.O) Kattappana, Idukki District, Kerala Pin - 685511	Member	Mob: 9447072389 E-mail: padidcb@gmail.com	03/02/2017
24	Shri. B.M. Muniraju, Chikkati Village and Post, Hobli, Gundlupet Taluk, Chamaraja Nagar, Karnataka Pin-571109	Member	Mob: 09448402366 E-mail: bmmunirajuchikkati@gmail.com	03/02/2017
25	The Principal Secretary (Horticulture) Govt. of Uttar Pradesh, Bahukkandi Bhavan, UP Civil Secretariat, Lucknow – 226 001	Member		03/02/2017
26	The Principal Secretary (Horticulture) Govt. of Andhra Pradesh Room No.262 A, D-Block, Ist Floor, Secretariat, Hyderabad -500 022	Member	E-mail: apcprlsecy1@gmail.com	03/02/2017
27	The Secretary, (Horticulture), Govt. of Sikkim, Krishi Bhavan, Tadong, Gangtok – 737 102	Member		03/02/2017
28	The Director (IE) NITI Ayog Yojana Bhavan New Delhi	Member	Ph: 011-23096717 011-26493215 Mob: 9868124796 Fax: 011-23096717	03/02/2017
29	The Director, Indian Institute of Packaging [IIP], E-2, MIDC Area, P.B.No.9432, Andheri (East), Mumbai-400 093	Member	Ph: 022 - 28219803/9469/6751 022 - 28209622 022-28329623 022 - 28391506 022-28328178 Fax: 022-28375302 E-mail: director-iip@iip-in.com	03/02/2017

30	The Director, Central Food Technological Research Institute [CFTRI], Mysuru-570 020	Member	Ph: 0821-2517760 Fax: 0821-2516308 E-Mail: director@cftri.com director@cftri.res.in	03/02/2017
31	The Director, Indian Institute of Spices Research [IISR], P.B.No.1701, Marikkunnu P.O, Kozhikode-673 012, Kerala.	Member	Ph: 0495-2730294 Fax: 0495-2731187 E-mail: director@spices.res.in. sali@spices.res.in	03/02/2017
32	Vacant		Member representing labour interests	



Promoting Heritage, Hygiene & Health



Spices  India
FLAVOURFULLY YOURS

Spices India
Lulu Mall, Edapally, Kochi-682 024, Kerala Tel: 0484-4073489